दिनमान | तापमान
सूर्योदय 4.54 सूर्यास्त 6.12 | अधिकतम 38° न्यूनतम 29°

वर्ष 18, अंक 333 पृष्ठ 12
कोलकाता, गुरुवार, 21 मई 2026
ज्येष्ठ, शुक्लपक्ष, पंचमी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

घुसपैठियों पर बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान

बंगाल में सीएए कानून लागू

सीएए सूची से बाहर के लोगों को गिरफ्तार कर बीएसएफ को सौंपा जाएगा

कोलकाता: मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए कड़े प्रशासनिक फैसले की घोषणा की है. देश की सीमा सुरक्षा के लिए बीएसएफ को भूमि सौंपने हेतु नबान्न सभागार में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने बताया कि आज से पूरे पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों के खिलाफ पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति लागू की जा रही है. मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व तृणमूल सरकार ने गृह मंत्रालय के अवर सचिव द्वारा 14 मई, 2025 को इस कानून के संबंध में भेजे गए नोटिस को लागू नहीं किया. शुभेंदु ने बीएसएफ को जमीन सौंपने के साथ-साथ केंद्र के पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो कानून को लागू करने की घोषणा की. इसके परिणामस्वरूप, यदि राज्य में कहीं भी कोई अवैध घुसपैठिया पकड़ा जाता है, तो पुलिस नियमों के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को बीएसएफ को सौंप देगी. फिर बीएसएफ कानून के अनुसार घुसपैठिए को वापस भेज देगी.

मुख्यमंत्री ने कहा, सीएए में कहा गया है कि सात समुदायों या धर्मों से संबंधित लोग नागरिकता संशोधन अधिनियम के दायरे में आएंगे और जो लोग 31/12/2024 तक भारत आए हैं, उन्हें पुलिस द्वारा कहीं भी परेशान या हिरासत में नहीं लिया जाएगा.

इसके अलावा, इस कानून के दायरे में न आने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए शुभेंदु ने कहा, सीएए के दायरे में न आने वाले लोग अवैध घुसपैठिए हैं. राज्य पुलिस उन्हें सीधे गिरफ्तार कर बीएसएफ को सौंप देगी. बीएसएफ बीडीआर से बात करके उन्हें निर्वासित करने की व्यवस्था करेगी. दूसरे शब्दों में, पता लगाओ, हटाओ, अब निर्वासित करो - यह कानून आज से लागू हो गया है.राज्य के पुलिस महानिदेशक सिद्धनाथ गुप्ता और गृह सचिव को इस कानून को लागू करने के लिए विशेष निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं. बताया गया है कि राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सभी पुलिस थानों में पेज 9 पर जारी

शुभेंदु अधिकारी ने बीएसएफ को सौंपी जमीन

कोलकाता: पश्चिम बंगाल ने सीमा सुरक्षा में सुधार और लंबे समय से चली आ रही प्रशासनिक और कानूनी बाधाओं को दूर करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है. बुधवार को नबान्न सभागार में आयोजित एक संयुक्त बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की उपस्थिति में राज्य सरकार ने औपचारिक रूप से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को आवश्यक भूमि सौंप दी. केंद्र और राज्य की इस संयुक्त पहल को देश की समग्र सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है.

9 मई 2026 को राज्य में नई सरकार के कार्यभार संभालने के दो सप्ताह के भीतर ही सीमा चौकी (बीओपी) और बाड़ लगाने के लिए निर्धारित 27 किलोमीटर भूमि पूरी तरह से बीएसएफ को सौंप दी गई. बैठक के बाद, सहयोग का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा, आज हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है. लंबे समय बाद, बीएसएफ, केंद्र सरकार और राज्य सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र में भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया पर काम करने के लिए एक साथ आ रही हैं. एक देशभक्त सरकार ने आखिरकार इस काम को पूरा कर दिया है. नबान्न में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएसएफ को दो प्रकार की भूमि सौंपी गई है. इसमें राज्य के 9 जिलों में फैली कुल 32 एकड़ सरकारी खास भूमि शामिल है, जिसे पूरी तरह से सौंप दिया गया है. वहीं दूसरी ओर, सीमा सुरक्षा का दायरा बढ़ाने और बाड़ लगाने का काम पूरा करने के लिए 5 जिलों में फैली कुल 43 एकड़ निजी भूमि सीधे तौर पर खरीदी गई है. 27 किलोमीटर (18+9 किलोमीटर) लंबी सीमा की सुरक्षा के लिए आवश्यक पेज 9 पर जारी

भारत और इटली ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई

रोम: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के बीच हुई वार्ता के बाद, भारत और इटली ने बुधवार को अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने तथा व्यापार, निवेश और नयी प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति जताई. मेलोनी के साथ बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हमने भारत-इटली संबंधों को मजबूत करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया. मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार रात रोम पहुंचे थे. मेलोनी के साथ बातचीत के लिए पहुंचने पर मोदी को रस्मी सलामी गारद दी गई.इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला से मुलाकात की तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत-इटली साझेदारी को और बढ़ाने पर चर्चा की. पहले, मोदी ने कहा था कि उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और इटली के बीच सहयोग को मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा करना होगा. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा कि दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा और संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 की समीक्षा करेंगे. इटली में भारतीय दूतावास के मुताबिक, हाल के सालों में भारत और इटली के बीच आर्थिक जुड़ाव बढ़ा है और 2025 में दोनों देशों का व्यापार 14.25 अरब यूरो तक पहुंच गया. भारत का निर्यात 8.55 अरब यूरो रहा, जबकि 2025 में इटली का भारत को निर्यात 5.70 अरब यूरो दर्ज किया गया, जो 2024 के मुकाबले 9.42 प्रतिशत ज्यादा है. दोनों देशों ने 2029 तक सालाना द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है. इटली यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और उसने अपनी वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत भारत को प्राथमिकता वाले देशों में से एक माना है.

'मेलोडी' टॉफी को लेकर मेलोनी ने जताया मोदी का आभार

रोम: इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने 'मेलोडी' टॉफी भेंट किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है. इस हल्के-फुल्के पल ने सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं से जुड़े चर्चित 'मेलोडी' शब्द को फिर से चर्चा में ला दिया. मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैं-मेलोडी. उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, उपहार के लिए धन्यवाद.बुधवार को अपलोड किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी भी नजर आते हैं और मेलोनी के 'मेलोडी' टॉफी के जिक्र पर हंसते दिखाई देते हैं. मोदी और मेलोनी के नामों के संयोजन के तौर पर 'मेलोडी' हैशटैग पहली बार इटली की प्रधानमंत्री ने 2023 में दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन के दौरान गढ़ा था. इसके बाद दोनों नेताओं की वैश्विक मंचों पर हुई गर्मजोशी भरी मुलाकातों के बीच यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.मेलोनी ने उस समय भी सोशल मीडिया पर मोदी के साथ तस्वीर साझा करते हुए 'मेलोडी' हैशटैग के साथ लिखा था, कॉप-28 में अच्छे दोस्त.

फलता में पुनर्मतदान आज

निर्वाचन आयोग ने की दोगुनी सुरक्षा व्यवस्था

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान के लिए निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था लगभग दोगुनी कर दी है. एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी. पिछले महीने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ के आरोपों के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया गया था. राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के आठ जवान तैनात किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान प्रत्येक बूथ पर केवल चार जवानों को तैनात किया गया था.

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, आयोग इस बार किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहता. इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूत किया गया है. अधिकारी ने बताया कि फलता विधानसभा क्षेत्र में 285 मतदान केंद्र हैं और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां तैनात की जाएंगी. उन्होंने कहा कि पुनर्मतदान के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती पूर्व की तुलना में लगभग दोगुनी होगी.

इसके अतिरिक्त, किसी भी गड़बड़ी की स्थिति से तुरंत निपटने के लिए 30 त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्विक रिस्पांस टीम) भी तैनात रहेंगे. एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने कहा, उद्देश्य यह है कि मामूली अशांति की स्थिति में भी तत्काल हस्तक्षेप किया जा सके. उन्होंने बताया कि आयोग ने निगरानी व्यवस्था भी कड़ी कर दी है. प्रत्येक मतदान केंद्र के भीतर दो वेब कैमरे और बाहर एक कैमरा लगाया जाएगा, जबकि मतदान प्रक्रिया और आसपास के क्षेत्रों की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी. उन्होंने कहा, जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालयों से निगरानी की जाएगी. अधिकारी ने बताया कि पुनर्मतदान के दिन ड्रोन निगरानी पर भी विचार किया जा रहा है. उन्होंने कहा, पुनर्मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए तीन चुनाव पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है.इस बीच, राज्य पुलिस ने पुनर्मतदान से पहले कार्रवाई शुरू कर दी है. बंगाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने कई लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें फलता पंचायत समिति के उपाध्यक्ष सईदुल खान भी शामिल हैं. मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने घोषणा की कि वह गुरुवार को होने वाले पुन: मतदान में उम्मीदवार नहीं रहेंगे. तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि यह फैसला खान का व्यक्तिगत निर्णय है, पार्टी का नहीं. भारतीय जनता पार्टी ने जहांगीर खान के खिलाफ देबांग्शु पांडा को उम्मीदवार बनाया है.

इससे पहले, 29 अप्रैल को मतदान के दौरान कई मतदान केंद्रों से ईवीएम पर इत्र और चिपकने वाला टेप लगाए जाने की शिकायतें मिलने के बाद से निर्वाचन क्षेत्र में तनाव बना हुआ है. तत्कालीन विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने स्वयं निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर जांच की थी. बताया जाता है कि कम से कम 60 मतदान केंद्रों पर छेड़छाड़ के प्रमाण मिले थे. ईवीएम से कथित छेड़छाड़ के अलावा, कई मतदान केंद्रों पर लगाए गए वेब कैमरों की फुटेज के साथ भी छेड़छाड़ के प्रयास का पता चला था. इसके बाद बूथ स्तरीय अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों, मतदान कर्मियों और यहां तक कि चुनाव पर्यवेक्षकों की भूमिका पर भी सवाल उठे थे. इसके बाद निर्वाचन आयोग ने पूरे निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया था.

कुर्बानी पर समझौता नहीं करेगा मुस्लिम समुदाय : हुमायूं कबीर

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) को लेकर राजनीति तेज हो गई है. हुमायूं कबीर ने बुधवार को राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि 'कुर्बानी' पर किसी भी प्रकार की रोक लगाने की कोशिश मुस्लिम समुदाय स्वीकार नहीं करेगा.आम जनता उन्नयन पार्टी (एजूप) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर ने राज्य सरकार द्वारा 13 मई को जारी 'पशु वध दिशा-निर्देश' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाएगा, लेकिन इस्लामी परंपरा के अनुसार कुर्बानी अवश्य होगी. उन्होंने कहा कि कुरान में जिन पशुओं की कुर्बानी जायज बताई गई है, उनकी कुर्बानी दी जाएगी.

राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार, बैल, सांड, गाय, बछड़ा, भैंस, भैंस के बच्चे और बधिया भैंसों के वध से पहले 'फिट-फॉर-स्लॉटर' प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य किया गया है. साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर इन पशुओं के वध पर रोक लगाई गई है और निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के कार्य में बाधा न डालने का निर्देश दिया गया है.कबीर ने कहा कि बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग बीफ का सेवन करते हैं. पेज 9 पर जारी

राहुल गांधी ने पीएम मोदी, अमित शाह और आरएसएस को 'ग़द्दार' कहा

बीजेपी ने बताया 140 करोड़ जनता का अपमान

रायबरेली: राहुल गांधी के पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस को 'गद्दार' बताने पर हंगामा खड़ा हो गया है. बीजेपी ने राहुल गांधी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि ये राहुल गांधी की अराजकतावादी मानसिकता को दिखाता है. बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर हैं. वहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. राहुल गांधी ने कहा, जब आप घर वापस जाओगे और आरएसएस कार्यकर्ता आपके सामने आएंगे, नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बात करेंगे, उनके सामने आप उनसे कहो कि आपका प्रधानमंत्री ग़द्दार है, आपका गृह मंत्री ग़द्दार है, आपका संगठन ग़द्दार है. आपने हिंदुस्तान को बेचने का काम किया है. आपने हमारे संविधान पर आक्रमण किया है. आपने आंबेडकर जी, गांधी जी पर आक्रमण किया है.

रायबरेली में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा, नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान के आर्थिक सिस्टम को बेच दिया है. उन्होंने अडानी-अंबानी और अमेरिका को हिंदुस्तान का आर्थिक सिस्टम पकड़ा दिया है. अब आर्थिक तूफ़ान आ रहा हू और नरेंद्र मोदी और हिंदुस्तान की सरकार आपको नहीं बचा पाएगी. दो-तीन महीने में आपको पता चल जाएगा कि कैसा ज़बरदस्त झटका लगने वाला है. नरेंद्र मोदी रोएंगे, जैसे कोविड और नोटबंदी की समय रोए थे, और कहेंगे कि 'मेरी ग़लती नहीं है.' मैं आपको बता रहा हूं कि ग़लती सिर्फ़ नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस की है क्योंकि उन्होंने इसको (भारतीय संविधान) ख़त्म किया है.

राहुल गांधी ने कहा, चुनाव से पहले कहा कि पेट्रोल-गैस की कोई कमी नहीं है, पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ेंगे और आज जब पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं तो अंबानी पेट्रोल हिंदुस्तान के बाहर भेज रहा है. अंबानी रूस से पेट्रोल ख़रीदता है और बाहर बेचता है और अंबानी नरेंद्र मोदी की फ़ंडिंग उस पैसे से करता है. ये सच्चाई है. राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी आपसे कहते हैं कि विदेश मत जाओ, सोना मत ख़रीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी ख़रीदो. आने वाले समय में किसान के पास खाद भी नहीं होगा. आर्थिक तूफ़ान आ रहा है. आप देखना कुछ ही महीनों में महंगाई कहां जाती है. पेट्रोल, डीज़ल, गैस, दाल और चावल के दाम कहां जाते हैं. खुलकर प्रधानमंत्री कहते हैं कि विदेश मत जाओ और फिर हज़ारों करोड़ रुपये के जहाज़ में विदेश चले जाते हैं.

राहुल गांधी के बयान के बाद बीजेपी और उसके नेता लगातार उनकी निंदा कर रहे हैं. बीजेपी ने राहुल गांधी के बयान को देश की 140 करोड़ लोगों का अपमान बताया है. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बयान जारी कर कहा है कि राहुल गांधी का आज पेज 9 पर जारी

गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित कर विवाद को हमेशा के लिए खत्म करे सरकार : अरशद मदनी

नई दिल्ली: जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम) के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि इस विवाद को हमेशा के लिए खत्म किया जाए, ताकि गाय के नाम पर होने वाली 'मॉब लिंचिंग' (भीड़ हत्या) की घटनाएं बंद हों. संगठन की ओर से बुधवार को जारी एक बयान के मुताबिक, मौलाना मदनी ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार से सवाल किया कि जब देश की बहुसंख्यक आबादी गाय को केवल पवित्र ही नहीं मानती, बल्कि उसे मां का दर्जा देती है, तो फिर ऐसी क्या राजनीतिक मजबूरी है कि सरकार उसे 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने से बच रही है? उन्होंने दावा किया कि इन लोगों को गाय से वास्तविक श्रद्धा नहीं, बल्कि राजनीति से प्रेम है और राजनीति के जरिए लोगों को भड़काकर मुसलमानों के खिलाफ एकजुट किया जाता है और वोट हासिल किए जाते हैं. मदनी ने कहा कि चुनाव के समय कई भावनात्मक और राजनीतिक मुद्दे जानबूझकर उछाले जाते हैं, जिनमें गाय के नाम पर राजनीति भी शामिल है.

मुस्लिम नेता ने कहा कि गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने पर मुस्लिम समुदाय को आपत्ति नहीं है, बल्कि वे तो सरकार के इस कदम स्वागत करेंगे, क्योंकि इस दिशा में कानून बन जाने के बाद गाय के नाम पर होने वाली 'मॉब लिंचिंग' और हिंसा बंद हो जाएगी. उन्होंने कहा, यह मांग केवल हम नहीं कर रहे हैं, बल्कि अनेक साधु-संत भी लंबे समय से यह मांग उठा रहे हैं. इसके बावजूद यदि सरकार इस विषय को गंभीरता से नहीं ले रही है, तो इसका क्या अर्थ निकाला जाए?

मदनी ने दावा किया कि गाय के मुद्दे को राजनीतिक और भावनात्मक विषय बना दिया गया है और कुछ लोग योजनाबद्ध तरीके से गोकशी की अफवाह फैलाकर या पशु तस्करी के नाम पर निर्दोष लोगों को हिंसा का शिकार बना देते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि दुखद पहलू यह है कि लगातार झूठ और अफवाहों के जरिए पूरे देश में मुसलमानों की छवि इस तरह खराब कर दी गई है और समाज का एक बड़ा वर्ग मुसलमानों को गाय का विरोधी समझने लगा है. उन्होंने कहा कि उनका संगठन हर बार बकरीद के मौके पर मुसलमानों से प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी नहीं करने की अपील करता है, क्योंकि इस्लाम में इसकी अनुमति नहीं है कि दूसरे धर्मों की भावनाओं को आहत किया जाए. मदनी ने कहा कि इसलिए गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करके इस विवाद को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाए और इसके लिए जो भी कानून बनाया जाए, उसे देश के सभी राज्यों में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से लागू किया जाए.

चुनाव के बाद तृणमूल के पहले बड़े विरोध प्रदर्शन में कई विधायक अनुपस्थित

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के पहले बड़े विरोध प्रदर्शन से पार्टी के कई विधायकों की अनुपस्थिति ने बुधवार को राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है. यह घटनाक्रम पार्टी के आंतरिक विचार-विमर्श के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर जनता से जुड़ने के लिए सड़क पर उतरने की राजनीति की ओर लौटने की आवश्यकता पर चर्चा हुई थी. तृणमूल विधायकों के एक समूह ने विधानसभा परिसर में आंबेडकर प्रतिमा के पास 'चुनावेत्तर हिंसा' और फेरीवालों को हटाने के अभियानों के खिलाफ धरना दिया. पंद्रह वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद यह पार्टी का पहला समन्वित आंदोलन था. इस प्रदर्शन में शोभनदेब चट्टोपाध्याय, नयना बनर्जी, कुणाल घोष और ऋतब्रत बनर्जी शामिल थे.

हालांकि, 80 विधायकों में से केवल 35 ही कार्यक्रम में पहुंचे, जिससे राजनीतिक गलियारों में संगठन के भीतर संभावित मतभेदों को लेकर अटकलें तेज हो गईं. यह ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी चुनावी हार के बाद खुद को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रही है. विपक्ष के नेता पद के लिए पार्टी की पसंद माने जा रहे शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने आंतरिक कलह की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि कई विधायक संगठनात्मक जिम्मेदारियों और अन्य व्यावहारिक कारणों से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके.

संगठन के भीतर संभावित मतभेदों को लेकर अटकलें तेज

चट्टोपाध्याय ने कहा, आज के कार्यक्रम में करीब 35 विधायक मौजूद थे. कई विधायक चुनाव बाद हिंसा प्रभावित इलाकों में कार्यकर्ताओं के साथ व्यस्त थे, इसलिए वे नहीं आ सके. इसके अलावा कार्यक्रम की सूचना सिर्फ एक दिन पहले दी गई थी, ऐसे में दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले विधायकों के लिए पहुंचना मुश्किल था. हालांकि, इस विरोध प्रदर्शन को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह कालीघाट में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के एक दिन बाद आयोजित किया गया.

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में कई विधायकों ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस केवल रणनीतिक बैठकों के जरिए खुद को पुनर्स्थापित नहीं कर सकती और उसे जमीनी स्तर पर लोगों से दोबारा जुड़ने की जरूरत है. पार्टी सूत्रों के अनुसार, पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की उपस्थिति में मंगलवार को हुई बैठक में कुछ विधायकों ने चुनाव में हार के बाद सड़क आंदोलन से पार्टी नेतृत्व की कथित अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त की. कई विधायकों ने कथित तौर पर कहा कि बंद कमरों में बैठकें करना उस पार्टी के लिए मददगार नहीं होगा जो अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को फिर से हासिल करना चाहती है.

सूत्रों ने बताया कि कालीघाट में हुई चर्चाओं में पार्टी के कुछ वर्गों के भीतर चुनाव के बाद नेतृत्व के राजनीतिक दृष्टिकोण को लेकर व्यापक चिंता भी झलकती है. इस पृष्ठभूमि में बुधवार का विरोध प्रदर्शन केवल चुनाव बाद हिंसा और अतिक्रमण रोधी अभियानों के मुद्दे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका प्रतीकात्मक महत्व भी माना गया. तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक पहचान लंबे समय तक आंदोलनों के जरिए बनी रही है. सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलनों से लेकर वाम मोर्चा सरकार के खिलाफ सड़क पर चलाए गए अभियानों तक, पार्टी की राजनीति में जन आंदोलनों की अहम भूमिका रही है.तृणमूल विधायकों ने विधानसभा में बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया. उन्होंने बेदखली अभियान, बुलडोजर से इमारतें ढहाने और चुनाव बाद कथित हिंसा का विरोध किया. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल विधायकों के पहले बड़े विरोध प्रदर्शन में अपेक्षाकृत कम उपस्थिति ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद विपक्षी दल की भूमिका में खुद को कितनी प्रभावी ढंग से ढाल पाती है.

2021 चुनाव बाद हिंसा मामले में हुगली से तीन तृणमूल नेता गिरफ्तार

हुगली : गुड़ाप इलाके में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा, तोड़फोड़ और आतंक फैलाने के आरोप में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के तीन स्थानीय नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, हुगली ग्रामीण पुलिस के गुड़ाप थाना की टीम ने मंगलवार देर रात नेदामपुर गांव में अभियान चलाकर सम्राट मलिक, राजू धारा और रॉबिन बाग को गिरफ्तार किया. बुधवार को तीनों आरोपितों को पुलिस हिरासत की मांग के साथ चूंचूड़ा अदालत में पेश किया गया.पुलिस के मुताबिक, 2021 विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद गुड़ाप के नेदामपुर इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के घरों में तोड़फोड़, मारपीट, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप इन तीनों नेताओं पर लगे थे. उस समय इलाके में भय का माहौल होने के कारण प्रभावित भाजपा समर्थक स्थानीय थाने में तत्काल लिखित शिकायत दर्ज नहीं करा सके थे.बाद में बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक टीम ने इलाके का दौरा कर रिपोर्ट सौंपी थी. उसी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की.सूत्रों के अनुसार, प्रशासन ने स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया और प्रभावित परिवारों से संपर्क किया. इसके बाद पीड़ित परिवारों की ओर से मंगलवार रात थाने में नई लिखित शिकायत दर्ज कराए जाने पर पुलिस ने तीनों तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार कर लिया. इस गिरफ्तारी के बाद गुड़ाप इलाके में एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है.

पुरुलिया में स्वास्थ्य अधिकारी से बदसलूकी पर भाजपा के चार नेताओं को नोटिस

पुरुलिया : जिले में एक स्वास्थ्य अधिकारी के साथ कथित बदसलूकी के मामले में भाजपा ने अपने चार नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है. राज्य भाजपा ने इस घटना को लज्जाजनक बताते हुए आरोपित नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और फिलहाल उन्हें पार्टी के सभी कार्यों से दूर रहने को कहा है.राज्य भाजपा नेतृत्व ने इस घटना को गंभीरता से लिया. इसके बाद चार नेताओं-राकेश महतो, विजयमोहन सिंह, अरुणचंद्र माझी और मिथुन कुमार को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है.मिली जानकारी के अनुसार, 12 मई को बाघमुंडी ब्लॉक के पाथरडी स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ऑफ हेल्थ (बीएमओएच) के साथ भाजपा नेताओं द्वारा दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा था. इस घटना को लेकर इलाके में राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया था.बताया गया है कि बाघमुंडी क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को इलाज के लिए दूसरे राज्य के अस्पतालों में भेजने की सलाह क्यों दी जा रही है, इस मुद्दे को लेकर कुछ भाजपा नेताओं ने स्वास्थ्य अधिकारी से तीखी बहस की और उन्हें कथित रूप से धमकाया.राकेश महतो पुरुलिया जिला परिषद के सदस्य और बाघमुंडी ब्लॉक भाजपा के संयोजक हैं. वहीं विजयमोहन सिंह ब्लॉक के सह-संयोजक, अरुणचंद्र माझी मंडल-चार के अध्यक्ष और मिथुन कुमार युवा मोर्चा के अध्यक्ष हैं.पार्टी की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि स्वास्थ्य अधिकारी को डराने-धमकाने, अपशब्द कहने, शारीरिक रूप से परेशान करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप सामने आए हैं, जो पार्टी अनुशासन के खिलाफ हैं.भाजपा की अनुशासन समिति की सिफारिश और राज्य अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद शमिक भट्टाचार्य के निर्देश पर चारों नेताओं को फिलहाल पार्टी के काम से अलग रहने को कहा गया है. साथ ही उन्हें सात दिनों के भीतर अपने व्यवहार पर लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है.

सुवर्णरिखा नदी से शव बरामद, इलाके में सनसनी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के दांतन इलाके में सुवर्णरिखा नदी से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है.स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार को दांतन के मालपाड़ा मोयारूई घाट के पास सुवर्णरिखा नदी में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ दिखाई दिया. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना दांतन थाना की पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकालकर अपने कब्जे में लिया. शव को पोस्टमार्टम के लिए खड़गपुर महकमा अस्पताल भेज दिया गया है.पुलिस के मुताबिक, खबर लिखे जाने तक मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी. पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उस व्यक्ति की मौत कैसे हुई.

मालदा में पुलिस ने बरामद किया करोड़ों की नशीली कफ सिरप और ब्राउन शुगर

मालदा : इंग्लिश बाजार थाना पुलिस ने बुधवार को दो अलग-अलग अभियानों में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, 19 मई को सदुल्लापुर इलाके में नाका चेकिंग के दौरान इंग्लिश बाजार थाना पुलिस ने एक बोलेरो पिकअप वाहन को रोका. तलाशी लेने पर वाहन से 25 बोरियों में भरी कुल सात हजार 500 बोतल एस्कफ कफ सिरप बरामद की गई. पुलिस के मुताबिक, बरामद कफ सिरप में कोडीन फॉस्फेट और ट्रिप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड पाया गया, जिसे मादक पदार्थ की श्रेणी में रखा जाता है.बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 16.80 लाख रुपये बताई गई है. पुलिस ने कफ सिरप और वाहन को जब्त कर लिया तथा कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपित मोहम्मद मबूद अली को गिरफ्तार कर लिया. आरोपितमालदा जिले के कालियाचक थाना अंतर्गत मिर्जापुर, सैयदपुर का निवासी बताया गया है.

उसे पुलिस रिमांड की मांग के साथ अदालत में पेश किया गया.एक अन्य अभियान में, इंग्लिश बाजार थाना की पुलिस ने एनएच-12 पर गौर मालदा स्टेशन के पास संदिग्ध रूप से घूम रहे एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया.

तलाशी के दौरान आरोपितों के पास मौजूद एक नायलॉन बैग में रखे तीन परत वाले टिफिन बॉक्स से छह पैकेट ब्राउन शुगर बरामद की गई.पुलिस के अनुसार, बरामद ब्राउन शुगर का कुल वजन 619 ग्राम है. ड्रग डिटेक्शन किट से जांच करने पर पदार्थ के मादक होने की पुष्टि हुई.

आरोपित इसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके.पुलिस ने इस मामले में सफेदा बीबी उर्फ सफेदा खातून और तौफिक शेख को गिरफ्तार कर लिया है.

दोनों मामलों में इंग्लिश बाजार थाना में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 'जीटीए फाइल खोलने' के दिए आदेश

सिलीगुड़ी : विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद बुधवार को उत्तर बंगाल पहुंचते ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पहाड़ की राजनीति में बड़ा कदम उठाया है. सिलीगुड़ी में उतरते ही सख्त संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) में हुए काम, फंड आवंटन और परियोजनाओं से जुड़ी सभी फाइलें दोबारा खोली जाएंगी.मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ के विकास में भ्रष्टाचार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.इससे पहले उत्तर बंगाल विकास मंत्री निशीथ प्रामाणिक भी उत्तरकन्या में बैठकर कामकाज की निगरानी और भ्रष्टाचार की जांच की बात कह चुके है. उन्होंने चेतावनी दी थी कि सभी मामलों की जांच होगी और अब वह हर हफ्ते एक दिन उत्तरकन्या में बैठकर काम देखेंगे.मुख्यमंत्री के इस 'जीटीए फाइल खोलने' के ऐलान से पहाड़ी राजनीति में हलचल तेज हो गई है.दूसरी ओर, विधानसभा चुनाव के बाद बिमल गुरुंग भी जीटीए को लेकर सक्रिय हो गए है. उन्होंने जीटीए में भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोप लगाते हुए हाल ही में 'लालकुठी' घेराव का आह्वान किया था, हालांकि पर्यटन का मौसम को देखते हुए फिलहाल उस कार्यक्रम को टाल दिया गया है.जीटीए में पिछले शासनकाल के दौरान भारी भ्रष्टाचार के आरोपों ने अब पहाड़ की राजनीति को और गरमा दिया है.

आरामबाग में फिर बम बरामद, इलाके में फैली दहशत

हुगली : आरामबाग के कालिपुर मोड़ इलाके में बुधवार को एक बार फिर बम बरामद होने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय के पास स्थित एक अड्डाखाने में बम रखे होने की जानकारी लोगों को मिली. इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत आरामबाग थाना पुलिस को सूचना दी.सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बमों को बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया. हालांकि, खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि बम वहां किसने और किस उद्देश्य से रखे थे.इस घटना को लेकर पूरे इलाके में भारी तनाव और दहशत का माहौल है. उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी आरामबाग बस स्टैंड और आरामबाग के 11 नंबर वार्ड में बम बरामद होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं. लगातार हो रही इन घटनाओं से आम लोगों की चिंता बढ़ गई है.

हथियार तस्करी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

बर्दवान : पश्चिम बंगाल की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आसनसोल की दक्षिण थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर आसनसोल में अंतरराज्यीय आर्म्स डीलर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई मंगलवार देर रात लोको मैदान के पास की गई.गिरफ्तार आरोपितों की पहचान दुर्गापुर के नईम नगर निवासी फिरोज खान और रेलपार बबुआ तालाब निवासी मोहम्मद सोनू के रूप में हुई है. दोनों को बुधवार को आसनसोल सीजीएम अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उन्हें सात दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया.एसटीएफ ने आरोपितों के पास से दो 9 एमएम पिस्टल, दो पाइप गन, 30 राउंड जिंदा कारतूस तथा 1570 रुपये नकद बरामद किए हैं.

सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत, मुआवजे की मांग पर प्रदर्शन

पश्चिम बर्दवान : जिले के सलानपुर थाना क्षेत्र के फूलबेड़िया हनुमान मंदिर ट्रांसपोर्ट रोड इलाके में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत हो गई. मृतक की पहचान मंगल बाउरी (35) के रूप में हुई है. मृतक जेमारी गांव के निवासी थे, लेकिन घर जमाई के रूप में फूलबेड़िया गांव में रह रहे थे. परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं. हादसे के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया.

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े आठ बजे की एक हाइड्रा गाड़ी ने मंगल बाउरी को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया.

बताया गया है कि वह रोज की तरह बुधवार सुबह भी साइकिल से एक निजी कारखाने में काम पर जा रहे थे. इसी दौरान रास्ते में साइकिल खराब होने पर वह वापस घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ. घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने हाइड्रा वाहन को रोक लिया और शव को सड़क पर रखकर मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया. सूचना पाकर सलानपुर थाना की पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंच गए और स्थिति को नियंत्रित किया.स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस इलाके में पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. उनका कहना है कि ईसीएल की लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं. यह भी आरोप लगाया कि कई डंपर और भारी वाहन प्रशिक्षित चालकों की जगह खलासी चला रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है.इस मामले पर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

गोघाट में दो गुटों में हिंसक झड़प, कई घायल

हुगली : गोघाट में घर के सामने चालाघर (शेड) निर्माण को लेकर दो गुटों के बीच हिंसक झड़प होने से नबासन इलाका रणक्षेत्र में बदल गया. दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर बांस और लाठियों से हमला करने का आरोप लगाया है. घटना के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोघाट थाना पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंची.आरोप है कि भाजपा जिला कमेटी के सदस्य तुष्टुपद कुंडु अपने घर के सामने एक चालाघर का निर्माण करवा रहे थे. इसी दौरान भाजपा के ही एक अन्य जिला कमेटी सदस्य शिशिर राय ने निर्माण को अवैध बताते हुए इसका विरोध किया.बताया गया है कि दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी बहस हुई और फिर मामला हिंसक झड़प में बदल गया. आरोप है कि शिशिर राय पर बांस और लाठियों से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े.हालांकि, तुष्टुपद कुंडु ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया. उनका दावा है कि कोई अवैध निर्माण नहीं हो रहा था, बल्कि शिशिर राय अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और उन पर हमला किया. उन्होंने भी मारपीट का आरोप लगाया है.घटना के बाद नबासन इलाके में भारी तनाव फैल गया. राजनीतिक तनाव को देखते हुए इलाके में पुलिस और केंद्रीय बल की तैनाती की गई. घायल दोनों भाजपा नेताओं को पहले गोघाट ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया. बाद में शिशिर राय की हालत बिगड़ने पर उन्हें आरामबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया.इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है. स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में लंबे समय से भाजपा के दो गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी और चालाघर निर्माण का मुद्दा उसी तनाव का कारण बन गया.दोनों पक्षों ने गोघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने भाजपा नेता तुष्टुपद कुंडु को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. मामले की जांच जारी है.

16 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया! टीएमसी जिला अध्यक्ष अब्दुर रहीम बक्सी की बेटी के स्कूल का कनेक्शन काटा

मालदा : लगभग 16 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया होने के आरोप में बिजली वितरण विभाग ने मालदा के मालतीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और टीएमसी जिला अध्यक्ष अब्दुर रहीम बक्सी की बेटी के नाम पर चल रहे एक निजी स्कूल का बिजली कनेक्शन काट दिया है. इस कार्रवाई के बाद मालदा के रतुआ इलाके में हड़कंप मच गया है.बिजली वितरण कंपनी के अनुसार, सालों से बिजली का बिल जमा न करने के कारण स्कूल पर कुल बकाया राशि करीब 16 लाख रुपये तक पहुंच गई थी. इसमें 11 लाख रुपये मूल बिल था और बाकी के लगभग 5 लाख रुपये विलंब शुल्क (जुर्माना) के रूप में जोड़े गए थे. विभाग द्वारा कई बार नोटिस भेजे जाने के बाद भी जब स्कूल प्रबंधन की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला, तो पिछले हफ्ते स्कूल की बिजली काट दी गई.

इतना भारी-भरकम बिल बकाया होने के बावजूद इतने दिनों तक कोई सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की गई, इसे लेकर अब सवाल उठने लगे हैं. विपक्ष का आरोप है कि राजनीतिक रसूख और प्रभाव के कारण इस मामले को लंबे समय से दबा कर रखा गया था.इस घटना पर तीखा तंज कसते हुए उत्तर मालदा भाजपा के उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा, शिक्षण संस्थान के नाम पर लाखों रुपये की कमाई की जा रही है, लेकिन बिजली का बिल तक नहीं भरा गया. इसके अलावा, रतुआ का यह संस्थान कथित तौर पर सिंचाई विभाग (सेच दफ्तर) की सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाया गया है. उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है. अगर अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन सरकार को वापस नहीं की गई, तो भविष्य में और भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बिजली वितरण कंपनी के मालदा क्षेत्रीय प्रबंधक (रीजनल मैनेजर) सौमेन दास ने बताया कि रेजिना खातून (विधायक की बेटी) के नाम पर दर्ज इस स्कूल का बिल अत्यधिक बढ़ चुका था. कुल 16 लाख रुपये (11 लाख बिल + 5 लाख जुर्माना) के भुगतान के लिए बार-बार नोटिस जारी किए गए थे.

कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर आखिरकार नियमानुसार बिजली काट दी गई है और इस मामले में विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं.

दूसरी ओर, इस पूरे विवाद पर कैमरे के सामने सीधे तौर पर कुछ भी बोलने से इनकार करते हुए टीएमसी जिला अध्यक्ष व विधायक अब्दुर रहीम बक्सी ने केवल इतना कहा कि बकाया बिजली बिल का भुगतान कर दिया जाएगा और बिल का कुछ हिस्सा पहले ही चुकाया जा चुका है. हालांकि, इतने समय तक बिल क्यों नहीं भरा गया, इस पर उन्होंने चुप्पी साध ली.

न्यूज कॉर्नर

मुख्यमंत्री के स्वागत वाले पोस्टर पर फेंकी पीक, भाजपा कार्यकर्ताओं ने साफ की तस्वीर

सिलीगुड़ी : मुख्यमंत्री के उत्तरबंग (उत्तरी बंगाल) दौरे को लेकर उत्तरबंग विकास विभाग की ओर से सड़क के किनारे मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए कई प्लेकार्ड और पोस्टर लगाए गए थे. लेकिन मुख्यमंत्री के शहर में आने से ठीक पहले एक विवादित घटना सामने आई है.कुछ अज्ञात शरारती तत्वों ने मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले एक प्लेकार्ड पर पान की पीक फेंक दी, जिससे तस्वीर खराब हो गई. हालांकि, राजनीति से ऊपर उठकर मानवता और शिष्टाचार का परिचय देते हुए, भाजपा (इगझ) के स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आगे आकर उस पान की पीक को साफ किया और मुख्यमंत्री की तस्वीर को पूरी तरह स्वच्छ किया. मुख्यमंत्री के आगमन से ठीक पहले कैमरे में कैद हुई यह तस्वीर इस समय चर्चा का विषय बनी हुई है.

सरकारी गाड़ी में भारी मात्रा में दस्तावेज देख भाजपा विधायक को हुआ शक

हुगली : सरकारी वाहन में बड़ी संख्या में दस्तावेजों के बंडल देखकर श्रीरामपुर के भाजपा विधायक भास्कर भट्टाचार्य को संदेह हुआ, उन्होंने वाहन का पीछा कर पुलिस को सूचना दी.बताया गया है कि श्रीरामपुर बटतला इलाके से विधायक ने श्रीरामपुर के बड़तल्ला इलाके में बुधवार को गवर्नमेंट ऑफ वेस्ट बंगाल लिखी गाड़ी को देखकर संदेह होने पर उसका पीछा किया. बाद में श्रीरामपुर पेट्रोल पंप के पास वाहन को रोका गया. विधायक ने तुरंत इसकी जानकारी श्रीरामपुर थाने को दी.विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि उन्हें शक है कि कुछ महत्वपूर्ण फाइलों को कहीं ले जाया जा रहा था. सरकारी वाहन में बड़ी मात्रा में दस्तावेज मौजूद थे, जिससे मामला संदिग्ध लगा.सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को घेर लिया. गाड़ी में चालक समेत दो लोग मौजूद थे. पुलिस ने दोनों से पूछताछ शुरू कर दी है और दस्तावेजों की जांच की जा रही है.

हाइड्रा गाड़ी की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, शव सड़क पर रख ग्रामीणों का भारी प्रदर्शन

आसनसोल : ईसीएल (की एक हाइड्रा गाड़ी की चपेट में आने से एक साइकिल सवार की दर्दनाक मौत हो गई. बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे यह दर्दनाक हादसा पश्चिम बर्धमान जिले के सालानपुर थाना अंतर्गत फुलबेड़िया हनुमान मंदिर ट्रांसपोर्ट रोड इलाके में हुआ. इस घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. आक्रोशित जनता ने शव को सड़क पर रखकर और घातक गाड़ी को घेरकर मुआवजे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया.पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान मंगल बाउरी (35) के रूप में हुई है. वह मूल रूप से जेमरी गांव के निवासी थे, लेकिन फुलबेड़िया गांव में अपने ससुराल में रहते थे. उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं. रोज की तरह आज सुबह भी वह साइकिल से एक निजी फैक्ट्री में काम पर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में साइकिल खराब हो जाने के कारण वे वापस फुलबेड़िया अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान फुलबेड़िया हनुमान मंदिर के पास ईसीएल की एक तेज रफ्तार हाइड्रा गाड़ी (थइ 38-ड5568) ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई.ईसीएल पर लापरवाही का आरोप, मौके पर पुलिस और केंद्रीय बल(हादसे) के तुरंत बाद वाहन का चालक मौके से फरार हो गया. स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर जमा हो गए और वाहन को रोककर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही सालानपुर थाने की पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे.मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि मंगल बाउरी ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे. उन्होंने साफ किया कि जब तक पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक उनका यह आंदोलन और सड़क जाम जारी रहेगा.स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि इस इलाके में ईसीएल की लापरवाही और सुरक्षा की कमी के कारण अक्सर ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं. नियमों को ताक पर रखकर कई बार खलासियों (हेल्परों) द्वारा डंपर और हाइड्रा गाड़ियां चलवाई जाती हैं,इस पूरी घटना पर ईसीएल प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है.

उधार का पैसा और गहने वापस न मिलने पर तृणमूल नेता के घर के सामने महिला का आत्मदाह का प्रयास, शांतिपुर में सनसनी

शांतिपुर : नादिया जिले के शांतिपुर ब्लॉक अंतर्गत फुलिया कॉलोनी इलाके में उस समय भारी सनसनी फैल गई, जब कर्ज के बोझ से दबी एक गृहवधू ने कथित तौर पर अपने पैसे और गहने वापस न मिलने से हताश होकर खुद पर केरोसिन डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की. घटना स्थानीय रसूखदार तृणमूल (ढचउ) नेता, पूर्व प्रधान और वर्तमान शांतिपुर ब्लॉक-बी के अध्यक्ष उत्पल बसाक के घर के सामने हुई. पीड़िता की पहचान मंगली पत्रनवीस के रूप में हुई है.गृहवधू मंगली पत्रनवीस का आरोप है कि करीब 10 साल पहले टीएमसी नेता उत्पल बसाक ने उन्हें एक सरकारी जमीन दिलाने का वादा किया था. इसके लिए उन्होंने अपनी पूरी जमापूंजी और ससुराल से मिले आशीर्वाद के गहने सहित सब कुछ नेता को सौंप दिया था, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग 6.5 लाख रुपये है.महिला का दावा है कि पिछले 10 वर्षों से जब भी वह पैसे या जमीन मांगतीं, तो उन्हें परेशान किया जाता था. हाल के दिनों में पैसे मांगने पर उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी जाने लगीं. पीड़िता ने रोते हुए कहा, पैसे मांगने पर वे मेरे पति, मुझे और मेरे छोटे बच्चे को जान से मारने की धमकी देते हैं. हमें किराए के मकान से भी निकाल देने की बात कही जा रही है.शिकायत के अनुसार, बुधवार को मंगली देवी एक बार फिर उत्पल बसाक के घर पैसे मांगने गई थीं. लेकिन टीएमसी नेता बिना बात किए अपनी गाड़ी से यह कहते हुए निकल गए कि जो करना है कर ले, मैं देख लूंगा. आरोप है कि इसके बाद नेता की पत्नी और मां ने मंगली देवी को कटु वचन कहे और उनके पति की आर्थिक स्थिति का मजाक उड़ाते हुए घोर अपमानित किया.10 साल की कमाई डूबने और इस तीखे अपमान को बर्दाश्त न कर पाने के कारण महिला ने वहीं अपने ऊपर केरोसिन उड़ेल लिया. हालांकि, स्थानीय लोगों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया. ग्रामीणों ने तुरंत महिला को बचाया और फुलिया पुलिस चौकी को सूचना दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को सुरक्षित निकाला. पीड़िता ने आरोपी नेता के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है और फिलहाल उनका पूरा परिवार गहरे मानसिक तनाव में है.दूसरी ओर, आरोपी तृणमूल नेता उत्पल बसाक ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से निराधार और मनगढ़ंत बताते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है. उनका दावा है कि चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद से ही उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत निशाना बनाया जा रहा है और एक निष्ठावान टीएमसी कार्यकर्ता होने की वजह से उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश हो रही है.उत्पल बसाक ने बताया कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के ठीक अगले दिन, यानी 5 मई को कुछ लोग अचानक उनके घर आ धमके और दावा करने लगे कि 10 साल पहले उन्होंने उनसे 6 लाख रुपये उधार लिए थे.10 साल तक कहाँ थे?: टीएमसी नेता ने सवाल उठाया, पिछले 10 सालों से उस परिवार से मेरा कोई संपर्क नहीं था. अगर वाकई कोई बकाया था, तो वे इतने सालों तक चुप क्यों थे? अब अचानक क्यों आ रहे हैं?आर्थिक क्षमता पर सवाल: उन्होंने यह भी कहा कि यह जांच का विषय है कि 10 साल पहले उस व्यक्ति की आर्थिक स्थिति ऐसी थी भी या नहीं कि वह किसी को 6 लाख रुपये उधार दे सके.परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप: उत्पल बाबू का आरोप है कि उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर कुछ लोग उनके घर आकर हंगामा कर रहे हैं. उनके बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी और बहन को गाली-गलौज दी गई और मारपीट की कोशिश की गई. यहाँ तक कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है.उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके घर के सामने किसी के आत्महत्या करने की झूठी और भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं. उत्पल बसाक ने प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपते हुए खुली चुनौती दी है कि यदि उनके खिलाफ कोई भी कानूनी सबूत, एग्रीमेंट या हस्ताक्षर सामने आता है, तो वह अपना अपराध स्वीकार कर हर सजा भुगतने को तैयार हैं.फिलहाल, इस शिकायत और जवाबी शिकायत के आधार पर शांतिपुर थाने की पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है.

फोर्ट विलियम में तैनात कर्नल रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के फोर्ट विलियम स्थित सेना मुख्यालय में तैनात कर्नल को कथित रिश्वतखोरी और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया है. आरोपित अधिकारी की पहचान कर्नल हेमांशु बाली के रूप में हुई है, जो सेना की पूर्वी कमान के अंतर्गत आर्मी ऑर्डनेंस कोर में कार्यरत थे. सीबीआई के अनुसार, कर्नल बाली पर एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने, बिल पास कराने और निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री की आपूर्ति को मंजूरी देने के गंभीर आरोप हैं. जांच एजेंसी ने इस मामले में कानपुर स्थित एक निजी कंपनी के मालिक मयंक अग्रवाल और उनके पुत्र अक्षत अग्रवाल के खिलाफ

सीबीआई कर रही बड़े नेटवर्क की जांच

भी प्राथमिकी दर्ज की है. सीबीआई का दावा है कि मार्च और अप्रैल के दौरान कर्नल बाली और कंपनी के प्रतिनिधियों के बीच कई बार संपर्क हुआ था. सूत्रों के मुताबिक, कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके में अक्षत अग्रवाल और कर्नल बाली की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद कंपनी को 24 अप्रैल को एक बड़ा टेंडर हासिल हुआ. आरोप है कि इस टेंडर के बदले 50 लाख की रिश्वत ली गई. जांच में यह भी सामने आया है कि रिश्वत की रकम हवाला के जरिए दिल्ली भेजे जाने की योजना बनाई गई थी. सीबीआई अब बैंक लेनदेन, कॉल रिकॉर्ड और हवाला नेटवर्क से जुड़े संभावित संपर्कों की गहन जांच कर रही है. एजेंसी को संदेह है कि इस पूरे मामले में सेना के अन्य अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं. इसी संभावना को देखते हुए सीबीआई पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है. फिलहाल, आरोपित कर्नल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा है. अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और आने वाले दिनों में कई अहम खुलासे हो सकते हैं.

पश्चिम बंगाल सरकार ने नए अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किए

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार ने राजदीप मजूमदार को राज्य का नया अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किया है, जबकि एन. जी. खेतान कलकत्ता उच्च न्यायालय में एडवोकेट ऑन रिकार्ड (एओआर) का कार्यभार संभालेंगे. एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी. वरिष्ठ अधिवक्ता मजूमदार इससे पहले उच्च न्यायालय में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए उप सॉलिसिटर जनरल थे. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अभी तक राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति नहीं की है. पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार में महाधिवक्ता रहे किशोर दत्त ने राज्य में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता कल्लोल मंडल उच्च न्यायालय में राज्य के नए लोक अभियोजक होंगे. पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नयी भाजपा सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में विभिन्न मामलों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए इन विधि अधिकारियों की नियुक्ति की है.

बकरीद से पहले पशुवध नियमों में छूट की मांग को लेकर हाईकोर्ट पहुंची महुआ, आज होगी सुनवाई

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस की चर्चित महिला नेता महुआ मोइत्रा ने बुधवार को कहा कि उन्होंने बकरीद से पहले पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण कानून में छूट देने की मांग को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. यह याचिका टीएमसी विधायक अखरुज्जमान के जरिए दायर की गई है. महुआ मोइत्रा का कहना है कि 13 मई को जारी राज्य सरकार की नई अधिसूचना का असर सिर्फ बकरीद मनाने वाले मुस्लिम समुदाय पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि गांवों की अर्थव्यवस्था और पशुपालकों की रोजी-रोटी पर भी असर डालेगा. दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार ने 13 मई को एक नोटिस जारी किया था. इस नोटिस में कहा गया कि किसी भी बैल, गाय, बछड़े या भैंस को काटने से पहले फिटनेस सर्टिफिकेट लेना जरूरी होगा. यह सर्टिफिकेट केवल नगरपालिका चेयरमैन या पंचायत समिति के अध्यक्ष और सरकारी पशु

चिकित्सक की मंजूरी के बाद ही मिलेगा. नए नियम के अनुसार सिर्फ उन्हीं जानवरों के वध की अनुमति होगी, जिनकी उम्र 14 साल से ज्यादा हो या जो गंभीर बीमारी, चोट या बूढ़े होने के कारण स्थायी रूप से अक्षम हों. महुआ मोइत्रा ने कहा कि याचिका में पश्चिम बंगाल एनिमल स्लॉटर कंट्रोल एक्ट, 1951 की धारा 12 के तहत छूट मांगी गई है. उनका कहना है कि बकरीद 27 या 28 मई को होने की संभावना है और त्योहार की तैयारियों के लिए बहुत कम समय बचा है. (Mahua Moitra on Animal Slaughter Act) उन्होंने कहा कि सरकार के पास विशेष परिस्थितियों में छूट देने का अधिकार है और उसी के तहत राहत मांगी गई है. दूसरी ओर महुआ मोइत्रा की तरह ही कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन की पश्चिम बंगाल इकाई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर राज्य भाजपा सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 को लागू करने के कदम के खिलाफ तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की है. उन्होंने भी इसके पीछे पशुपालकों की आजीविका पर पड़ने वाले संभावित असर का हवाला दिया है. इस मामले की सुनवाई कलकत्ता हाईकोर्ट की बेंच करेगी. इस बेंच में मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी सेन शामिल हैं. अदालत ने मामले की पहली सुनवाई गुरुवार सुबह 10:30 बजे तय की है.

पुलिस कार्रवाई से संरक्षण की मांग को लेकर तृणमूल के दो नेताओं ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद दर्ज मामलों में पुलिस की कथित सख्त कार्रवाई से संरक्षण की मांग करते हुए तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं ने बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की. याचिकाकर्ताओं में तृणमूल कांग्रेस विधायक परेश राम दास और पार्टी के नेता कैलाश कुमार मिश्रा शामिल हैं. कैनिंग पश्चिम से लगातार दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए परेश राम दास की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता किशोर दत्ता ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की. उन्होंने अदालत को बताया कि 16 मई को उनके मुवक्किल के खिलाफ छह प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और आशंका है कि आगे भी कई अन्य मामले दर्ज किए जा सकते हैं. तृणमूल शासनकाल में पश्चिम बंगाल के महाधिवक्ता रह चुके किशोर दत्ता ने न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की अदालत में कहा कि उनके मुवक्किल को दर्ज आपराधिक मामलों में किसी भी प्रकार की दंडात्मक पुलिस कार्रवाई से संरक्षण दिया जाए. न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई गुरुवार को की जाएगी. उल्लेखनीय है कि दक्षिण 24 परगना जिले की कैनिंग पश्चिम विधानसभा सीट से परेश राम दास ने लगातार दूसरी बार 40 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की है. इसी तरह हावड़ा जिले की बाली विधानसभा सीट से चुनाव हारने वाले तृणमूल उम्मीदवार कैलाश कुमार मिश्रा ने भी अदालत में याचिका दायर कर चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में पुलिस की कठोर कार्रवाई से संरक्षण की मांग की. अदालत ने कहा कि यह मामला भी गुरुवार की सुनवाई सूची में शामिल किया जाएगा.

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ईडी पर हमला मामले में तृणमूल की दो महिला नेता गिरफ्तार

कोलकाताः उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में वर्ष 2024 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस की दो महिला नेताओं को गिरफ्तार किया है. दोनों नेताओं को गिरफ्तार तृणमूल नेता शेख शाहजहां का करीबी माना जाता है. गिरफ्तार नेताओं में संदेशखाली-1 पंचायत समिति की अध्यक्ष और बसिरहाट संगठनात्मक जिला तृणमूल अध्यक्ष सबिता राय तथा प्रभावशाली तृणमूल नेता मिथु सरदार शामिल हैं. पुलिस के अनुसार, 5 जनवरी 2024 को संदेशखाली के सरबेरिया इलाके में शेख शाहजहां के घर के सामने ईडी अधिकारियों और केंद्रीय बलों पर हुए हमले के पीछे इन दोनों नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका थी. जांचकर्ताओं का मानना है कि ईडी अधिकारियों और केंद्रीय बल के जवानों पर लाठी तथा धारदार हथियारों से हमला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था.

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार नेताओं के खिलाफ आरोप केवल ईडी टीम पर हमले तक सीमित नहीं हैं. पुलिस का कहना है कि मिथु सरदार पर वर्ष 2021 के चुनाव बाद हिंसा से जुड़े कई गंभीर आरोप भी हैं. उन पर विपक्षी कार्यकर्ताओं पर अत्याचार, घरों में तोड़फोड़ और चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद इलाके में दहशत फैलाने के आरोप पहले भी लग चुके हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि दोनों नेता लंबे समय से शेख शाहजहां के संरक्षण में इलाके में समानांतर सत्ता चला रही थीं. पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों को बसिरहाट अदालत में पेश किया जाएगा और पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत की मांग की जाएगी. पुलिस सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2021 की चुनाव बाद हिंसा से लेकर 2024 में केंद्रीय एजेंसियों पर हुए हमले तक हर मामले में इन दोनों की सक्रिय भूमिका रही है. उल्लेखनीय है कि, 5 जनवरी 2024 को राशन घोटाले की जांच के सिलसिले में ईडी की टीम संदेशखाली ब्लॉक-1 के अगरहाटी इलाके में पहुंची थी. जांच का केंद्र शेख शाहजहां था, जो उत्तर 24 परगना जिला परिषद का कार्यकारी अधिकारी और तृणमूल का प्रभावशाली नेता माना जाता था. आरोप है कि शाहजहां के समर्थकों ने ईडी टीम पर हमला कर अधिकारियों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था. इसके बाद फरवरी 2024 में इलाके में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसमें ग्रामीणों ने शेख शाहजहां और उसके सहयोगियों पर जमीन कब्जाने तथा महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे. ईडी टीम पर हमले के बाद 55 दिनों तक फरार रहने के बाद शेख शाहजहां को 29 फरवरी 2024 को गिरफ्तार किया गया था. ईडी उसकी राशन घोटाले में कथित संलिप्तता की जांच कर रही थी और उसके घर पर छापेमारी के लिए पहुंची थी, तभी टीम पर हमला किया गया था.

बंगाल में राजनीतिक हलचल तेज

अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों की सूची में सायोनी घोष का सह मालकिन के तौर पर नाम!

कोलकाताः भाजपा की ओर से तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व उनके परिवार के सदस्यों से जुड़ीं कथित 43 संपत्तियों की सूची जारी की गई हैं. कुछ संपत्तियों में सायोनी घोष नामक महिला का नाम सह मालकिन के तौर पर है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वह तृणमूल सांसद सायोनी घोष है या कोई अन्य महिला. कोलकाता नगर निगम ने अभिषेक की मां लता बनर्जी को नोटिस भेजा था. निगम ने कालीघाट रोड स्थित एक भवन में स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण होने का आरोप लगाते हुए उनसे जवाब तलब किया है. इसके बाद भाजपा ने अभिषेक व उनके परिवार से जुड़ीं कथित 43 संपत्तियों की सूची सार्वजनिक की है. इन संपत्तियों में अभिषेक, उनकी पत्नी, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सायोनी घोष का नाम भी कुछ जगहों पर सह मालकिन के तौर पर दर्ज है. सूची में ममता बनर्जी, अमृता बनर्जी, सबिता बनर्जी, मिनाती बनर्जी और बाणानी बनर्जी समेत कई नाम शामिल बताए गए हैं. इसके अलावा अर्पिता बनर्जी, सुदेष्णा बनर्जी, आकाश बनर्जी और प्रियंका दास जैसे नाम भी अलग-अलग संपत्तियों से जुड़े बताए गए हैं. कोलकाता के कई पॉश इलाकों में स्थित फ्लैट और भवन इन कथित संपत्तियों में शामिल हैं. इनमें बैरकपुर ट्रंक रोड स्थित आर्बिट ल्यूमियर, गरियाहाट रोड की समिरन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी और बेहला का साईं भवन प्रमुख हैं. इसके अलावा डी गुप्ता लेन, धर्मतल्ला रोड, देवेंद्र घोष रोड और सर्वे पार्क इलाके की संपत्तियों का भी उल्लेख किया गया है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि इन संपत्तियों की विस्तृत जांच कराई जाएगी. सत्ता का दुरुपयोग व नियमों की अनदेखी कर ये संपत्तियां बनाई गई हैं. उनके पास संपत्तियों से जुड़े पूरे दस्तावेज मौजूद हैं और आने वाले दिनों में और खुलासे किए जाएंगे. मालूम हो कि निगम के भवन विभाग की टीम अभिषेक व उनके करीबी लोगों से जुड़ीं विभिन्न संपत्तियों का गत सोमवार को निरीक्षण किया था. उन्होंने वहां कोलकाता नगर निगम अधिनियम की धारा 401 के तहत नोटिस भी चिपकाए थे. दूसरी तरफ अभिषेक ने कहा कि चाहे उनका घर तोड़ दिया जाए, लेकिन वे सिर नहीं झुकाएंगे.

बंगाल में लगातार 24 घंटे ड्यूटी के बाद डॉक्टरों को अगले दिन छुट्टी

ड्यूटी के दौरान प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक

कोलकाताः बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाती दिख रही है. स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी के दौरान डॉक्टरों की अनुपस्थिति और प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायतों पर कड़ा कदम उठाया है. अब प्रत्येक अस्पताल को हर महीने की 25 तारीख तक डॉक्टरों का अगले महीने का ड्यूटी रोस्टर स्वास्थ्य भवन को भेजना होगा. रोस्टर के अनुसार ड्यूटी के समय अस्पताल में संबंधित डॉक्टर नहीं मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. केवल डॉक्टर ही नहीं, बल्कि नर्स, स्वास्थ्यकर्मी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए भी बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य होगी. अस्पतालों में कर्मचारियों की अनुपस्थिति और हाजिरी में कारगुजारी रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है. गत दिनों स्वास्थ्य भवन में कोलकाता के पांच बड़े सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के अधीक्षकों तथा अध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय बैठक हुई. बैठक में नीलरतन सरकार मेडिकल कॉलेज, एसएसकेएम अस्पताल, नेशनल मेडिकल कॉलेज, कलकत्ता मेडिकल कॉलेज और आरजी कर मेडिकल कॉलेज के अधिकारी मौजूद रहे. बैठक में निर्णय लिया गया कि इमरजेंसी विभाग में आने वाले मरीजों और उनके स्वजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी सरकारी अस्पतालों के आपातकालीन विभाग में 24 घंटे निगरानी कैमरे लगाए जाएंगे. इन कैमरों की निगरानी सीधे स्वास्थ्य भवन से की जाएगी. अस्पताल प्रशासन का इन कैमरों पर कोई नियंत्रण नहीं रहेगा. नई व्यवस्था के तहत हर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में एक अतिरिक्त असिस्टेंट प्रोफेसर स्तर के डॉक्टर और एक अन्य चिकित्सक की 24 घंटे तैनाती रहेगी. लगातार 24 घंटे ड्यूटी के बाद संबंधित डॉक्टर को अगले दिन अवकाश दिया जाएगा. सरकारी मेडिकल कॉलेजों के मुर्दाघर में शव ले जाने के नाम पर पैसे लेने की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया गया है. स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसी शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए अस्पताल परिसरों में हर सप्ताह सिविल ड्रेस में पुलिस की गश्त भी होगी. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा पहले घोषित योजना के अनुसार अब डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सरकारी स्टांप वाला अलग पहचान पत्र भी अनिवार्य किया जाएगा. बिना पहचान पत्र के वार्ड में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी.

पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 10 हथियार और 150 कारतूस बरामद

कोलकाताः पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं. इस कार्रवाई में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपितों को अदालत में पेश किया जाएगा. एसटीएफ की ओर से बुधवार दोपहर जारी बयान में बताया गया कि अभियान के दौरान कुल 10 आग्नेयास्त्र बरामद किए गए हैं, जिनमें सात एमएम की आठ पिस्तौल शामिल हैं. इसके अलावा 150 राउंड कारतूस भी जब्त किए गए हैं. एसटीएफ की पुलिस अधीक्षक अमित अनुराधा मंडल ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में यह कार्रवाई की गई है. उन्होंने कहा कि अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और और अधिक हथियारों की बरामदगी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. एसटीएफ के अनुसार, राज्य में अवैध हथियारों की तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर हथियारों के नेटवर्क और सप्लाई चैन के बारे में जानकारी जुटा रही है.

बंगाल में नगर निकाय भर्ती घोटाला मामले में ईडी ने पूर्व मंत्री रथीन घोष को फिर किया तलब

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित नगर निकाय भर्ती घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और मध्यग्राम से तृणमूल कांग्रेस विधायक रथीन घोष को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है. सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी ने रथीन घोष को नोटिस जारी कर आगामी 25 मई, सोमवार को सीजीओ कॉम्प्लेक्स सॉल्ट लेक स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है. नगर निकाय भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर ईडी इससे पहले भी कई बार रथीन घोष को पूछताछ के लिए बुला चुकी है. हालांकि, उन्होंने चुनाव संबंधी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए कई बार पेशी से छूट मांगी थी.

चंद्रनाथ हत्याकांड में शामिल हो सकता है देवराज, अभिषेक का पैसा विदेशों में किया ट्रांसफर: अर्जुन सिंह

कोलकाता: शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में अब नोआपाड़ा के विधायक अर्जुन सिंह ने सीधे बिधाननगर के टीएमसी नेता देवराज चक्रवर्ती पर शामिल होने का विस्फोटक आरोप लगाया है. इसके साथ ही उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और पुलिस की भूमिका पर एक के बाद एक कई गंभीर दावे करके राज्य के सियासी हलकों में खलबली मचा दी है. पत्रकारों से बातचीत करते हुए अर्जुन सिंह ने दावा किया, चंद्रनाथ रथ की हत्या में देवराज चक्रवर्ती शामिल हो सकता है. आजकल उसकी और सुमित की अपराधियों से संपर्क रखने की आदत हो गई थी. उन्होंने आगे कहा, ऐसे लोगों को तुरंत जेल में डालने की जरूरत है. अगर पुलिस इनसे पूछताछ करेगी, तो कई बड़े राज सामने आएंगे. देवराज चक्रवर्ती और सुमित को अभिषेक बनर्जी का बेहद करीबी बताते हुए अर्जुन सिंह ने एक और सनसनीखेज आरोप लगाया. उन्होंने कहा, देवराज और उसकी पत्नी अक्सर विदेश दौरे पर जाते थे. वे दरअसल अभिषेक बनर्जी का पैसा विदेशों में ठिकाने लगाते थे. राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और टीएमसी के भविष्य पर कटाक्ष करते हुए अर्जुन सिंह ने कहा, तृणमूल पार्टी पूरी तरह से पुलिस के भरोसे चल रही थी. सरकार में थे, इसलिए पार्टी बची हुई थी. अब यह पार्टी आंधी में पत्तों की तरह बिखर जाएगी. इसीलिए तो आखिरकार 'पुष्पा' झुक गया! फिल्म में कहा गया था- 'झुकेगा नहीं', लेकिन यहाँ तो पुष्पा झुक गया. पार्टी से एक नेत्री के निष्कासन पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधा. अर्जुन सिंह ने कहा, पुष्पा को सस्पेंड करने से क्या होगा? सबसे पहले ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को बर्खास्त किया जाना चाहिए. इन लोगों ने इतना भ्रष्टाचार किया है कि ये वामपंथियों (सीपीएम) से भी नीचे गिर गए हैं. विधायक अर्जुन सिंह के इस बेहद तीखे और सीधे हमले के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है.

दवा विक्रेताओं की देशव्यापी हड़ताल के बावजूद बंगाल में खुली रहीं दवा दुकानें

कोलकाताः देशव्यापी बंद के आह्वान के बावजूद पश्चिम बंगाल में बुधवार को प्रमुख कॉर्पोरेट दवा दुकानें, सरकार द्वारा संचालित सस्ती दवा दुकान और कई स्थानीय दवा दुकानें खुली रहीं. इससे लोगों को दवाइयों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित हुई. यह बंद ई-फार्मेसी से जुड़े मुद्दों को लेकर देश के शीर्ष दवा विक्रेता संगठन द्वारा बुलाया गया था. 'मेडप्लस', 'फ्रैंक रॉस फार्मेसी' और 'अपोलो फार्मेसी' जैसी बड़ी दवा श्रृंखलाओं ने अपनी दुकानें खुली रखीं और रोजमर्रा तथा आपातकालीन दवाइयों की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं दीं. राज्य में इस बंद का असर मुख्य रूप से बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (बीसीडीए) से जुड़े सदस्यों तक सीमित रहा. व्यापारिक अनुमान के अनुसार, राज्य में बीसीडीए से संबद्ध लगभग 32 हजार से 35 हजार इकाइयों में से करीब 28 हजार से 31 हजार खुदरा दवा दुकानें हैं, जबकि बाकी थोक

विक्रेता, वितरक और दवा एजेंट हैं. संगठन के अधिकारियों ने बताया कि ये सभी हड़ताल में शामिल हुए. प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र और अमृत फार्मेसी समेत सरकार समर्थित सस्ती दवा दुकानें सामान्य रूप से खुली रहीं. निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के भीतर चल रही दवा दुकानें भी खुली रहीं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिली. देशव्यापी हड़ताल का आह्वान 'ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) ने किया था, जो दावा करता है कि वह देशभर के लगभग 12.4 लाख दवा विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करता है. व्यापारियों के इस संगठन का आरोप है कि ई-फार्मेसी मंच और त्वरित दवा डिलीवरी ऐप शोषणकारी मूल्य निर्धारण और भारी छूट की नीति अपना रहे हैं, जिससे पारंपरिक दुकानदार प्रभावित हो रहे हैं. संगठन ने ऑनलाइन दवा बिक्री में पर्याप्त सत्यापन व्यवस्था नहीं होने पर भी चिंता जताई है. उसका कहना है कि ऐसे मंच फर्जी पर्चियों के जरिए नशे की लत पैदा करने वाली दवाइयों के दुरुपयोग को बढ़ावा दे सकते हैं. एआईओसीडी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से ऑनलाइन फार्मेसी संचालन से जुड़ी कुछ डिजिटल छूटों को वापस लेने की मांग की है. सरकारी सूत्रों ने पहले बताया था कि राष्ट्रीय औषधि नियामक ने हाल ही में फार्मेसी प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी और उन्हें आश्वस्त किया था कि ई-फार्मेसी क्षेत्र के नियामक ढांचे की समीक्षा की जा रही है, ताकि डिजिटल विकास और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाया जा सके.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :

मो. : 9831572125, 9831494084

www.yuvashakti.news.com

email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. : 42_2026-27, दिनांक: 18.05.2026, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा -711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/ एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा।** **कार्य का विवरण :** बोलपुर और गुसकरा कॉलोनी का सुधार एवं रामपुरहाट में आरपीएफ ऑफिस बिल्डिंग का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,06,17,043.63, **बयाना राशि :** रु. 4,12,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य। **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 10.06.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के जरिए स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-83/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

न्यूज कॉर्नर

स्थापना दिवस पर नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में सेवा कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : बुधवार को आर्ट ऑफ गिविंग के 13वें स्थापना दिवस पर नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में सेवा कार्यक्रम आयोजित.आर्ट ऑफ गिविंग के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिले के नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री एवं खानपान की आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया. इस अवसर पर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला. आर्ट ऑफ गिविंग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर रितेश कुमार रंजन के नेतृत्व में किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक उनकी आवश्यकतानुसार सामग्री पहुँचाना एवं मानव सेवा के प्रति लोगों को प्रेरित करना रहा.इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में साहिबगंज कॉलेज के प्रोफेसर एवं एनएसएस जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार भारती उपस्थित रहे. उन्होंने आर्ट ऑफ गिविंग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्य लोगों के बीच सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं तथा जरूरतमंदों के जीवन में नई उम्मीद जगाते हैं.

संथाल परगना में जदयू को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बैठक का आयोजन

साहिबगंज : संथाल परगना में जदयू को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आगामी 22 मई 2026 (शुक्रवार), सुबह 11:30 बजे से एलसी. रोड स्थित छोटी धर्मशाला, साहिबगंज में एक महत्वपूर्ण प्रमंडलीय बैठक का आयोजन किया जा रहा है. संथाल परगना के सभी 6 जिलों के कार्यकर्ता जुटेंगे. साथ ही हमारा मार्गदर्शन करने के लिए जदयू के शीर्ष नेतृत्व का आगमन हो रहा है. खीरू महतो प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद सरयू राय वरिष्ठ विधायक, सुधा चौधरी पूर्व मंत्री राजा पीटर पूर्व मंत्री कामेश्वर दास पूर्व विधायक इस भव्य प्रमंडलीय बैठक का संपूर्ण कुशल प्रबंधन साहिबगंज जदयू कार्यालय से सुनील सिन्हा जिलाअध्यक्ष की देखरेख में किया जा रहा है.

आयुष्मान योजना को लेकर सीएस ने डॉक्टर व कर्मियों के साथ की बैठक

साहिबगंज : बुधवार को गंभीर बीमारी के इलाज के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षा योजना आयुष्मान योजना फॉर्म रांची द्वारा रिजेक्ट होने के मामले को लेकर सीएस डॉ. रामदेव पासवान ने बुधवार को सदर अस्पताल स्थित वेयर हाउस में सभी डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ के साथ बैठक की. बैठक में डीएस डॉ. दिवेश कुमार भी शामिल हुए. दरअसल आयुष्मान के हेड क्वाटर रांची में 220 फार्म को रिजेक्ट किया गया है. जानकारी के मुताबिक फोटोग्राम क्लियर नहीं होने के कारण सभी फॉर्म में आपत्ति में डाला गया. सीएस ने इसका निदान को लेकर डॉक्टर व स्वास्थ कर्मियों को कई निर्देश दिए है. इस दौरान सीएस ने सभी डॉक्टर व स्वास्थ कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा आयुष्मान लाभुकों को भर्ती से लेकर उसके डिस्चार्ज तक पूरा ख्याल रखे. सदर अस्पताल में जो भी सुविधा है उसे मरीजों को हर संभव मिलेगा. वही मरीजों व उसके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करने की कड़ी हिदायत दी है. साथ ही डॉक्टरों व सभी पारा मेडिकल कर्मियों को सही समय पर ड्यूटी करने की बात कही. वही नदारद पाए जाने वाले डॉक्टर या स्वास्थ कर्मी पर कार्रवाई की बात कही है.डॉक्टर व स्वास्थ को अब ड्यूटी कक्ष में ही मिलेगा चाय-पानी सदर अस्पताल में अब डॉक्टर व स्वास्थ कर्मियों को ड्यूटी कक्ष में ही एक समय चाय पानी की सुविधा मिलेगी. यह बाते बैठक के दौरान सीएस डॉ. रामदेव पासवान ने कही है. उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान कोई भी डॉक्टर व स्वास्थ कर्मी ड्यूटी कक्ष से बाहर नहीं जाए. इसके लिए अब ड्यूटी कक्ष में ही चाय पानी की सुविधा दी जाएगी.

जलापूर्ति योजनाओं के निरीक्षण के दौरान लापरवाही पाए जाने पर कनीय अभियंता निलंबित

युवाशक्ति न्यूज पटना:लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव राजेश कुमार द्वारा दरभंगा जिले में 'हर घर नल का जल' योजना अंतर्गत संचालित जलापूर्ति योजनाओं का औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान योजनाओं के संचालन एवं क्रियान्वयन में अनियमितता एवं क्षेत्रीय स्तर पर गड़बड़ी पाई गई.साथ ही, दरभंगा जिला अंतर्गत हायाघाट प्रखंड के सिधौली पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में आमजनों से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई भी की गई. शिविर के दौरान पेयजल आपूर्ति से संबंधित विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं पर अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.जांच के क्रम में संबंधित क्षेत्र के कनीय अभियंता को कार्य में लापरवाही एवं दायित्वों के निर्वहन में दोषी पाया गया जिसके उपरांत विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया गया है.प्रधान सचिव का स्पष्ट निर्देश है कि योजनाओं के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके.लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा राज्यभर में 'हर घर नल का जल' योजना के प्रभावी संचालन एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु लगातार निगरानी की जा रही है.

दरभंगा हत्याकांड के बाद गांव लाए गए एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव

उत्तर दिनाजपुर : बिहार के दरभंगा में हुए दिल दहलाने वाले पारिवारिक हत्याकांड के बाद एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव बुधवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के करनदीघी थाना क्षेत्र के रसाखोवा महेशपुर गांव लाए गए. शवों के गांव पहुंचते ही पूरे इलाके में मातम छा गया और परिजन व स्थानीय लोग फूट-फूट कर रोने लगे.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, महेशपुर निवासी संजीत दास हाल ही में अपने परिवार के साथ बिहार के दरभंगा जिलांतर्गत एक पोल्ट्री फार्म में काम करने गए थे, जहां वे किराए के मकान में रह रहे थे. बताया जा रहा है कि मंगलवार तड़के संजीत दास ने अचानक हैवानियत की हद पार करते हुए अपनी पत्नी फूलकुमारी दास, दो बेटों और एक बेटी की निर्मम हत्या कर दी.घटना की सूचना पाकर बिहार पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित संजीत दास को गिरफ्तार कर लिया. चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था,

नीतीश के नेतृत्व में ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास को मिली नई गति:श्रवण कुमार

युवाशक्ति न्यूज

पूर्वी चंपारण: पूर्वी चम्पारण जिला के ग्राम सिसवा में ''बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव'' 2026 का आयोजन किया गया है. इस कार्यक्रम का उद्घाटन जद यू0 विधायक दल के नेता, ग्रामीण विकास, सूचना एवं जन-संपर्क विभाग के मंत्री -सह-पूर्वी चम्पारण जिला के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार जी तथा जनता दल यू0 के प्रदेश अध्यक्ष-सह-विधायक उमेश सिंह कुशवाहा तथा वाल्मीकिनगर के माननीय सांसद सुनील कुमार ने संयुक्त रूप के की.इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में सिकटा के विधायक समृद्ध वर्मा, नरकटियागंज विधायक विशाल कुमार शाह, पूर्व सांसद राम कुमार शर्मा पूर्व विधान पार्षद सतीश प्रसाद, विरेन्द्र सिंह दांगी. बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव 2026' के मुख्य अतिथि के रूप में वट्ट थाई बुद्ध टेम्पल केसरिया के प्रमुख बौद्ध भिक्षुक डॉ0 पी0सी0 चन्द्रा उपस्थित हुए.बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव की अध्यक्षता आनन्द कुशवाहा तथा मंच संचालन संजय सिंह कुशवाहा ने की.इस अवसर पर शम्भु कुशवाहा, भरत पटेल, रतन पटेल, जगबहादुर कुशवाहा, नार्गाजुन कुशवाहा, कन्हैया कुशवाहा मौजूद थे.बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव पर माननीय मंत्री ने बुद्ध महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा है कि आज पूर्वी चम्पारण जिले के ग्राम 'सिसवा' की इस पावन धरती पर आयोजित बुद्ध महोत्सव में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे प्रसन्नता और गौरव की अनुभूति हो रही है.यह केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है बल्कि शान्ति करूणा, मानवता और विश्व बंधुत्व का संदेश देने वाला एक आध्यात्मिक पर्व है. मैं इस भव्य आयोजन के लिए आयोजक समिति, ग्राम वासियों तथा सभी सहयोगी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ. बिहार की धरती सदियों से ज्ञान, तप, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रही है. यही वह पावन प्रदेश है, जहाँ भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया, मानवता को मध्यम मार्ग का संदेश दिया, और पुरी दुनिया को अहिंसा और करूणा का मार्ग दिखाया. पूर्वी चम्पारण की यह भूमि भी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण रही है. ग्राम सिसवा में थाइलैण्ड के सहयोग से स्थापित 25 फीट लंबी भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा, इस क्षेत्र में पहचान बन चुकी है. भगवान बुद्ध की यह प्रतिमा केवल पत्थर की आकृति नहीं

बल्कि भारत और थाइलैण्ड के बीच सांस्कृतिक मैत्री बौद्ध परम्परा और वैश्विक शान्ति का प्रतीक है. वर्ष 2015 में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा इस भव्य प्रतिमा का लोकार्पण किया गया था. नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास को नई गति मिली. उन्होंने नालन्दा विश्वविद्यालय के पुनर्जीवन, बौद्ध सर्किट के विकास, राजगीर, बोधगया, केशरिया और वैशा ली जैसे स्थलों के संरक्षण तथा पर्यटन सुविधाओं के बिस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है.सिसवा में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का लोकार्पण भी इसी सांस्कृतिक दृष्टि और विकास सोच का परिणाम है.ग्राम सिसवा में भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा के निर्माण में थाइ मंदिर प्रमुख डॉ0 पी0सी0चन्द्रा, श्री जी का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा है. उन्होंने भारत और थाईलैण्ड के सांस्कृतिक एवं बौद्धिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई.

भगवान बुद्ध के उपदेशो को जिन देशो ने अपनाया वे आज विश्व में शान्ति विकास और समृद्धि का उदाहरण बने हैं. चीन, जापान, थाईलैण्ड, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे देशो ने बुद्ध के उपदेशो और संदेशो को अपने जीवन और शासन में स्थान दिया. परिणाम स्वरूप वहाँ शिक्षा, अनुशा सन, तकनीकि, पर्यटन और सामाजिक सद्भाव के क्षेत्र में अद्भुत विकास हुआ.भगवान बुद्ध ने कहा था ''स्वयं अपने दीपक बनो'' यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना हजारो वर्ष पूर्व था. आज का समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है. हिंसा, तनाव, समाजिक विभाजन और नैतिक पतन जैसी समस्याएँ विश्व के सामने खड़ी हैं. ऐसे समय में भगवान बुद्ध का विचार मानवता को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं.थाइलैंड और भारत का संबंध सदियों पुराना हैं. बौद्ध धर्म ने दोनों देषों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया है. थाइलैंड के लोगों को भी भगवान बुद्ध के प्रति अटूट श्रद्धा है. सिसवा में भगवान बुद्ध की प्रतिमा की स्थापना इस अन्तरराष्ट्रीय मैत्री और सांस्कृतिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है.यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती रहेगी कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिकता सीमाओं से परे मानवता को जोड़ने का कार्य करती हैं. इस बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि इन्होंने बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये हैं. बोधगया, राजगीर, वैशाली और नालन्दा जैसे स्थलों का विकास विश्वस्तरीय स्तर पर किया जा रहा हैं. इससे बिहार का सांस्कृतिक पहचान विश्वभर में मजबूत हुई है. सिसवा का बुद्ध महोत्सव भी आनेवाले समय में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाएगा, ऐसा मुझे पूर्ण विशवास हैं.मैं विशेष रूप से इस आयोजन समिति के अध्यक्ष , समिति के सभी सदस्यगण, स्थानीय ग्राम वासियों, युवाओं और सभी श्रद्धालुओं की सराहना करना चाहता हूँ जिन्होंने इस महोत्सव को सफल बनाने में अपना योगदान दिया, किसी भी सांस्कृतिक आयोजन की सफलता समाज के सामूहिक भागीदारी से ही संभव होती है. सिसवा के लोगों ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब समाज अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए आगे आता है, तब इतिहास का निर्माण होता है. अन्त में मैं भगवान बुद्ध से प्रार्थना करता हूँ कि हम सभी को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दें. हमारे समाज में शान्ति, प्रेम, भाईचारा और सद्भाव बना रहें और यह बुद्ध महोत्सव मानवता के कल्याण का संदेष लेकर निरन्तर आगे बढ़ता रहे और ग्राम सिसवा ज्ञान, करूणा तथा सांस्कृतिक चेतना का केन्द्र बने.

डीएम ने बताया कि छुटे हुए टोलो में जलापूर्ति सुचारू रखने के लिए 543 नई स्कीम लाई गई है

युवा शक्ति न्यूज

गया : अत्यधिक गर्मी एवं संभावित लू के प्रकोप/ हीट वेव से आम जनमानस को बचाव, सभी क्षेत्रों में सुचारू जलापूर्ति, जिले में संभावित बाढ़ एवं संभावित सुखाड़ की स्थिति होने पर पूर्व से की जाने वाली तैयारी के संबंध में सभी विभागों के पदाधिकारी के साथ बुधवार को जिले के डीएम शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित की गई.बैठक में विधायक अतरी, विधायक गुरुआ एवं जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि, विधान परिषद के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित रहे.कार्यपालक अभियंता पीएचईडी ने बताया कि वर्ष 2025 में भूगर्भ जलस्तर 35.30 फिट था, इस वर्ष जलस्तर 36.47 फिट है.चापाकल मरामाती के संबंध में बताया गया कि जिले में 3445 चापाकल की मरामाती की जा चुकी है.वैसे टोल जहां पानी की अत्यंत समय साइन देखी गई है उन पंचायत की सूची के अनुसार 144 नए चापाकल लगाए गए हैं.डीएम ने बताया कि छुटे हुए टोलो में जलापूर्ति सुचारू रखने के लिए 543 नई स्कीम लिया गया है.इन स्कीम के माध्यम से बोरिंग कराते हुए स्टैंड पोस्ट लगाकर सीधे पानी पहुंचाने का काम किया जा रहा है ताकि गर्मी के मौसम में पानी की असुविधा नहीं हो सके, लोगों को निर्बाध पानी मिलता रहे.डीएम ने बताया कि जिला पंचायत राज पदाधिकारी के माध्यम से पंचायत में नल जल योजनाओं का भौतिक जांच करवाया गया कल 2480 योजना में 2195 योजना चालू पाई गई तथा 285 नल जल योजना बंद पाई गई. बंद सभी योजना को अगले तीन दिनों में चालू करवाने का सख्त निर्देश दिए हैं.साथ ही सभी बीडीओ को निर्देश दिए हैं कि अपने प्रखंड के सभी क्षेत्रों में नल जल योजना का स्थिति का लगातार जांच करेंगे.डीएम ने यह भी बताया कि 25 मई से 2 जून तक हीट वेव का पूर्वानुमान है, इसे ध्यान में रखते हुए किसी भी टोले में पानी की समस्या नहीं हो, आम जनता को पानी आपूर्ति में कोई दिक्कत नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखते हुए पानी आपूर्ति सुचारू रखें.कार्यपालक अभियंता पीएचईडी शेरघाटी ने बताया कि शेरघाटी डिवीजन में 341 स्कीम लिए गए हैं जो पूर्व से छूटे हुए टोला एवं जल संकट वाले टोला थे, 395 स्थान पर पाइपलाइन बिछाने का काम पूर्ण कर लिया गया है, 1662 की संख्या में चापाकल मरामाती की जा चुकी है.अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए जिस क्षेत्र से भी टैंकर की मांग की जा रही है तुरंत ही टैंकर मुहैया कराया जा रहा है वर्तमान समय में जिले में 68 स्थान पर टैंकर के माध्यम से पानी आपूर्ति की जा रही है जिसमें नगर निगम गया द्वारा 32 टैंकर के माध्यम से विभिन्न शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति सुचारू रखी जा रही है इसके अलावा शेरघाटी बोधगया फतेहपुर डोभी किधर सराय में टैंकर से पानी आपूर्ति दी जा रही है उन्होंने बताया कि जिला नियंत्रण कक्ष के माध्यम से वामन शिकायतें पानी की समस्या से संबंधित प्राप्त हुए थे जिनका निपटारा किया जा चुका है.डीएम ने कंट्रोल रूम का नंबर जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि किसी भी क्षेत्र में पानी की समस्या चापाकल मरामाती इत्यादि की समस्या होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 0631 2222253, 06312222259 पर कॉल करके अपनी समस्या को बता सकते हैं, सभी शिकायतो को संधारित कर समाधान किया जा रहा है, साथ ही फॉलो अप भी लिया जा रहा है.इसके पश्चात बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति में कृषि विभाग ने बताया कि डीजल अनुदान, फसल क्षति, आकस्मिक फसल इत्यादि के लिए तैयारी कर ली गई है.पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि पशु चारा के लिए दर का निर्धारण कर ली गई है.पशु दवा की पूरी उपलब्धता है, 57 पशु अस्पताल जिले में मौजूद है, 43 प्रकार की पशु की दवाएं उपलब्ध है, राहत शिविर के लिए 72 स्थान को चिन्हित कर लिया गया है, पशुओं के लिए कैटल ट्रफ 27 स्थान में से 21 स्थान पर फंक्शनल है.हीट वेव की समीक्षा में डीएम ने निर्देश दिए हैं कि सभी सरकारी अस्पतालों में हीट वेव का बेड सुरक्षित रखा जाए.सभी सुरक्षित वार्ड में एयर कंडीशन एवं हीट वेव के एसओपी के अनुरूप सभी तैयारी रखा जाए.सभी अस्पतालों में आइस पैक, डीप फ्रीजर इत्यादि की मुकम्मल व्यवस्था रहे साथ ही सभी एंबुलेंस में एयर कंडीशन एवं आइस पैक उपलब्ध रखें.

हीट वेव के उपचार में लगने वाले दवाओं की कोई कमी नहीं रखें, ओआरएस सभी पर्याप्त स्थान पर पर्याप्त संख्या में मौजूद रखें.सभी अस्पतालों में डॉक्टर एवं स्टाफ पूरी तत्परता से मौजूद रहे और मरीजों को तुरंत इलाज करें.

जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में 29 अग्निशमन वाहन मौजूद है जो विभिन्न अनुमंडल एवं थाना स्तर पर सुरक्षित रखा गया है ताकि विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र में कहीं भी आगजनी की समस्या आने पर तुरंत रिस्पांस दिया जा सके.

जुगसलाई फायरिंग मामले में छह आरोपी गिरफ्तार, चार देसी पिस्टल बरामद

जमशेदपुर : जुगसलाई स्थित यूनिक कलेक्शन कपड़ा दुकान पर हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से चार देसी पिस्टल, पांच जिंदा गोलियां, तीन खाली मैगजीन, छह मोबाइल फोन तथा एक मैगनाकार बरामद किया गया है. कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया. घटना के संबंध में बताया गया कि 15 मई को जुगसलाई नगर परिषद बाजार स्थित यूनिक कलेक्शन कपड़ा दुकान पर बाइक सवार अपराधियों ने फायरिंग की थी. पुलिस के अनुसार, फायरिंग का उद्देश्य क्षेत्र में रंगदारी और दहशत फैलाना था. एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी के नेतृत्व में पुलिस उपाधीक्षक (विधि-व्यवस्था) की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया. पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, गुप्त सूचना, सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई. जांच के दौरान आरोपियों की पहचान मनीष सिंह गिरोह के सदस्यों के रूप में हुई. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ आर्यन, राहुल सिंह उर्फ बड़कू, हरप्रीत सिंह भामराह उर्फ हैप्पी और राहुल सिंह उर्फ गेटलू को शिवघाट, जुगसलाई से गिरफ्तार किया. वहीं, बानेश्वर नामता उर्फ मानस को बर्मामाइंस रेलवे यार्ड के पास तथा अंकित सोनकर उर्फ अंकित खटिक को जुगसलाई गर्ल्स स्कूल के समीप से गिरफ्तार किया गया. इस संबंध में सिटी एसपी ललित मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों की भी तलाश जारी है.

आसनसोल नगर निगम में तोड़फोड़ के बाद मेयर विधान उपाध्याय ने की सुरक्षा की मांग

कोलकाता :. पश्चिम बंगाल के आसनसोल में नगर निगम को लेकर राजनीतिक तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है. विधान उपाध्याय, जो आसनसोल नगर निगम के मेयर हैं, अपने मेयर परिषद सदस्यों और पार्षदों के साथ पश्चिम बर्दवान की जिलाधिकारी एस पोन्नमबलम के कार्यालय पहुंचे और हाल ही में हुई तोड़फोड़ की घटना को लेकर सुरक्षा की मांग की. डीएम श्री पोन्नमबलम ने कहा कि उनको निगम के मेयर विधान उपाध्याय की शिकायत मिली है. मामले में जांच के बाद उचित कार्रवाई की जायेगी.मेयर विधान उपाध्याय ने इस घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए कहा कि एक सरकारी कार्यालय में, वह भी मेयर परिषद के सदस्यों की मौजूदगी में इस तरह की तोड़फोड़ लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है. उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सत्ता पक्ष के प्रतिनिधियों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है, जिससे निगम के निर्वाचित प्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंची है.उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल कर सरकार बनाई हो, लेकिन आसनसोल नगर निगम का बोर्ड फरवरी 2027 तक वैध है और उसे नजरअंदाज कर इस तरह की कार्रवाई करना पूरी तरह अनुचित है. मेयर ने कहा कि इस मामले को जिलाधिकारी के समक्ष सभी तथ्यों को रखा गया, घटना के विरोध में संबंधित लोगों के खिलाफ आसनसोल दक्षिण थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है. आरोप है कि इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तस्वीर को भी नुकसान पहुंचाया गया

दुर्गापुर नगर निगम में प्रशासनिक फेरबदल

दुर्गापुर : दुर्गापुर नगर निगम में आज एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है. जिले के जिला मजिस्ट्रेट एस पोन्नमबालम ने आधिकारिक तौर पर नगर निगम के नए प्रशासक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है. बुधवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचे नए प्रशासक ने सबसे पहले निगम कमिश्नर (आयुक्त) के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और उसके बाद औपचारिक रूप से प्रशासक की कुर्सी संभाली.

इस अवसर पर दुर्गापुर पूर्व के विधायक चंद्रशेखर बंद्योपाध्याय और दुर्गापुर पश्चिम के विधायक लक्ष्मण चंद्र घरुई ने नगर निगम पहुंचकर नए प्रशासक एस पोन्नमबालम का स्वागत किया और उन्हें गुलदस्ता भेंट कर

शुभकामनाएं दीं.प्रशासक एस पोन्नमबालम की प्राथमिकताएं और मुख्य घोषणाएं:

कार्यभार संभालने के तुरंत बाद नए प्रशासक ने मीडिया से बातचीत में नगर निगम के विकास कार्यों की गति बढ़ाने को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं:

अधूरे विकास कार्यों पर विशेष ध्यान: उन्होंने कहा कि नगर निगम के विभिन्न वार्डों में जो भी विकास परियोजनाएं और जनहित के कार्य फिलहाल अधूरे या लंबित पड़े हैं, उन्हें सबसे पहले प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा.

नागरिक सुविधाओं में सुधार: आम जनता को मिलने वाली बुनियादी नागरिक सेवाओं (जैसे पेयजल, साफ-सफाई और सड़कें) को और अधिक बेहतर व सुचारू बनाने के लिए तेजी से कदम उठाए जाएंगे.शनिवार को होगी समन्वय बैठक: नए प्रशासक ने बताया कि इसी सप्ताह शनिवार को वे दोनों स्थानीय विधायकों (पूर्व व पश्चिम) के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक करेंगे, ताकि नगर निगम की विभिन्न चालू योजनाओं और भावी विकास कार्यों की रूपरेखा मिलकर तय की जा सके.

प्रशासनिक फेरबदल के बाद जिला मजिस्ट्रेट द्वारा खुद कमान संभालने से स्थानीय नागरिकों में यह उम्मीद जगी है कि शहर के रुके हुए विकास कार्यों में अब तेजी आएगी. इस बदलाव को लेकर आज पूरे दुर्गापुर प्रशासनिक हलके में भारी तत्परता देखी गई.

ट्रेनिंग ट्रेनर्स टू ट्रांसफॉर्म पुस्तक का हुआ विमोचन

रायपुर : रायपुर- स्थित वृंदावन हॉल में गुड़ी चउरा सांस्कृतिक व साहित्यिक संस्थान द्वारा पुस्तक ट्रेनिंग ट्रेनर्स टू ट्रांसफॉर्म का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया. यह आयोजन सामाजिक कार्य, शिक्षा, जनस्वास्थ्य, प्रशासन एवं विकास क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों तथा विकास क्षेत्र के प्रैक्टिशनरों की उल्लेखनीय उपस्थिति के कारण ज्ञान, अनुभव एवं सामाजिक सरोकारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच बन गया.कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे महामहिम रमेश बैंस, पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र, झारखंड और त्रिपुरा तथा सात बार रायपुर से लोकसभा सदस्य के मुख्य अभ्यागत में श्री सोनमणी बोरा, प्रमुख सचिव - आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, विशिष्ट अभ्यागत के रूप में श्रीमती हर्षिता पाण्डेय, भूतपूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग, डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल, संचालक - छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई, श्री प्रतीक खरे, सचिव-छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग तथा श्री पवन गुप्ता, संयुक्त संचालक जनसंपर्क विभाग की गरिमामयी उपस्थिति में समन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरूवात में पुस्तक के लेखक श्री अनुराग कुमार श्रीवास्तव ने अपने 25 वर्षों के अनुभवों को पुस्तक में साझा किया है. इसमें प्रशिक्षण की प्रभावी पद्धतियों, सामुदायिक सहभागिता, नेतृत्व विकास, व्यवहार परिवर्तन तथा जमीनी स्तर पर कार्य करने के व्यावहारिक अनुभवों का विस्तृत वर्णन है. लेखक ने बताया कि यह पुस्तक विशेष रूप से प्रशिक्षकों,

सामाजिक कार्यकर्ताओं, विकास क्षेत्र के कर्मियों एवं विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी.भूतपूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग श्रीमती हर्षिता पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता, संवाद और सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देते हैं. उन्होंने लेखक के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक प्रशिक्षण एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी.कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व सांसद महामहिम रमेश बैंस ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में प्रशिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि प्रभावी प्रशिक्षण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है. समारोह में प्रमुख सचिव आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग श्री सोनमणि बोरा, पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग श्रीमती हर्षिता पाण्डेय, छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई के संचालक डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल, छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग के सचिव श्री प्रतीक खरे तथा जनसंपर्क विभाग के संयुक्त संचालक श्री पवन गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. सभी अतिथियों ने पुस्तक की विषयवस्तु एवं सामाजिक उपयोगिता की सराहना की. वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में प्रभावी प्रशिक्षण एवं मानवीय दृष्टिकोण आधारित नेतृत्व की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है और यह पुस्तक उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है. लोकार्पण समारोह में अतिथियों ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया और लेखक को शुभकामनाएँ दीं.पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सरवत नक़वी ने किया. उनकी प्रभावशाली एंकरिंग एवं सहज प्रस्तुति ने कार्यक्रम को जीवंत और आकर्षक बना दिया. कार्यक्रम के अंत में गुड़ी चउरा सांस्कृतिक व साहित्यिक संस्था के अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर चकोर के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया.

न्यूज कॉर्नर

.जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन का पुनर्गठन, नई कमिटी का गठन

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : खेल भवन सह व्यायामशाला में गया जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को आयोजित की गई.बैठक बिहार वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव अरुण कुमार ओझा की देखरेख में संपन्न हुई.ज्ञात हो कि पूर्व में गया जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे अरुण कुमार ओझा द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दिए जाने के उपरांत पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमिटी का गठन किया गया.बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया गया, जिसमें अध्यक्ष - डॉ. केतुल कुमार, सचिव - राहुल राज, कोषाध्यक्ष - पूजा कुमारी का चयन किया गया.इसके अतिरिक्त समिति के संरक्षक के रूप में राकेश रंजन एवं अरुण कुमार ओझा को मनोनीत किया गया.वहीं उपाध्यक्ष पद पर कुंदन कुमार, कुमारी रीता सिंह का चयन किया गया.संयुक्त सचिव के रूप में विकाश भारद्वाज, संगीता कुमारी को जिम्मेदारी सौंपी गई.तकनीकी बोर्ड के चेयरमैन के रूप में रवि पाण्डेय का चयन किया गया.साथ ही संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने हेतु 6 सदस्यीय समिति का भी गठन किया गया, जिसमें श्रद्धार्थ कुमार, सत्यम वर्मा, अशुतोष कुमार, सुप्रिया राज, साहिल सिंह राजपूत, सौरभ सुमन को सदस्य के रूप में शामिल किया गया.बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई कमिटी को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि गया जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन जिले में वेटलिफ्टिंग खेल के विकास एवं खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करेगी.

डीडीसी की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक की गयी

युवा शक्ति न्यूज
गया : बुधवार को डीडीसी शैलेश कुमार दास की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक अपने कार्यालय सभागार में आयोजित की.बैठक की शुरुआत डीपीओ द्वारा सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों का अभिवादन करते हुए की गई.बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत मैपिंग करते हुए नए पंजीकरण एवं भुगतान सृजन कार्य में तेजी लाने तथा इसे यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया.साथ ही मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना (एमकेयूवाई) के योग्य लाभुकों का पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन भुगतान सृजन करने का निर्देश दिया गया.बैठक के दौरान आईसीडीएस के सभी सूचकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने तथा सभी प्रकार के निरीक्षण कार्यों को भी शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया.इसके अतिरिक्त यूनिसेफ के सहयोग से संचालित सीएमएएम गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यों में तेजी लाने एवं लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.अंत में डीडीसी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पीएमएमभीवाई, एमकेयूवाई, सीएमएएम एवं अन्य सभी सूचकों में अपेक्षित प्रगति एक सप्ताह के अंदर सुनिश्चित की जाए.इस बैठक में गया ज़िला अंतर्गत सभी परियोजनाओं के सीडीपीओ, आईसीडीएस एवं महिला एवं बाल विकास निगम के प्रतिनिधि जयवन्ती सिन्हा, सुशांत आनंद एवं विशाल कुमार वर्मा, यूनिसेफ के प्रतिनिधि श्रृंखला मिश्र एवं राकेश कुमार मौजूद थे.

डीएम ने 7 दृष्टिहीन व्यक्तियों के बीच स्मार्टफोन एवं हेडफोन का किया वितरण

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा बुधवार को 7 दृष्टिहीन व्यक्तियों के बीच स्मार्टफोन एवं हेडफोन का वितरण किया गया.लाभुकों ने मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी को संबल योजना के तहत बट रहे सहायक उपकरण एवं बैटरी चालित ट्राइसिकल के लिए धन्यवाद कहा.उपस्थित लाभुकों ने कहा की यह स्मार्टफोन उन्हें सक्षम बनाने में सहायता प्रदान करेगी और ख़ुशी व्यक्त की.सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग गया अविनाश कुमार द्वारा बताया गया की पिछले एक साल में सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, सीपी व्हीलचेयर, ट्राइसिकल, हियरिंग ऐड, बैशाखी, डिजिटल ब्लाइंड स्टिक, एवं अन्य उपकरणों से 878 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया है.इसके अलावे वर्ष 2025-26 में अभी तक 940 चलंत दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल का भी लाभ प्रदान किया गया है.उन्होंने बताया की जो भी दिव्यांग सहायक उपकरण या बैटरी चलित ट्राइसाइकिल का लाभ लेना चाहते हैं वो आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र/यू डीआईडी कार्ड, 2 लाख से कम आय प्रमाण पत्र तथा आवासीय प्रमाण पत्र के साथ पोर्टल पर अप्लाई कर सकते हैं.दिव्यांगजन अपना आवेदन अपने ब्लॉक, नजदीकी बुनियाद केंद्र अथवा जिला कार्यालय से भी कर सकते हैं.

सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा सभी एएनएम के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

साहिबगंज : सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान द्वारा जिला अंतर्गत कार्यरत सभी एएनएम के साथ समीक्षा बैठक सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई. जिले के सभी प्रखंडों से एएनएम उपस्थित हुईं एवं उनके कार्यों की बारी-बारी से विस्तृत समीक्षा की गई. सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान द्वारा सभी एएनएम को अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी, ईमानदारी एवं सेवा भाव के साथ जनहित में कार्य करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों को सफल बनाना तथा सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है.सिविल सर्जन ने विशेष रूप से गर्भवती माताओं एवं बच्चों को समय पर एएनसी टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया. साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य सेवाओं एवं कार्यक्रमों से संबंधित एंट्री विभिन्न पोर्टल एवं ऐप पर शत-प्रतिशत एवं समय पर सुनिश्चित की जाए. स्वास्थ्य उपकेंद्रों को समय पर खोलने, नियमित रूप से सेवाएं प्रदान करने, जनजागरूकता अभियान चलाने तथा आपसी सहयोग एवं टीम वर्क के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया गया.सिविल सर्जन ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा ताकि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सके.बैठक में मौजूद डीएलओ डॉ. किरणमाला, डीपीएम , डीएएम,डीडीएम, डीपीएम यू,कोऑर्डिनेटर्ब डीपीसी,क्लर्क आदित्य कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे.

गयाजी में विकास को लेकर मुख्यमंत्री से मिले विधानसभा अध्यक्ष

युवा शक्ति न्यूज
गया : बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात कर गया जी जिले की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया.मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने गया जी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने एवं आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण फ्लाईओवर एवं आरओबी निर्माण परियोजनाओं पर चर्चा की. रामशिला मोड़ तक फ्लाईओवर निर्माण, अनुग्रह नारायण मेडिकल कॉलेज से गया कॉलेज, गांधी मैदान होते हुए रेलवे स्टेशन तक फ्लाईओवर निर्माण तथा गयाजी-बोधगया एयरपोर्ट से कृषि उत्पादन बाजार समिति तक फ्लाईओवर निर्माण के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई.

एनटीपीसी बरौनी को मिला प्लेटिनम अवॉर्ड

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : एनटीपीसी बरौनी को ऐपेक्स इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 10वें एपेक्स इंडिया एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2025 में प्लेटिनम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. यह सम्मान गोवा में आयोजित समारोह के दौरान प्राप्त हुआ.यह पुरस्कार ग्रामीण समुदायों तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने हेतु संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) जैसी प्रभावशाली एवं सतत पहलों के लिये प्रदान किया गया. पृथ्वी राज, कार्यपालक (सीएसआर), ने एनटीपीसी बरौनी की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया.एनटीपीसी बरौनी की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यक जांच एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. इस पहल से प्रतिमाह लगभग 2,000 लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण समुदायों को स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हो रही है.यह पुरस्कार समुदाय के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति एनटीपीसी बरौनी की निरंतर प्रतिबद्धता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में किये जा रहे सार्थक प्रयासों को रेखांकित करता है.बरौनी परियोजना प्रमुख, जयदीप घोष ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुये कहा कि यह सम्मान संगठन की समाज के प्रति प्रतिबद्धता और सामुदायिक विकास के लिये किये जा रहे प्रयासों का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि भविष्य में भी एनटीपीसी बरौनी समाज के कल्याण एवं सतत विकास की दिशा में इसी प्रकार कार्य करता रहेगा.

डीएम ने सुनी आमजनों की समस्याएं

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित दैनिक जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 50 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं.इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने जिलाधिकारी के समक्ष रखा.डीएम ने उपस्थित है.

ई-फार्मेसी के विरोध में दवा की दुकानें बंद

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी: शहर में बुधवार ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में दवा व्यापारियों ने 24 घंटे की देशव्यापी हड़ताल की. ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर दवा दुकानें बंद की गई है.इस दौरान गया के टेकारी रोड स्थित दवा मंडी सहित अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद रहे, जिससे दिनभर सन्नाटा पसरा रहा. व्यापारियों ने ऑनलाइन दवा कंपनियों के खिलाफ काली पट्टी बांधकर विरोध-प्रदर्शन किया.दवा व्यापारी प्रशांत गुहा ने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री और भारी छूट के कारण पारंपरिक दवा कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने की मांग की.

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के 15 प्रदेशों के रचनाकारों ने पढ़ीं कविताएं

युवा शक्ति न्यूज
गया जी : राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा की महाराष्ट्र प्रदेश समिति द्वारा देश भर में पड़ रही भीषण गर्मी को काव्य पाठ का मूल विषय बनाते हुए राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया.कवि सम्मेलन में शब्दवीणा की पन्द्रह प्रदेश समितियों के कवि एवं कवयित्रियों ने भाग लिया.रचनाकारों ने निर्दिष्ट विषय चहुँदिश गरमी ही गरमी पर एक से बढ़कर एक स्वरचित गीत, गज़ल, दोहे, एवं मुक्तकों का पाठ किया.कार्यक्रम का शुभारंभ जागृति सिन्हा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना हे माँ शारदे, वीणावादिनी, तथा शब्दवीणा की संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी द्वारा प्रस्तुत शब्दवीणा गीत की सुमधुर प्रस्तुति से हुआ.बतौर मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के वरिष्ठ कवि डॉ कृपाशंकर मिश्र रहे, तो बतौर विशिष्ट अतिथि शब्दवीणा के राष्ट्रीय सचिव महावीर सिंह वीर की उपस्थिति रही.कार्यक्रम की अध्यक्षता शब्दवीणा महाराष्ट्र प्रदेश संरक्षक प्रो. डॉ कनक लता तिवारी ने की. संचालन शब्दवीणा की महाराष्ट्र प्रदेश संगठन मंत्री लक्ष्मी यादव ओजस्विनी ने किया.कवि सम्मेलन में बिहार से डॉ रश्मि प्रियदर्शनी, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, बाल कवि सत्कृत त्रिपाठी, एवं अजय वैद्य, पश्चिम बंगाल से राम नाथ बेख़बर, देवघर, झारखंड से बबन बदिया, महाराष्ट्र से डॉ कनक लता तिवारी, डॉ कृपा शंकर मिश्र, लक्ष्मी यादव ओजस्विनी एवं जागृति सिन्हा, मध्य प्रदेश से अरुण अपेक्षित, उत्तराखंड से महावीर सिंह वीर, उत्तर प्रदेश से राम देव शर्मा राही एवं मुल्कराज आकाश, हरियाणा से सरोज कुमार, दिल्ली से आशा दिनकर, कर्नाटक से सुनीता सैनी गुड्डी, विजयेन्द्र सैनी एवं निगम राज़ ने कवि सम्मेलन में जीवन तथा प्रकृति पर पड़ने वाले चिलचिलाती गर्मी एवं लू के प्रभावों का भावपूर्ण, चित्रात्मक, व बिंबात्मक वर्णन करती हुईं जीवंत रचनाएँ पढ़ीं.कवियों ने प्राकृतिक असंतुलन, मौसम के रौद्र होते स्वरूप, एवं जलवायु परिवर्तन की समस्या पर चिंता जताते हुए प्रकृति का अनावश्यक दोहन न करने का संदेश दिया.डॉ कनक लता तिवारी की गरमी की ऋतु आई लेकर, आमों की बहार, डॉ कृपाशंकर मिश्र की क्यारियों के सुमन सब हैं मुरझा गए, अब भ्रमर कोई उपवन में आता नहीं, अरुण अपेक्षित की नदिया सूखीं जल भरी, हिरण खड़े बेचैन.

अवैध गैस कालाबाजारी के खिलाफ औरंगाबाद पुलिस ने की कार्रवाई

औरंगाबाद: (बिहार) एक तरफ जहां प्रत्येक स्थानों पर अभी गैस सिलेंडर की मारामारी चल रही है! वहीं दूसरी ओर बुधवार दिनांक - 20 मई 2026 को रिसियप थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम - पहरा में विकास कुमार सिंह, पिता - मनोज कुमार सिंह अपने घर एवं दुकान में विभिन्न कंपनियों के गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी तथा कालाबाजारी कर रहा है! तब सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु औरंगाबाद पुलिस द्वारा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी (कुटुंबा) के साथ विकास कुमार सिंह के घर एवं दुकान में भी विधिवत छापामारी की गई! छापामारी के क्रम में उनके घर एवं दुकान से एच.पी. कंपनी, भारत गैस कंपनी, इंडियन कंपनी का सिलेंडर एवं साथ ही विभिन्न व्यक्तियों का उपभोक्ता कार्ड, रिफिलिंग नोजल पाइप सहित, माइक्रोटेक का तराजू एवं गैस चूल्हा उज्जवला कंपनी का भी बरामद किया गया है! इस संबंध में रिसियप थाना कांड संख्या -113 / 26 दिनांक - 20.05.2026 के अंतर्गत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है! अग्रतर विधि सम्मत कार्रवाई भी की जा रही है! ध्यातव्य हो कि औरंगाबाद पुलिस द्वारा जारी की गई विभागीय प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक कुल - 105 गैस सिलेंडर बरामद किया गया है! जिसमें एच.पी. गैस का 10 व्यावसायिक गैस सिलेंडर (भरा हुआ 05, खाली 05), एच.पी. गैस का 55 घरेलू गैस सिलेंडर (भरा हुआ 49, खाली 06), भारत गैस का 23 घरेलू सिलेंडर (भरा हुआ 02, खाली 21), इंडेन गैस का 17 घरेलू गैस सिलेंडर (भरा हुआ 02, खाली 15), उपभोक्ता कार्ड 90, उज्जवला भारत गैस चूल्हा 06, रिफिलिंग नोजल पाइप सहित 01 एवं माइक्रोटैक का तराजू 01 बरामद किया गया है!

बिहार के युवाओं में अपार क्षमता : डीएम

युवा शक्ति न्यूज
गया : चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआईएमपी) द्वारा बिहार के युवाओं के लिए संचालित कैरियर एवं कौशल विकास कार्यक्रम सामर्थ्य का सफल आयोजन बुधवार 20 मई को गया जिले के हरिदास सेमिनरी ऑडिटोरियम में किया गया.जिला प्रशासन, गया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 600 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), भविष्य के करियर अवसरों, कौशल विकास एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रति जागरूक करना था.कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में गया जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री कृष्ण मुरारी गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही.उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में केवल पारंपरिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है.छात्रों को नई तकनीकों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल कौशलों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है.सामर्थ्य जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं.उद्घाटन सत्र में चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री कुमोद कुमार ने कहा कि सामर्थ्य कार्यक्रम बिहार के युवाओं को नई संभावनाओं और आधुनिक कौशलों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है.हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों को आत्मविश्वासी, सक्षम और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाना है.
एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों की समझ आज के युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है, और

सीआईएमपी इस दिशा में लगातार सार्थक पहल कर रहा है.उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए एमयू के कुलपति, गया के डीएम, डीईओ, सभी शिक्षकगण, संकाय सदस्यों एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह कार्यक्रम एक भव्य सफलता बन सका.कार्यक्रम में सीआईएमपी की प्रोफेसर प्रो. पिल्लई एवं प्रिया नाथ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर विस्तृत एवं संवादात्मक सत्र संचालित किए.
उन्होंने छात्रों को एआई के मूल सिद्धांतों, इसके व्यावहारिक उपयोगों तथा भविष्य में इसके बढ़ते महत्व के बारे में जानकारी दी.छात्रों ने सत्र में सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न प्रश्न पूछे और नई तकनीकों को समझने में विशेष रुचि दिखाई.इसके अतिरिक्त, प्रोफेसर अंकित शर्मा ने छात्रों को सीआईएमपी में उपलब्ध प्रबंधन शिक्षा के अवसरों, करियर संभावनाओं तथा विभिन्न सरकारी छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी.उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास के माध्यम से अपने भविष्य को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया.छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि बिहार के युवाओं में अपार क्षमता : डीएम.कार्यक्रम के समापन सत्र में जिले के डीएम शशांक शुभंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि बिहार के युवाओं में अपार क्षमता है.आवश्यकता केवल सही मार्गदर्शन, अवसर और आत्मविश्वास की है.
सामर्थ्य कार्यक्रम युवाओं को नई तकनीकों और करियर संभावनाओं से जोड़ने का एक प्रभावशाली प्रयास है.मुझे प्रसन्नता है कि इतने बड़े स्तर पर छात्र इसमें सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं.उन्होंने आगे कहा कि एआई और तकनीक आधारित कौशल आने वाले समय में युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगे.जिला प्रशासन ऐसे प्रयासों का निरंतर समर्थन करता रहेगा जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बनाएं.
समापन सत्र के दौरान जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया.एआई कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सीआईएमपी की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए.कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर डॉ. अंकित शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया.सामर्थ्य केवल एक दिवसीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं को तेजी से बदलती दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक व्यापक अभियान है.यह पहल छात्रों में आत्मविश्वास विकसित करने, तकनीकी जागरूकता बढ़ाने और उन्हें नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

टोलों में जाकर स्वास्थ्य जांच शिविर एवं संतृप्तिकरण अभियान चलाया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : आदिवासी समुदायों के गौरवमयी इतिहास एवं संस्कृति का जश्न मनाने एवं सरकार के फ्लैगशिप इंटरवेंशन पीएम-जनमान एवं डीए-जेजीएयू से संबंधित जनभागीदारी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य से जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के आलोक में 18 मई 2025 से 25 मई 2025 के बीच राष्ट्रव्यापी जनजातीय गौरव उत्सव 2026 मनाया जा रहा है.इसी सिलसिले में गया जी जिला के तीन प्रखंडों (फतेहपुर, इमामगंज एवं बाँकेबाज़ार) में आवासीत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदाय के लगभग 117 परिवारों से संबंधित टोलों में जाकर स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं संतृप्तिकरण अभियान चलाया गया. इसके तहत फ़तेहपुर प्रखंड के गुरपा पंचायत के कठौतिया केवाल टोला, इमामगंज प्रखंड के मालहरी पंचायत के मालहरी टोला एवं बाँकेबाज़ार प्रखंड के लुट्टुआ पंचायत के डुमरी, नागोवर एवं मारनीया टोला में, आदिवासी समुदाय को जागरूक किया गया एवं उनके स्वास्थ्य की जाँच भी की गई.इस अवसर पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार, तनीषा कुमारी एवं राधेश्याम कुमार के द्वारा, विकास मित्रों की मौजूदीगी में ट्रांजेक्ट वाक किया गया एवं इन टोलों में लग रहे स्वास्थ्य शिविर में जाँच करवाने हेतु प्रेरित किया गया.इन सभी टोलों में डोर टू डोर जाकर पीएम जनमान एवं डीए जेजीएयू संबंधी जानकारी भी दी गई एवं पौधारोपण भी किया गया.एक हफ्ते तक चलने वाले इस अभियान में आज गया जी जिलों के तीनों प्रखंडों में 100 से अधिक आदिवासी लोगों के द्वारा विभिन्न जानकारी ली गई एवं स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया गया.साथ ही पेंशन, जन्म प्रमाण, राशन, आयुष्मान कार्ड, पारिवारिक लाभ आदि विभिन्न योजनाओं के कुल 54 आवेदन भी प्राप्त किए गए.इन सभी आवेदनों को दिनांक 24 मई को विशेष जनसुनवाई में निष्पादन करने का लक्ष्य है.

परियोजना प्रमुख, एल. के. बहेरा, ने बताया की एन.टी.पी.सी नबीनगर परियोजना द्वारा क्या-क्या किए जा रहे हैं क्षेत्र में विकास के कार्य

औरंगाबाद : (बिहार) मंगलवार दिनांक - 19 मई 2026 को अंकोरहा स्थित नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना (एन.टी.पी.सी.) में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान परियोजना प्रमुख, एल.के.बहेरा ने मौके पर उपस्थित मीडिया - कर्मियों की जानकारी देते हुए बताया कि हम लोगों के द्वारा इस क्षेत्र में क्या-क्या विकास कार्य किया जा रहे हैं! इसी कड़ी में परियोजना प्रमुख ने जानकारी देते हुए बताया है, कि सी.एस.आर. फंड के पैसे से हम लोगों ने इस क्षेत्र में पर्यावरण बचाने के उद्देश्य से लगभग 90,000 पेड़ लगवाएं हैं! विगत दिनों जन कल्याण के उद्देश्य से ही भीषण गर्मी को देखते हुए एवं विभिन्न स्थानों पर उत्पन्न जल संकट को भी देखकर 200 चापाकल लगवाए थे! जिससे आम लोगों को राहत मिल सके! यहां इस परियोजना के लगने से ही कैंपस के अंदर स्थापित केंद्रीय विद्यालय में भी लगभग 90% बच्चे स्थानीय ही पढ़ते हैं! हम लोगों के बच्चे लगभग 5% ही केंद्रीय विद्यालय में पढ़ते हैं! यहां पर स्थापित परियोजना के इर्द - गिर्द पी.ए.पी. में 22 गांव है! जिन्हें यह लाभ मिलता है! साथ ही हम लोगों ने सी.एस.आर. फंड के पैसे से ही क्षेत्र में जनकल्याण को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक भवन बनवाने का काम किया है! जिसमें महुऑव (पंचायत) का भी सामुदायिक भवन बना है! सी.एस.आर. फंड के पैसे से ही हम लोग बड़ेम, बाघी, अंकोरहा इत्यादि जगहों पर सामुदायिक भवन बनवा रहे हैं! जिससे जन कल्याण हो सके, और विशेष मौके पर सदुपयोग किया जा सके! सरकारी विद्यालयों में भी जहां कुर्सी, टेबल, बेंच जैसी सामानों की जरूरत होती है, तो हम लोग वहां भी कार्य करवाते हैं! साथ ही हम लोगों ने ब्यूटीशियन कोर्स भी कराया है, और ऑर्गेनिक खेती का ट्रेनिंग भी दिया है! जिससे लोग आत्मनिर्भर बन सके! बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से भी हम लोग कार्यक्रम कर रहे हैं! शिवनपुर में भी हाई स्कूल बनवाए हैं, और रघुनाथपुर में भी विद्यालय भवन बनवाने का कार्य करवाए हैं! इस प्रकार से सी.एस आर. फंड का पैसा हम लोग प्रत्येक वर्ष मोटा - मोटी लगभग 04 करोड़ रूपया खर्च करते हैं! ध्यातव्य हो कि इसी आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जब संवाददाता ने परियोजना प्रमुख, एल.के. बहेरा से सवाल पूछा कि आपका यहां पर अंकोरहा में जो एन.टी.पी.सी., नबीनगर का प्लांट स्थापित है! उससे जो बिजली उत्पादन होती है! वह बिजली आप बिहार - सरकार को कितने रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से देते हैं! तब संवाददाता द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए परियोजना प्रमुख, एल. के. बहेरा ने कहा कि हम लोग बिजली दो तरह से उत्पादन करते हैं! पानी और कोयला के माध्यम से, तथा हम लोग जो यहां बिजली का उत्पादन करते हैं! उसे हम लोग बिहार - सरकार को 2 रूपये 90 पैसे प्रति

यूनिट के हिसाब से बिजली देते हैं! तब फिर संवाददाता ने योजना प्रमुख, एल.के. बहेरा से सवाल पूछा कि आपका एन.टी.पी.सी. प्लांट औरंगाबाद जिला में स्थापित है! लेकिन प्रत्येक स्थान पर चर्चा होती है कि एन.टी पी सी., नबीनगर का प्लांट औरंगाबाद जिला में जरूर स्थापित है, परंतु यहां स्थापित एन.टी.पी.सी. प्लांट के सी.एस.आर. का पैसा विकास मद में औरंगाबाद जिला के बजाय दूसरे जिला भोजपुरी में भी भेज दिया जाता है? इसलिए आप इस मुद्दे पर क्या कहना चाहेंगे? तब संवाददाता द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए परियोजना प्रमुख, एल. के. बहेरा ने कहा कि ऐसी बात नहीं है! साथ ही जहां तक हम लोगों द्वारा सी.एस.आर. फंड के पैसे से विकास कार्य करने की बात होती है, तो हम देश के किसी भी स्थानों पर विकास कार्य कर सकते हैं! तब आयोजित कार्यक्रम के दौरान ही संवाददाता टीम ने परियोजना प्रमुख से सवाल पूछा कि यहां जिला मुख्यालय औरंगाबाद का सदर अस्पताल, में स्थिति इतनी खराब है, कि एंबुलेंस के अभाव में कई मरीजों की जान चली जाती है! इसलिए आप लोगों से भी हम लोग कहना चाहेंगे, कि सी.एस.आर. फंड के पैसे से ही कम से कम एक एम्बुलेंस सदर अस्पताल औरंगाबाद को दे दीजिए, ताकि पीड़ित मरीजों की जान बच सके! तब संवाददाता टीम द्वारा उठाई गई बातों को सुनकर परियोजना प्रमुख ने कहा कि हम लोग सदर अस्पताल, औरंगाबाद को एक एंबुलेंस कभी भी दे दे सकते हैं! मगर नियम अनुसार यहां के जिला पदाधिकारी यदि हम लोगों से एंबुलेंस के लिए रिक्वेस्ट करेंगे, तो एंबुलेंस दे देंगे! तब फिर संवाददाता टीम ने सवाल पूछा कि आपके यहां जो अस्पताल है! उसमें ग्रामीण जनता को भी इलाज किया जाता है? तब संवाददाता टीम द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए परियोजना प्रमुख ने कहा कि हां हम लोगों के अस्पताल में भी इलाज किया जाता है! तब फिर संवाददाता टीम ने सवाल पूछा कि क्या आपके यहां अस्पताल में इमरजेंसी के दौरान भी पीड़ित मरीजों का इलाज किया जाता है? तब संवाददाता टीम द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे यहां अस्पताल में इमरजेंसी मरीज को छोड़कर इलाज किया जाता है, क्योंकि अभी इस तरह का हमारे यहां कोई व्यवस्था नहीं है, कि इमरजेंसी में भी पीड़ित मरीजों का इलाज किया जा सके! तब संवाददाता टीम ने परियोजना प्रमुख, एल.के.बहेरा से कहा कि आप लोग अपने परियोजना में ऐसा व्यवस्था क्यों नहीं करते हैं, कि इमरजेंसी में भी पीड़ित मरीजों का अच्छे-अच्छे चिकित्सक से इलाज किया जा सके? तब फिर संवाददाता टीम द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए परियोजना प्रमुख ने कहा कि हम लोग. तो चाह ही रहे हैं, कि हम लोगों के परियोजना अस्पताल में अच्छे-अच्छे चिकित्सक आए! हम लोगों ने इसके लिए पहले प्रयास भी किया है! लेकिन यहां ग्रामीण इलाके में आने के लिए अभी तक कोई भी चिकित्सक तैयार ही नहीं है! इसी वजह से अभी तक हम लोगों के अस्पताल में अच्छे-अच्छे चिकित्सकों की पोस्टिंग नहीं हो पाई है! तब फिर संवाददाता की टीम ने परियोजना प्रमुख से सलाह के तौर पर कहा कि आप लोग कुछ ऐसा काम क्यों नहीं करते हैं, कि औरंगाबाद जिले में कुल - 11 प्रखंड है! इसलिए प्रत्येक माह में क्षेत्र बदलकर एक-एक प्रखंड में एक मेडिकल कैंप आयोजित कीजिए! जिससे प्रत्येक प्रखंड में आम जनों को भी यह सुविधा मिल सके, कि औरंगाबाद जिला में एन.टी.पी.सी. स्थापित होने की वजह से ही कम से कम माह में एक बार हम लोगों को भी स्वास्थ्य लाभ मिलता है! तब परियोजना प्रमुख ने भी संवाददाता टीम द्वारा दिए गए सलाह पर कहा कि यह काम भी हम लोग निश्चित तौर पर करेंगे! जिससे जिला भर के लोगों का जल कल्याण हो सके! लेकिन थोड़ा गर्मी कम होने दीजिए! इसके बाद हम लोग बारी-बारी से प्रत्येक प्रखंडों में मेडिकल कैंप अवश्य लगवाएंगे! इस आयोजित कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख ने कहा कि नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, ना सिर्फ बिजली उत्पादन करती है, बल्कि ग्रामीण विकास में भी अपनी काफी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाती है! ध्यातव्य हो कि इस आयोजित कार्यक्रम में एन.टी.पी.सी., नबीनगर के परियोजना प्रमुख, एल.के.बहेरा, महाप्रबंधक, अनिल कुमार टी.सी., महाप्रबंधक परियोजना, राकेश शर्मा, महाप्रबंधक ए.डी.एम., मनोरंजन पाणिग्रही, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, अतुल कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे!

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए
कोलकाता | गुरुवार | 21 मई, 2026

कोर्ट की सख्ती के मायने

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है. हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं. ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है. नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे. उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए. आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं. वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है. हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं. वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई. इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं. दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे. स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए. लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई. वहीं तस्वीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दर्शाता है. पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया. ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चर्चाओं में उजागर नहीं होती. इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया. वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं. शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता. लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है. निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ ही अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है. निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है. सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों, दोनों के हितों की रक्षा कर सके. हमेशा से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है. सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं. उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, जिनके चलते कुत्ते अचानक आक्रामक व्यवहार दिखाने लगे हैं. निश्चय ही बढ़ता तापमान बदलते मौसमों के प्रति संवेदनशील इन जीवों को बेचैन किए हुए है. भूख व आश्रय के अभाव से उपजे असुरक्षाबोध ने भी उन्हें आक्रामक बनाने में भूमिका निभायी है. ऐसे में पशु प्रेमी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को मिलकर इस संकट का कारगर समाधान निकालना होगा. ये समाधान सिर्फ सरकार या स्थानीय निकायों के बूते होना संभव नहीं है. पशु प्रेमियों की बड़ी पहल के परिणाम बदलाव लाने में सकारात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं.

क्या है भारत में विद्या व विद्यार्थियों का भविष्य

– निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारा देश से की जा रही 'मन की बात' के 131वें एपिसोड में गत 22 फरवरी 2026 को छात्रों से 'परीक्षा पे चर्चा' की थी. अपने इस संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिये गये 'उपदेशों' में कहा कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती. शिक्षा जीवन को संवारने का एक माध्यम है, जबकि परीक्षा केवल आत्म-मूल्यांकन का ज़रिया है. उन्होंने छात्रों से परीक्षा को किसी बड़े बोझ या हौवे के रूप में देखने के बजाय इसे एक उत्सव की तरह मनाने की अपील की थी . पढ़ाई, आराम, शारीरिक खेलकूद और अपने शौक़ के बीच एक सही संतुलन बनाने को ज़रूरी बताया था. मोदी ने छात्रों को सलाह दी थी कि कुछ छात्र रात में पढ़ना पसंद करते हैं तो कुछ सुबह जल्दी, अपनी इसी मूल शैली पर विश्वास रखें. उन्होंने छात्रों को यह सलाह भी दी कि वे अपने मन की चिंताओं को अपने माता-पिता और परिवार के साथ खुलकर साझा करें, जिससे मानसिक तनाव कम होता है. अभिभावकों को सलाह देते हुये उन्होंने कहा था कि माता-पिता को बच्चों पर उनकी इच्छा के विरुद्ध विशिष्ट करियर चुनने का दबाव नहीं बनाना चाहिए. हर बच्चा अपने आप में अनूठा होता है. इसी तरह उन्होंने शिक्षकों को भी सलाह दी कि उन्हें छात्रों की सीखने की गति को समझना चाहिए और उनके लिए ऐसे लक्ष्य तय करने चाहिए जो पहुंच में हों लेकिन जिन्हें प्राप्त करने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़े. प्रधानमंत्री के उपरोक्त कथन में यह बात पूरी तरह विरोधाभासी है कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती. क्योंकि आज के दौर में एडमिशन, वरीयता सूची, श्रेणी निर्धारण, चयन आदि हर जगह अंक प्रतिशत की ही होड़ लगी हुई है. परन्तु प्रधानमंत्री ने इन्हीं छात्रों को कभी यह नहीं बताया कि यदि आपकी जी तोड़ मेहनत के बाद परीक्षा के पर्चे लीक हो जाये व परीक्षा ही स्थगित कर दी जाये तो आखिर छात्रों को ऐसे सदमे से कैसे उबरना चाहिये. और जो छात्र इस कुप्रबंधन का शिकार होकर किसी कारणवश पुनः परीक्षा में बैठने योग्य न रह सके और इसी कारण उसका जीवन व भविष्य चौपट हो जाये उस छात्र को उसके अभिभावकों को या फिर सरकार अथवा इस दुर्व्यवस्था के ज़िम्मेदारों को क्या करना चाहिये ? हालांकि प्रधानमंत्री मोदी पेपर लीक के मुद्दे पर जुलाई 2024 में संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपना आधिकारिक बयान दे चुके हैं. उन्होंने संसद में देश के हर छात्र और नौजवान को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि सरकार परीक्षाओं में होने वाली ऐसी गड़बड़ियों और पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है. उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी आरोपी या माफ़िया को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा और उन्हें सख़्त से सख़्त सज़ा दी जाएगी. प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रणाली को पूरी सिस्टम को पुख़्ता व पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा युद्ध स्तर पर क़दम उठाने की बात कही थी. परन्तु आश्चर्य की बात तो यह है कि प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भी पेपर लीक की घटना समाप्त नहीं हुई है. अभी इसी मई 2026 में आयोजित हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक विवादों और धांधली की शिकायतों के बाद सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया है और अब इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई है. इस परीक्षा में 22,05,035 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे. आज इन 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है. पेपर लीक और उसे रद्द किए जाने से उपजे मानसिक तनाव के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों से कम से कम 4 छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की दुखद खबरें सामने आई हैं. इनमें एक छात्र प्रदीप मेघवाल (उम्र 22 वर्ष) राजस्थान के झुंझुनूं ज़िले का था जबकि ऋतिक मिश्रा (उम्र 21 वर्ष) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का निवासी था. परीक्षा रद्द होने की ख़बर से वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गया था. इसी तरह 20 वर्षीय अंशिका दिल्ली के आज़ादपुर (आदर्श नगर) इलाक़े की रहने वाली थी. जबकि 17 वर्षीय सिद्धांत हेगड़े दक्षिण गोवा के कर्टोरिम का रहने वाला था. हेगड़े पेपर लीक की घटना से इतना आहत था कि उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अब और प्रतियोगी परीक्षाएं नहीं देना चाहता. एक तरफ़ तो नीट पेपर लीक के चलते 22 लाख से अधिक मेधावी छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है साथ ही देश में गत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, तो दूसरी तरफ़ लाखों रुपये ख़र्च कर अयोग्य व निठल्ले लोग डॉक्टर्स की फ़र्ज़ी डिग्री लेकर मरीज़ों की जान से खिलवाड़ करते फिर रहे हैं. पिछले दिनों भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के दमोह ज़िले से पुलिस ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे सरकारी संजीवनी क्लीनिकों में एमबीबीएस की फ़र्ज़ी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे 3 नक़ली डॉक्टरों को गिरफ़्तार किया. ग्वालियर निवासी कुमार सानू प्रजापति, देवेंद्र चौधरी और जबलपुर के पल्लव जैन ने गिरफ़्तारी के बाद पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी एमबीबीएस की डिग्रियां और मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट 8,00,000 से 10,00,000 तक में ख़रीदे थे. दमोह के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जब दस्तावेज़ों का वेरिफिकेशन कराया गया, तो डिग्री और रजिस्ट्रेशन नंबर पूरी तरह फ़र्ज़ी पाए गए. सवाल यह है कि जब नीट जैसी अति महत्वपूर्ण परीक्षा के इतिहास में अब तक 5 बार बड़े स्तर पर पेपर लीक और धांधली के गंभीर मामले सामने आ चुके हों जिनकी आधिकारिक जांच या अदालती कार्यवाही भी हुई हो. इसके अतिरिक्त पिछले कुछ वर्षों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हों जिससे करोड़ों मेधावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है उधर 8 -10 लाख रुपये में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की जा रही हो ऐसे में भारत में विद्या व विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में आसानी से सोचा जा सकता है.

इंडो-भूमध्यसागरीय क्षेत्र हेतु एक रणनीतिक साझेदारी

नरेन्द्र मोदी – जॉर्जिया मेलोनी

हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत व इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है. इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि–खाद्य क्षेत्र और पर्यटन आदि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा.

भारत और इटली के संबंध अब निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं. हाल के वर्षों में इन रिश्तों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है. यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता-लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं. बदलाव के दौर से गुजरती दुनिया में इटली व भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है. यह संबंध अब उस व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों की सभ्यतागत विरासत शामिल है. हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि-सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें. इसी उद्देश्य से हमने विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने का संकल्प लिया है, ताकि बेहतर उपयोग हो सके. हम इटली की डिजाइन क्षमता, विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक-जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है-को भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, व्यापक क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं. यह ऐसा साझा मूल्य निर्माण है, जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को अधिक मजबूत बनाती हैं. यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार व निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है. हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत व इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है. इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन आदि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा. उत्कृष्टता का प्रतीक 'मेड इन इटली' और आज इसका स्वाभाविक तालमेल 'मेक इन इंडिया' पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है. इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि व इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी, जो अब दोनों पक्षों को मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, सकारात्मक संकेत है. यह सप्लाई चेन के एकीकरण को मजबूत करेगी. तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है. आने वाले दशकों में दुनिया बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी. भारत का तेज़ी से बढ़ता नवाचार तंत्र, कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता-इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है. दोनों देशों के वि.वि. शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी इसे मजबूती देगी. भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है. विशेष रूप से एआई आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है. इटली और भारत सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव-केंद्रित हो. भारत-इटली एआई को समावेशी विकास का सशक्त माध्यम मानते हैं. डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सरल, बहुभाषी तकनीकों के माध्यम से एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है. भारत के मानव विज़न यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव-केंद्रित 'एल्गोर-एथिक्स' की अवधारणा, जो मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई सामाजिक सशक्तीकरण का माध्यम बने. हमारा दृष्टिकोण भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके. सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके. यही सोच इटली की जी-7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है. यह बताना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है. इसका उपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप हेतु न हो. अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है. इटली और भारत रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तकनीकों आदि में सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं. हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आतंकवाद, अंतर्राष्ट्रीय अपराध नेटवर्क, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध व मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के खिलाफ मजबूती बढ़ाएगा. दुनिया में ऊर्जा के विविध स्रोतों की ओर बढ़ रहे बदलाव के लिए नवाचार, निवेश और सहयोग की आवश्यकता है. भारत और इटली नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर हाइड्रोजन तकनीक व स्मार्ट ग्रिड से लेकर मजबूत बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं. ग्रीन हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने की भारत की पहल अपार संभावनाएं रखती है. यह इटली की नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना में उन्नत तकनीक और यूरोप के लिए ऊर्जा प्रवेश द्वार के रूप में उसकी रणनीतिक भूमिका के साथ पूरी तरह मेल खाती है. भारत की अगुवाई वाली प्रमुख पहलों-अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस में हमारा सहयोग भी महत्वपूर्ण है. भारत और इटली दोनों वैश्विक अर्थव्यवस्था के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों-इंडो-पैसिफिक और भूमध्यसागर के केंद्र में स्थित हैं. दरअसल, हम एक नए 'इंडो-मैडिटेरेनियन' क्षेत्र के उभरने को देख रहे हैं, जो व्यापार, तकनीक, ऊर्जा, डेटा और विचारों का एक महत्वपूर्ण गलियारा बन रहा है और हिंद महासागर को यूरोप से जोड़ता है. यह ऐसी साझेदारी है, जो दो महाद्वीपों को जोड़ती है. भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा एक ऐसी दूरदर्शी योजना है, जिसका उद्देश्य आधुनिक परिवहन और बुनियादी ढांचे, डिजिटल नेटवर्क, ऊर्जा प्रणालियों व मजबूत सप्लाई चेन के माध्यम से हमारे क्षेत्रों को जोड़ना है. हम अपनी साझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के गहरे संबंधों और लंबे सांस्कृतिक जुड़ाव के आधार पर कर सकते हैं. भारतीय संस्कृति में 'धर्म' का विचार उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है, जो हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करता है. वहीं 'वसुधैव कुटुंबकम' का सिद्धांत डिजिटल युग में और अधिक प्रासंगिक है. ये मूल्य इटली की मानवतावादी परंपरा से भी मेल खाते हैं, जिसकी जड़ें पुनर्जागरण काल में हैं. यह परंपरा हर व्यक्ति की गरिमा और संस्कृति की उस शक्ति पर जोर देती है, जो समाजों और लोगों को एकजुट कर सकती है. इसलिए हमारी साझा दृष्टि का उद्देश्य लोगों को केंद्र में रखते हुए इस साझेदारी को मजबूत, आधुनिक और भविष्य उन्मुख आधार प्रदान करना है.

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

ग्रेट निकोबार : क्या राष्ट्रहित से ऊपर है कांग्रेस की राजनीति

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, तब देश को मजबूत सामरिक ढांचा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक व्यापारिक क्षमता की भी आवश्यकता है. हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को अपने समुद्री हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना समय की मांग है. ऐसे समय में ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के सामरिक, आर्थिक और वैश्विक भविष्य की आधारशिला है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस इस परियोजना का लगातार विरोध कर रही है. वस्तुत: कभी पर्यावरण के नाम पर, कभी आदिवासी हितों के नाम पर और अब राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर प्रश्न उठाकर कांग्रेस ऐसे प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश कर रही है, जो भविष्य में भारत को समुद्री शक्ति, व्यापारिक आत्मनिर्भरता और सामरिक मजबूती प्रदान करने का कारण बनेगा. सवाल यह है कि क्या वास्तव में कांग्रेस को पर्यावरण और जनजातीय समाज की इतनी चिंता है या फिर यह मोदी सरकार का विरोध करने की योजनाबद्ध मानसिकता है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर ग्रेट निकोबार परियोजना के मौजूदा स्वरूप पर पुनर्विचार की मांग की है. उनका तर्क है कि ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और टाउनशिप जैसी योजनाएं सैन्य क्षमता नहीं बढ़ातीं और पर्यावरण तथा आदिवासी समुदायों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं. ऐसे में यहां स्वभाविक प्रश्न उभरता है कि यदि कांग्रेस को विकास परियोजनाओं से इतना ही परहेज है, तब अपने दशकों लंबे शासनकाल में उसने देशभर में हजारों बड़े बांध, बंदरगाह, औद्योगिक कॉरिडोर, राजमार्ग और शहरी परियोजनाएं क्यों शुरू कीं? क्या तब पर्यावरण और जनजातीय हित याद नहीं आए? क्या उस समय पर्यावरण का नुकसान नहीं हो रहा था? असल सच्चाई यह है कि कांग्रेस का यह विरोध सिद्धांत आधारित न होकर सिर्फ राजनीति से प्रेरित है. यदि यही परियोजना कांग्रेस सरकार लेकर आती, तो वही नेता इसे भारत के भविष्य का द्वार बताते. ग्रेट निकोबार द्वीप की स्थिति हिंद महासागर क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है. यह पूर्व-पश्चिम अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग से मात्र लगभग 40 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है. दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक के इतना निकट होना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अमूल्य अवसर है. आज भारत का बड़ा हिस्सा विदेशी ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों जैसे कोलंबो, सिंगापुर और क्लांग पर निर्भर है. इसका सीधा अर्थ है कि भारत का व्यापारिक और सामरिक हित दूसरे देशों की बंदरगाह नीतियों पर निर्भर रहता है. ग्रेट निकोबार परियोजना इस निर्भरता को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम है. हमें समझना होगा कि 14.2 मिलियन टीईयू क्षमता वाला इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल भारत को समुद्री व्यापार में आत्मनिर्भर बनाएगा. यह आर्थिक परियोजना होने के साथ चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता के सामने भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने वाला कदम है. क्या कांग्रेस को दिखाई नहीं देता कि भारत के पड़ौसी देश अपनी सामरिक शक्ति एवं अन्य शक्तियां बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं? जब चीन हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार अपने बंदरगाह नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, तब भारत यदि अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाता है तो कांग्रेस को इसमें समस्या क्यों दिखाई देती है? कांग्रेस का कहना है कि केवल आईएनएस बाज या अन्य सैन्य परिसंपत्तियों के विस्तार से काम चल सकता है. लेकिन क्या भारत जैसे विशाल और उभरते हुए राष्ट्र को केवल काम चलाने वाली मानसिकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए? उम्मीद से अधिक नहीं किंतु यह तो कांग्रेस समझ ही सकती है कि 150 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है. यदि भारत को वैश्विक व्यापार, नौसैनिक शक्ति और समुद्री रणनीति में अग्रणी बनना है, तो उसे विश्वस्तरीय बंदरगाह, एयरपोर्ट और आधुनिक शहरी ढांचे की आवश्यकता होगी. कांग्रेस शायद यह भूल रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सैन्य अड्डों के साथ ही मजबूत आर्थिक और लॉजिस्टिक क्षमता से भी सुनिश्चित होती है. ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट और टाउनशिप, ये सभी मिलकर भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थायी रणनीतिक बढ़त दिलाएंगे. कांग्रेस लगातार यह प्रचारित करने की कोशिश कर रही है कि इस परियोजना से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान होगा किंतु वास्तविकता इससे भिन्न है. यह परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना 2019 के तहत सभी आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरियां प्राप्त कर चुकी है. इसके लिए विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन किया गया है, जिसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय विज्ञान संस्थान, वन्यजीव संस्थान और सैकॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने अध्ययन किया है. परियोजना के अंतर्गत 42 अनिवार्य पर्यावरणीय शर्तें लागू की गई हैं. द्वीप के केवल 1.82 प्रतिशत वन क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा और इसके बदले 97.30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में क्षतिपूर्ति वनीकरण किया जाएगा. इतना ही नहीं, 65.99 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ग्रीन जोन के रूप में संरक्षित रखा जाएगा, जहां एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा. क्या कांग्रेस यह बताना चाहेगी कि उसके शासनकाल में बनी परियोजनाओं में इतने व्यापक पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधान कितनी बार देखने को मिले थे? कांग्रेस यह आरोप लगा रही है कि परियोजना से शोंपेन और निकोबारी समुदाय प्रभावित होंगे किंतु सही तथ्य यह है कि परियोजना में किसी भी जनजातीय समुदाय के विस्थापन का प्रस्ताव नहीं है. परियोजना के अंतर्गत जनजातीय आरक्षित क्षेत्र में शुद्ध वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है. 73.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को डी-नोटिफाई करने के बदले 76.98 वर्ग किलोमीटर नई भूमि को पुनः जनजातीय आरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा रहा है. यानी कुल आरक्षित क्षेत्र में वृद्धि होगी. इसके अतिरिक्त, जनजातीय हितों की निगरानी के लिए स्वतंत्र समितियां गठित की गई हैं और जनजातीय कार्य मंत्रालय, एएजेवीएस तथा भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण जैसे संस्थानों से विस्तृत परामर्श किया गया है. यदि वास्तव में सरकार आदिवासी विरोधी होती, तब क्या इतनी संवेदनशील और निगरानी आधारित व्यवस्था तैयार की जाती? आज विश्व तेजी से बदल रहा है. समुद्री व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और सामरिक समुद्री मार्ग आने वाले दशकों की शक्ति का निर्धारण करेंगे. भारत यदि इस दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए, न कि राजनीतिक विरोध. मोदी सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि भारत को आत्मनिर्भर, सामरिक रूप से मजबूत और आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाना है. ग्रेट निकोबार परियोजना उसी दृष्टि का हिस्सा है. वस्तुत: आज ग्रेट निकोबार परियोजना यह सिद्ध करती है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं. आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक मूल्यांकन और चरणबद्ध विकास के माध्यम से दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है. गैस और सौर ऊर्जा आधारित हाइब्रिड पावर प्लांट, पर्यावरण प्रबंधन योजना, आपदा प्रबंधन ढांचा और जैव विविधता संरक्षण उपाय यह दर्शाते हैं कि सरकार दीर्घकालिक सतत विकास की सोच के साथ आगे बढ़ रही है. ऐसे में कहना यही होगा कि ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के भविष्य की परियोजना है. यह सिर्फ एक बंदरगाह या एयरपोर्ट का निर्माण नहीं हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है. कांग्रेस यदि वास्तव में राष्ट्रहित की राजनीति करना चाहती है तो उसे हर राष्ट्रीय परियोजना का अंधा विरोध बंद कर देना चाहिए. ध्यान रहे- आलोचना होनी चाहिए, सुझाव भी दिए जाने चाहिए पर विकास को रोकने और देश को कमजोर करने वाली मानसिकता किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती. भारत अब 20वीं सदी की सोच से आगे निकल चुका है. यह नया भारत है, जो पर्यावरण का संरक्षण भी करना जानता है, आदिवासी हितों का सम्मान भी करता है और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता भी देता है. स्वभाविक है कि ग्रेट निकोबार परियोजना इसी नए भारत की महत्वाकांक्षा, क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जिसे हर हाल में पूरा होना ही चाहिए, इसी में हम सभी भारतीयों का हित निहित है.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 21 मई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 21 मई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह बृहस्पति है. इस माह का अधिपति ग्रह शुक्र है. आप शुक्र एवं बृहस्पति ग्रह के सम्मिलित प्रभाव में आजीवन रहेंगे. आपका व्यक्तित्व साहस व प्रतिभा से परिपूर्ण रहेगा. आप अपना काम निकलवाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे. आप किसी के अधीन रह कर कार्य नहीं करेंगे. और साथ ही निम्नस्तर का कार्य करना पसन्द नहीं करेंगे. आप कोई भी कार्य स्वतंत्र रूप से करना चाहेंगे. सामाजिक-राजनैतिक गतिविधियों में आप अधिक रूचि लेंगे. भोग विलासिता व मौज-मस्ती के निमित्त आप अधिक व्यय करेंगे. आप अपने जीवन में आर्थिक पक्ष को ज्यादा महत्व देंगे. आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा. आप ईष्यालु व स्वार्थी भी होंगे साथ ही कठोर अनुशासन प्रिय होंगे. आपका गृहस्थ जीवन मधुर रहेगा. धार्मिक अध्यात्मिक कृत्यों की ओर विशेष झुकाव रहेगा. साहसिक कार्यों एवं संगीत में भी आपकी रूचि होगी. आप सदैव कुछ न कुछ करते रहना पसन्द करेंगे. जीवन में अनुकूलता हेतु अपने इष्ट देवी देवता की आराधना करें. तन-मन-कर्म-वचन से सुचिता का धर्म अपनावें. अपने दैनिक जीवन में सफेद रंग का प्रयोग अधिकतम करें. बृहस्पतिग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान करें. समाज सेवा निष्काम भाव से करें. सुख-सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ बृं बृहस्पतये नम:	मास	:	मार्च, जुलाई एवं अक्टूबर
व्रत	:	बृहस्पतिवार	वर्ष	:	3, 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66
दिन	:	रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	3, 12, 21, 30	जन्मरत्न	:	पोखराज
अंक	:	1, 7	उपरत्न	:	सुनहला (गोल्डन टोपाज)

यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

वर्ष का महत्वपूर्ण समय–19 फरवरी से 20 मार्च, 21 नवम्बर से 20 दिसम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : आरोग्य सुख में कमी, मित्रों से गलतफहमियां, परिवार में अशांति, धन का अभाव, विशेष प्रयास के बावजूद आंशिक सफलता, सुख में कमी, आवागमन में प्रतिकूलता.

वृषभ : योजना साकार होने की ओर, विवादास्पद मसला हल होने को, मनोविनोद के अवसर, मांगलिक आयोजन सम्पादित, नवसम्पर्क का सुयोग, सामाजिक कृत्य.

मिथुन : बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता, उल्लास का वातावरण, सुसंदेश की प्राप्ति, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि, मेल-मिलाप में रुचि, दूर या समीप की यात्रा का प्रसंग.

कर्क : निराशा का समापन, जनसम्पर्क का सुयोग, कुछेक मसला हल, नवीन योजना का श्रीगणेश, धनागम का मार्ग प्रशस्त, अधिकारी वर्ग से अनुकूलता, शांति भी.

सिंह : समस्याओं से चिन्ता, स्वास्थ्य में शिथिलता, व्यवसाय में असफलता, आपसी सम्बन्धों में कटुता, दाम्पत्य जीवन में असन्तोष, जोखिम से नुकसान, हानि संभव.

कन्या : आर्थिक उन्नति, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, अधूरे या नवकार्य प्रगति की ओर, कुछेक समस्याएं सुलझने की ओर, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ.

तुला : ग्रहयोग बेहतर, भावी योजना पर मित्रों से विचार-विमर्श, व्यक्तित्व का विकास, विवादास्पद मसला सुलझने की ओर, यश-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा का प्रसंग.

वृश्चिक : अभीष्ट कार्यों में सिद्धि, सुसंदेश की प्राप्ति, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, साहसिक प्रयास प्रगति पर, विवाद की निवृत्ति, मनोविनोद के सुअवसर, लाभ भी.

धनु : पारिवारिक उलझनें, कार्यों में असफलता की स्थिति, लाभार्जन में व्यवधान, निजी इच्छा की पूर्ति में व्यवधान, अनावश्यक व्यय, यात्रा कष्टकर, विरोधियों से परेशानी.

मकर : समय संतोषजनक, स्वजनों से विचार विनिमय, नौकरी में प्रोन्नति, मान-सम्मान में वृद्धि, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त, पारिवारिक खुशी.

कुम्भः कठिनाइयों का निवारण, स्वयं का निर्णय हितकर, मनोविनोद के सुअवसर, दूर या समीप की यात्रा का प्रसंग, अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग, मन प्रसन्न.

मीनः ग्रहयोग बेहतर, मनोरथ पूर्ण, पुरुषार्थ से कार्य सिद्धि, समस्या का समाधान, सुख सुविधा में वृद्धि, सम्भावित यात्रा सुखद, स्वाध्याय की ओर रुझान, मानसिक राहत.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मेघालय में 13 देशों का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

गुवाहाटीः मेघालय में बुधवार को 13 देशों का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू हो गया, जिसमें आतंकवाद रोधी अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उमरोई सैन्य स्टेशन में 12 मित्र देशों - भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमा, नेपाल, फिलीपीन, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम की भागीदारी के साथ बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति 2026' की शुरुआत हुई. दो सप्ताह तक जारी रहने वाले इस अभ्यास में अर्ध-पर्वतीय और जंगली क्षेत्रों में आतंकवाद रोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त योजना अभ्यास, सामरिक स्तर के अभ्यास और समन्वित अभियान शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य सैनिकों की अनुकूलन क्षमता, धैर्य और सामरिक दक्षता में सुधार करना है. चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते समय शारीरिक अनुकूलता, अनुशासन और समन्वय पर जोर दिया जाएगा.

अब यूएवी से दागी जा सकेगी निर्देशित मिसाइल, डीआरडीओ ने पूरे किये परीक्षण

आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास डीआरडीओ परीक्षण रेंज में यह उपलब्धि हासिल हुई

नई दिल्लीः भारत अब मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) से सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 प्रक्षेपित करके दुश्मन के ड्रोन, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है. आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास स्थित डीआरडीओ परीक्षण रेंज में हुए अंतिम विकास परीक्षण में यह उपलब्धि हासिल हुई है. डीआरडीओ ने हवा-से-सतह और हवा-से-हवा में मार करने की क्षमता वाले यूएवी से यह परीक्षण किये हैं.

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास स्थित डीआरडीओ परीक्षण रेंज में हवा-से-सतह और हवा-से-हवा में मार करने की क्षमता वाले मानव रहित हवाई वाहन से प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 के अंतिम परिशोधित विन्यास के विकास परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं. ये परीक्षण एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) के माध्यम से संचालित किए गए, जिसका उद्देश्य यूएलपीजीएम हथियार प्रणाली का प्रभावी कमांड एवं नियंत्रण सुनिश्चित करना था. ₹

यह जीसीएस प्रणाली अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है, जो तत्परता, लक्ष्य निर्धारण और प्रक्षेपण प्रक्रियाओं को स्वचालित बनाकर मिशन की दक्षता और सटीकता को बढ़ाती है. डीआरडीओ ने मिसाइलों के विकास और उत्पादन के लिए हैदराबाद स्थित भारत डायनामिक्स लिमिटेड और हैदराबाद स्थित अडाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड नामक दो उत्पादन एजेंसियों के साथ साझेदारी की है. वर्तमान परीक्षणों के लिए इस प्रणाली को बेंगलुरु स्थित न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित यूएवी में एकीकृत किया गया है. यूएलपीजीएम मिसाइल को हैदराबाद स्थित इमारत अनुसंधान केंद्र द्वारा नोडल प्रयोगशाला के रूप में अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं जैसे कि हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ स्थित और पुणे स्थित उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) के साथ मिलकर विकसित किया गया है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा उत्पादन भागीदारों और उद्योग जगत को यूएलपीजीएम-वी3 के सफल परीक्षणों के लिए बधाई दी. उन्होंने कहा कि टैंक रोधी भूमिका के लिए हवा-से-सतह तथा ड्रोन, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई लक्ष्यों पर हमले के लिए हवा-से-हवा मोड में इसकी सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक उपलब्धि है. रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने परीक्षणों से जुड़ी सभी टीमों को इस सराहनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी.

सड़कों पर नमाज इबादत नहीं, शक्ति प्रदर्शन, राज्य सरकारें इसपर रोके लगायें : विहिप

नई दिल्लीः विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सड़कों पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सार्वजनिक और कानून व्यवस्था से जुड़ा विषय बताया है. संगठन का कहना है कि यह इबादत नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन का तरीका है और राज्य सरकारों को इसपर रोक लगानी चाहिए.

विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि सड़कों पर नमाज, नमाज नहीं फसाद है. यह केवल संविधान विरोधी ही नहीं है अपितु, मानवता और इस्लाम विरोधी भी है. इसके दुष्परिणामों को देखते हुए ही सात उच्च न्यायालयों ने सड़कों पर नमाज रोकने के आदेश दिए हैं. उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय भी ऐसे संकेत दे चुकी है. इसका अर्थ है सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद न्यायपालिका की अवमानना भी है.

उन्होंने आगे कहा कि यह केवल 5 मिनट का मामला नहीं है. दिल्ली के सभी महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर घंटे ट्रेन बाधित हो जाती थी, जब पटरियों पर बैठकर नमाज पढ़ी जाती थी. गुरुग्राम से गुजरने वाले जयपुर हाईवे पर 8-8 घंटे ट्रैफिक जाम होता था. स्कूल बसें जाम में फंस जाती थी. मासूम बच्चे बिलखते रहते थे. एंबुलेंस के फंसने के कारण मरीजों की जान पर भी बन जाती थी लेकिन, किसी नमाज़ी का दिल नहीं पिघलता था.

डॉ जैन ने कहा कि कई हदीसों में भी सड़क पर नमाज पढ़ने के लिए मना किया है. इसलिए कई मुस्लिम देशों में भी इस पर प्रतिबंध है. किसी भी सभ्य समाज में इसको अनुमति नहीं दी जा सकती. उन्होंने पूछा कि भारत में वे यह जिद क्यों करना चाहते हैं? वे कहते हैं कि हमें मस्जिदों में जगह नहीं मिलती तो हम सड़क पर उतरते हैं. जब गुरुग्राम में 38 जगह सड़के रोक कर नमाज पढ़ी जाती थी तब, समाज को गुस्सा आया और इसे रोकने के लिए आंदोलन हुए. उस समय मीडिया ने दिखाया था कि गुरुग्राम से 40 किलोमीटर दूर से ट्रकों में चटाइयां लाई जा रही हैं, लोग लाए जा रहे हैं. रास्ते में पड़ने वाली बीसियों मस्जिदें खाली रहती थीं.

उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि यह तर्क केवल धोखा देने की कोशिश के अलावा कुछ नहीं है. वास्तव में तो यह एक शक्ति प्रदर्शन है. वे प्रशासन और हिंदू समाज को अपना संख्या बल दिखाकर आतंकित करना चाहते हैं. विश्व हिंदू परिषद सभी राज्य सरकारों से अपील करती है कि वे सख्ती से सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगा न्यायपालिका और संविधान का पालन करने के लिए सबको प्रेरित करें. किसी भी तरह से सड़क पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती. मुल्ला - मौलवियों को भी चाहिए कि वे मुस्लिम समाज को कानून का पालन करने की प्रेरणा दें, ना कि उन्हें आतंकवाद के एक और मार्ग पर धकेलें.

मोदी सरकार की मंत्रिपरिषद आज करेगी बैठक

नई दिल्लीः नरेन्द्र मोदी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक गुरुवार को होगी और इस दौरान विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज, लिए गए प्रमुख निर्णयों और उनके परिणामों तथा भविष्य की योजनाओं सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी. आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य राज्य मंत्री शामिल होंगे. मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच, यह इस साल मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी.

सूत्रों ने बताया कि बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कामकाज, हाल ही में लिए गए प्रमुख निर्णयों और उनके परिणामों तथा भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की जाएगी.

सूत्रों ने बताया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के विभिन्न पहलुओं, उन्हें अधिकतम सफलता के लिए कैसे लागू किया जाए और अन्य विषयों की भी समीक्षा किए जाने की उम्मीद है. प्रधानमंत्री पश्चिम एशिया में जारी संकट और उसके आर्थिक प्रभावों का जिक्र कर सकते हैं, और मंत्रालयों एवं विभागों को नागरिकों को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए आवश्यक दिशानिर्देश दे सकते हैं.

सूत्रों के अनुसार, बैठक में ऊर्जा, कृषि, उर्वरक, विमानन, जहाजरानी और रसद जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है. पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के तुरंत बाद, मोदी ने सभी संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिया था कि नागरिकों और युद्ध के कारण प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएं. सूत्रों के मुताबिक, बैठक में आम जनता के लाभ के लिए सभी क्षेत्रों में सुधार लाने की सरकार की प्राथमिकता पर भी चर्चा होने की संभावना है.

जनगणना के दौरान जातिगत गणना को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने जाति आधारित जनगणना कराने संबंधी केंद्र सरकार के निर्णय को चुनौती देने वाली जनहित याचिका बुधवार को खारिज कर दी और कहा कि यह मुद्दा नीतिगत दायरे में आता है. कोर्ट ने कहा कि सरकार को कल्याणकारी उपाय करने के लिए पिछड़ी जातियों से संबंधित व्यक्तियों की संख्या जानना आवश्यक है. प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता सुधाकर गुम्मुला की दलीलों से असहमति जताई. गुम्मुला दलीलें पेश करने के लिए खुद उपस्थित थे और उन्होंने कहा कि सरकार के पास जातिगत विवरणों से संबंधित पर्याप्त जानकारी और आंकड़े उपलब्ध हैं. प्रधान न्यायाधीश ने जनहित याचिका खारिज करते हुए कहा, जनगणना जाति आधारित होनी चाहिए या नहीं, ये सभी नीतिगत मामले हैं.

हाई कोर्ट ने खारिज की केजरीवाल, सिसोदिया और पाठक को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने की याचिका

नई दिल्लीः दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आआपा) और उसके नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है. मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका खारिज करने का आदेश जारी किया. याचिका सतीश कुमार अग्रवाल ने दायर की थी. याचिका में आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने की मांग की गई थी. याचिका में कहा गया था कि तीनों नेताओं ने दिल्ली आबकारी मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से जमानत के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के समक्ष सुनवाई में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया. ऐसा कर तीनों नेताओं ने जस्टिस शर्मा को बदनाम करने की कोशिश की है.

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि क्या आप ये चाहते हैं कि हम निर्वाचन आयोग को ये निर्देश दें कि वो आम आदमी पार्टी की मान्यता राजनीतिक दल के रुप में समाप्त कर दे. क्या राजनीतिक दल की मान्यता समाप्त करने का कोई प्रावधान है. तब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून में ऐसा प्रावधान नहीं है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि तीन अपवादस्वरुप स्थिति में राजनीतिक दल की मान्यता खत्म की जा सकती है. तब कोर्ट ने कहा कि पहली दो स्थितियों के अंतर्गत ये मामला नहीं आता है. तीसरी स्थिति तब आती है जब किसी राजनीतिक दल को यूएपीए या ऐसी ही किसी वजह से गैरकानूनी करार दिया जाए. तीसरी स्थिति में राजनीतिक दल की मान्यता रद्द की जा सकती है. क्या आम आदमी पार्टी तीसरी स्थिति के तहत आती है. तब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि नहीं. याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के फैसले को आधार बनाया है. तब कोर्ट ने कहा कि पहले आप स्थापित करें कि किसी कोर्ट के आदेश के बाद क्या निर्वाचन आयोग किसी पार्टी की मान्यता रद्द कर सकता है. तब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अगर उन्हें भारतीय संविधान में भरोसा नहीं है तो वे चुनाव नहीं लड़ सकते हैं. याचिकाकर्ता ने कहा कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने न्यायपालिका को बदनाम करने की कोशिश की. तब कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति न्यायपालिका को बदनाम करने की कोशिश करता है तो कोर्ट की अवमानना का कानून है.

मणिपुर में लोगों से हथियार वापस लेना अत्यंत आवश्यक : मुख्यमंत्री

इंफालः मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को कहा कि राज्य के सभी हिस्सों में लोगों से हथियार वापस लेना अत्यंत आवश्यक है. एक सरकारी बयान के अनुसार सिंह ने यह टिप्पणी उखरुल जिले के सिनाकेइथेई गांव से आये तंगखुल नगा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल से भेंट के दौरान की. प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री से गांव में पुलिस तैनात करने की अपील की. प्रतिनिधिमंडल के साथ, सत्तारूढ़ भाजपा के सहयोगी दल नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के उखरुल विधायक राम मुइवा भी थे. ग्रामीणों ने इलाके में उचित सुरक्षा, सिनाकेइथेई थाने में पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती और उप-संभागीय अधिकारी (एसडीसी) कार्यालय के सुचारू संचालन की मांग की. इस साल फरवरी से कुकी और तंगखुल नगाओं के बीच हुई झड़पों के बाद सिनाकेइथेई में गोलीबारी की कई घटनाएं हुई हैं.

न्यूज कॉर्नर

मैं ट्रंप से कहूंगा कि अब भी ताइवान को अमेरिका से हथियार खरीद की उम्मीद : राष्ट्रपति लाई

ताइपेः ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने बुधवार को कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहेंगे कि उनका देश अब भी अमेरिका से हथियारों की खरीद जारी रहने की उम्मीद कर रहा है, जो शांति के लिए आवश्यक है. उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि द्वीप का भविष्य बाहरी ताकतों द्वारा तय नहीं किया जाएगा. लाई अपने कार्यकाल का आधा वक्त अर्थात दो साल पूरे कर रहे हैं और उन पर चीन का दबाव बढ़ता जा रहा है. चीन, ताइवान को अपना अलग हुआ प्रांत मानता है और दावा करता है कि आवश्यक हुआ तो वह बलपूर्वक इस द्वीप का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकता है. ताइवान पर ट्रंप के हालिया बयान ने औपचारिक राजनयिक संबंधों के बिना भी इस द्वीप के लिए अमेरिका के पारंपरिक समर्थन के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं. लाई ने कहा कि अगर उन्हें ट्रंप से बात करने का मौका मिलता है, तो वह रेखांकित करेंगे कि ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता वैश्विक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है. उन्होंने आरोप लगाया कि चीन जलडमरूमध्य की शांति का विध्वंसक है. उन्होंने कहा कि वह ट्रंप को बताएंगे कि ताइवान का बढ़ता रक्षा बजट खतरों का जवाब है और अमेरिकी हथियारों की खरीद जलडमरूमध्य की स्थिरता की रक्षा के लिए आवश्यक होगी. ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि उनका मानना है कि केवल ताकत ही शांति ला सकती है.लाई ने कहा कि वह प्रेस वार्ता में ट्रंप से कहेंगे, किसी भी देश को ताइवान पर कब्जा करने का अधिकार नहीं है. पिछले हफ्ते चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए बीजिंग शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप से कहा कि ताइवान का मुद्दा बीजिंग और वाशिंगटन के बीच संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि अगर इसका उचित समाधान नहीं किया गया तो दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष भी हो सकते हैं. दिसंबर में ट्रंप ने ताइवान को रिकॉर्ड 11 अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दी थी.

भूस्खलन के कारण केदारनाथ मार्ग पर फंसे दस हजार से अधिक श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला गया

देहरादूनः उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के बाद सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच मुनकटिया क्षेत्र में भूस्खलन होने से बीच रास्ते में फंस गए करीब 10 हजार श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाल लिया गया है. एसडीआरएफ ने बताया कि मंगलवार देर रात मुनकटिया में भूस्खलन होने से मुख्य सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए. सूचना मिलने पर एसडीआरएफ तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा रात्रि का समय, खराब मौसम, पहाड़ी से लगातार गिरता मलबा तथा यात्रियों की भारी भीड़ के कारण अत्यंत चुनौतीपूर्ण स्थिति में राहत और बचाव कार्य चलाया. एसडीआरएफ ने बताया कि टीमों ने सूझबूझ और धैर्य से सड़क के दूसरी ओर फंसे लगभग 10,450 श्रद्धालुओं को सुरक्षित तरीके से मार्ग पार कराया तथा बारिश और अंधेरे के बीच श्रद्धालुओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया. उसने बताया कि मार्ग पर आए मलबे को बचाव अभियान पूरा होने के बाद जेसीबी मशीनों की सहायता से हटाया गया और सड़क को सुचारु कर यातायात बहाल किया गया.

पुरी जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने फिरोजपुर में समय से पहले रथ यात्रा का विरोध किया

पुरीः ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के अधिकारियों ने पंजाब के फिरोजपुर स्थित एक मंदिर द्वारा समय से पहले रथ यात्रा आयोजित करने के फैसले का विरोध किया है. श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अरबिंद पाधी ने फिरोजपुर जिला प्रशासन से 23 मई को प्रस्तावित रथ यात्रा को रोकने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि यह शास्त्रों का उल्लंघन है, जिससे भक्तों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है. उन्होंने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 16 जुलाई को निकाली जाएगी.

फिरोजपुर की जिलाधिकारी दीपशिखा शर्मा को लिखे पत्र में एसजेटीए के मुख्य प्रशासक ने फिरोजपुर छावनी के जगन्नाथ मंदिर में अलग-अलग तारीखों पर रथ यात्रा आयोजित करने के मामले को संवेदनशील बताया. पाधी ने पत्र में कहा, भगवान श्री जगन्नाथ से जुड़ी 'तिथि' और स्थापित रीति-रिवाजों के अनुसार इस वर्ष रथ यात्रा 16 जुलाई को निकाली जानी है.

एसजेटीए ने यह भी कहा कि पुरी के गजपति महाराजा की अध्यक्षता में पुरी जगन्नाथ मंदिर की प्रबंध समिति द्वारा अपनाए गए प्रस्तावों के तहत उसने इस तरह के असमय अनुष्ठानों पर लगातार अपनी कड़ी आपत्ति व्यक्त की है.

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

हरिद्वारः उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूड़ी को बुधवार को हरिद्वार के खड़खड़ी श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. उनका सोमवार को देहरादून में निधन हो गया था. उनके पुत्र मनीष खंडूड़ी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की. स्वर्गीय खंडूड़ी की अंतिम यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा और हर वर्ग के लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. अंतिम संस्कार से पूर्व सेना व पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर दिवंगत नेता को अंतिम सलामी दी. श्रद्धांजलि देते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का जीवन सादगी, अनुशासन और ईमानदारी का उदाहरण रहे. उन्होंने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सेना अधिकारी के रूप में हर दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाया. सुशासन और लोकपाल जैसे महत्वपूर्ण विचारों को आगे बढ़ाने में उनका योगदान प्रेरणादायक रहा. धामी ने मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन को राज्य और देश के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने सेना, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री के रूप में शुचिता, पारदर्शिता और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट कार्य किए. वह हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे. उनकी कमी एक अभिभावक के रूप में हमेशा महसूस होगी. उनके द्वारा स्थापित आदर्श हमें हमेशा मार्गदर्शन देते रहेंगे.

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के नेतृत्व में हरिद्वार के संतों ने भी श्मशान घाट पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. दिवंगत खंडूरी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व मुख्यमंत्री तीर्थ सिंह रावत, सांसद अनिल बलूनी, सांसद अजय भट्ट, सांसद अजय टम्टा, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी.

यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए भारत के पास रूस पर दबाव बनाने की क्षमता है : एस्टोनिया

तल्लिनः एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस साकना ने कहा है कि भारत के पास यूक्रेन संघर्ष को समाप्त कराने के लिए रूस पर दबाव बनाने की क्षमता है और शांति लाने के प्रयासों में नयी दिल्ली एक बड़ी भूमिका निभा सकता है. लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अंततः रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अत्याचार रोकना होगा. साकना ने यह भी कहा कि एस्टोनिया 2027 में यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन का आयोजन करने वाला है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत भी युद्धग्रस्त देश के पुनर्निर्माण में भागीदार बन सकता है. क्षेत्र में शांति लाने में भारत की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि रूस चार वर्षों से अधिक समय से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है. उन्होंने कहा कि संघर्ष को समाप्त करने के लिए रूस पर अधिक दबाव डालने या उससे बातचीत करने के मामले में भारत के पास क्षमता है. उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, लेकिन सच कहूं तो, इस युद्ध को अभी समाप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही हैं. यूरोप और एस्टोनिया के लिए रूस एक सीधा खतरा है. हम यूरोप में कोई युद्ध नहीं चाहते, लेकिन दुर्भाग्य से, हमें (युद्ध) का सामना करना पड़ रहा है.

साकना ने कहा कि रूस पर अपना रुख और लक्ष्य बदलने के लिए किसी भी तरह का दबाव स्वागत योग्य होगा, क्योंकि यूक्रेन और यूरोप शांति चाहते हैं. यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस आयोजन में विश्व के नेता, दानदाता और निजी कंपनियां एक साथ आएंगी. यह दावा करते हुए कि यूक्रेन का पुनर्निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मार्शल योजना के बाद यूरोप की सबसे बड़ी परियोजना होगी, उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत भी इसमें शामिल होगा.

मार्शल योजना एक अमेरिकी पहल थी जिसे 1948 में पश्चिमी यूरोप को विदेशी सहायता प्रदान करने के लिए लागू किया गया था. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद, अमेरिका ने यूरोप के आर्थिक पुनरुद्धार कार्यक्रमों के तहत 17 यूरोपीय देशों को 13.3 अरब अमेरिकी डॉलर हस्तांतरित किए थे. एस्टोनिया आये भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बात करते हुए साकना ने दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की स्थिति अस्थिर है और मॉस्को पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई है. उन्होंने कहा, हमारे लिए रूस मुख्य सुरक्षा खतरा था, है और रहेगा, क्योंकि हम जानते हैं कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2008 में जॉर्जिया के खिलाफ यूरोप में युद्ध शुरू किया था तथा पश्चिमी दुनिया और वैश्विक स्तर पर इसकी प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी, इसलिए जॉर्जिया का 20 प्रतिशत हिस्सा अभी भी कब्जे में है.

चंद्रयान-3 के अध्ययन में चंद्रमा की सतह दो परतों वाले केक जैसी पाई गई : इसरो

नई दिल्लीः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि चंद्रमा की सतह केवल धूल की एक समान परत नहीं है, बल्कि यह 'केक जैसी' दो अलग-अलग परतों वाली संरचना है, जिसकी ऊपरी परत महज कुछ सेंटीमीटर मोटी है. इसरो के अनुसार, ये परतें दर्शाती हैं कि चंद्रमा की सतह पर चंद्र पपड़ी के ठोस बनने के बाद से सूक्ष्म उल्कापिंड लगातार गिरते रहे, जिससे सतह पर लगातार प्रहार हुए और टूट-फूट हुई. यह विश्लेषण 'फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी' के वैज्ञानिकों ने किया. यह अंतरिक्ष एवं संबद्ध विज्ञानों के लिए राष्ट्रीय शोध संस्थान है, जिसे मुख्य रूप से भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग का सहयोग प्राप्त है. अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने उस स्थान का परीक्षण किया, जहां चंद्रयान-3 का 'विक्रम' लैंडर दो सितंबर, 2023 को कुछ दूर तक उछला था. इसरो ने कहा, जब लैंडर के इंजन 'उछाल' के दौरान सक्रिय हुए, तब निकास गैसों ने ब्लोअर की तरह काम किया और ऊपर की तीन सेंटीमीटर धूल को हटा दिया. इससे नीचे मौजूद अधिक पुरानी और सघन चंद्र सतह उजागर हुई. अध्ययन में यह भी पाया गया कि सतह पर हल्की धूल है, लेकिन केवल 6.5 सेंटीमीटर की गहराई पर उसका घनत्व दोगुना और सघनता पांच गुना अधिक हो जाती है.

न्यूज कॉर्नर

प्रतिबंधित दवाओं का धंधा करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, एक करोड़ से अधिक के कैप्सूल जब्त

मुजफ्फरनगरः मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित दवाओं का कारोबार करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक करोड़ रुपये से अधिक के कैप्सूल जब्त किये हैं. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि खालापार थाना क्षेत्र में वाहनों के निरीक्षण के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर एक कार को रोका और उसकी तलाशी ली. उन्होंने बताया कि कार में 54 डिब्बों में रखे गए एक करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के 11 लाख से अधिक कैप्सूल मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया. कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार सवार तीन लोगों अश्वनी शर्मा, विनोद कुमार और यशपाल को गिरफ्तार कर लिया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि उनका गिरोह हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में नशे के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की आपूर्ति करता था.

दो दिनों से लापता छात्र का शव बरामद, हिरासत में दो दोस्त

अररियाः दो दिनों से लापता दसवीं कक्षा के छात्र विशाल कुमार का शव मजलिशपुर पंचायत के कुजरी बेलबाड़ी गांव के बांस की झाड़ी में बुधवार को संदिग्ध हालत में मिला. ऐसी आशंका है कि हत्या कर शव को बांस की झाड़ी में फेंक दिया गया था. छात्र विशाल कुमार 18 मई से ही लापता था. मामले में पुलिस ने मृतक के दो दोस्तों को हिरासत में लिया है. शुरुआती जांच में मोबाइल गेम को लेकर विवाद हत्या की वजह बताया जा रहा है. मृतक विशाल कुमार उच्च माध्यमिक विद्यालय करोड़ दिघली में 10वीं कक्षा का छात्र था. उसके पिता श्रीलाल महतो और बड़ा भाई मुंबई में मजदूरी करते हैं. घटना के बाद मां ममता देवी और बहन पूजा कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक की मां ममता देवी ने पलासी थाना में दिए आवेदन में बताया था कि 18 मई को स्कूल से घर लौटने के बाद विशाल अचानक लापता हो गया. काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला. इसी दौरान परिवार को फोन कर दो लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी.

पत्नी की हत्या कर शव के पास ही बैठा रहा पति

जमुईः बिहार के जमुई से एक खौफनाक खबर सामने आई है. यहां खैरा थाना क्षेत्र के एक गांव में घरेलू विवाद और अवैध संबंध के शक में एक पति ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी. यह पूरी घटना बुधवार तड़के सुबह करीब तीन बजे की बताई जा रही है. हैरानी की बात तो ये है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति भागने के बजाय कमरे में ही पत्नी के शव के पास बैठा रहा. आरोपी पति ने हंसुआ से गला रेतकर पत्नी की हत्या कर दी. सुबह होते ही जब इस घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इस बात की सूचना खैरा थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही खैरा थाना अध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से ही आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में आरोपी पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ अवैध संबंध था.

भाजपा आरक्षण व्यवस्था को कमजोर कर रही है : अखिलेश यादव

लखनऊः समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा सरकार पर संवैधानिक आरक्षण प्रणाली को कमजोर करने का आरोप लगाया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लोगों को संविधान के तहत गारंटीकृत अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर किया जा रहा है. यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए,'आरक्षण की लूट' से संबंधित 'पीडीए ऑडिट' नामक एक दस्तावेज जारी किया और कहा कि रिपोर्ट को अधिक डेटा और तथ्यों के साथ अद्यतन किया जाता रहेगा. उन्होंने कहा, पीडीए ऑडिट और आरक्षण की लूट पर इस दस्तावेज में सुधार जारी रहेगा और इसमें अधिक डेटा शामिल किया जाएगा. यादव ने जून 2023 में 'पीडीए' शब्द गढ़ा था जिसका उनके अनुसार अभिप्राय है ''पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक''. सपा प्रमुख ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर छात्रों और अभ्यर्थियों को संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है, तो यह समझा जाना चाहिए कि सरकार पक्षपाती है.

बिहार में 5 आईपीएस और 8 डीएसपी का तबादला

पटना : बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार बनने के बाद से लगातार ट्रांसफर का दौर जारी है. बुधवार को एक बार फिर से 5 आईपीएस अधिकारियों का तबादला हुआ है. इसके साथ ही आठ डीएसपी भी बदले गए हैं. 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय सिंह को अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) बनाया गया है. इसके साथ ही उन्हें अतिरिक्त प्रभार-अपर पुलिस महानिदेशक (बजट, अपील एवं कल्याण) दिया गया है. 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी आदित्य कुमार को समादेष्टा, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-14 बनाया गया है. इसके साथ ही उन्हें पुलिस अधीक्षक (ई0), अपराध अनुसंधान विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी आनंद कुमार को पुलिस उप-महानिरीक्षक (सुरक्षा) बनाया गया है. पुलिस उप महानिरीक्षक (विधि-व्यवस्था) का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है.

अलीगढ़ में पिता पर झूठी शान के लिए बेटी की हत्या करने का आरोप

अलीगढ़ः उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के अतरौली थाना क्षेत्र के एक गांव में झूठी शान की खातिर एक व्यक्ति ने अपनी 19 वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी और शव को एक खेत में दफना दिया. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना अतरौली थाना क्षेत्र के जर्रारा गांव में हुई. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मनीष मिश्रा ने संवाददाताओं को बताया कि पूरन सिंह ने पड़ोस के एक लड़के के साथ बेटी की दोस्ती पर आपत्ति जताने के बाद कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी, जिससे वह शादी करना चाहती थी. पुलिस के अनुसार, लड़की के लापता होने के बाद परिवार के सदस्यों ने अधिकारियों को सूचित किया और उसकी मां ने शिकायत दर्ज कराई. उसने बताया कि मंगलवार शाम पूछताछ के दौरान, आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया और पुलिस को उस स्थान पर ले गया जहां शव को दफनाया गया था.

बिहार में चुन-चुन कर अपराधियों को लंगड़ा कर रही पुलिस, तीसरे दिन समस्तीपुर में हाफ एनकाउंटर

समस्तीपुरः बिहार पुलिस चुन-चुन कर लगातार अपराधियों का एनकाउंटर कर रही है. लगातार तीसरे दिन बिहार में एनकाउंटर हुआ है. इस बार समस्तीपुर में पुलिस ने एक कुख्यात का हाफ एनकाउंटर कर दिया है. बदमाश का नाम प्रिंस बताया जा रहा है. पुलिस की गोली लगने से प्रिंस घायल हो गया है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि प्रिंस कुछ दिनों पहले उजियारपुर सराय रंजन और कल्याणपुर थाना इलाके में सीएसपी लूट और सड़क पर खुलेआम छिनतई के मामलों में शामिल था.

मंगलवार की रात उजियारपुर पुलिस को अपनी गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है. पुलिस को प्रिंस का लोकेशन भगवानपुर देसवा गांव में एक हाईस्कूल के पास मिला था. सूचना के आधार पर पुलिस उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंची थी. लेकिन की पुलिस के वाहन को देख बाइक से जा रहे प्रिंस ने अचानक पुलिस पर गोली चला दी. इसके बाद पुलिस ने भी मोर्चा संभाला. पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई. पुलिस की गोली प्रिंस के पांव में लगी और वो जख्मी हो गया. पुलिस ने प्रिंस को इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती करवाया है.

बिहार में 48 घंटे के अंदर यह चौथा एनकाउंटर हुआ है और अपराधी लंगड़ा बन गया है. पटना में मंगलवार को लगातार

दूसरे दिन पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई थी. इस दिन अहले सुबह गोपालपुर के उदयनी गांव के पास मुठभेड़ में कैश वैन से 27 लाख लूटने वाले अपराधी नीतीश कुमार के पैर में गोली लगी. जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. उसके तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया गया है. मौके से पांच लाख नकद, चार खोखे, एक कट्टा और बाइक बरामद हुए हैं. घायल अपराधी का एनएमसीएच में इलाज चल रहा है. इस लूटकांड का मास्टरमाइंड नीतीश था. पुलिस ने लूट के पांच लाख बरामद कर लिए हैं. जबकि, लूट के पैसे से खरीदे दो आईफोन भी जब्त किए हैं.

इससे पहले सोमवार को भी पटना पुलिस ने राजधानी के ट्रांसपोर्टनगर में मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली मारी थी. पुलिस ने टीचर से लूट के एक आरोपी संदीप उर्फ बादल का अगमकुआं इलाके के ट्रांसपोर्टनगर में हाफ एनकाउंटर किया थ. दरअसल पुलिस को उसके यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी थी. लेकिन पुलिस से बचने के लिए बादल ने पुलिस की टीम पर गोली चला दी थी. जिसके बाद मोर्चा संभालते हुए पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी थी. पुलिस ने इस मामले में प्रिंस नाम के एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया थ. इन अपराधियों ने 13 मई को लूटपाट का विरोध करने पर टीचर शंभू कुमार को गोली मार दी थी.

सोमवार को ही सीवान जिले के मैरवा इलाके में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान ज्वेलरी लूटकांड के आरोपी अंकित सिंह का हाफ एनकाउंटर कियाा था. अपराधी अंकित सिंह के बारे में यह जानकारी सामने आई थी कि वो जीरादेई थाना क्षत्र के जामापुर में कुछ वक्त पहले हुए आभूषण लूटपाट में शामिल था. पकड़े जाने के दिन पुलिस को पहले से सूचना मिली थी कि अंकित यूपी की तरफ से नौतन-बांका मोड़ होते हुए तितरा की ओर आ रहा था. इसके बाद पुलिस ने बेदौली छठ घाट पर उसे रोकने की कोशिश की थी लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी. जवाबी कार्रवाई में अंकित के पैरे में गोली लगी थी.

प्रश्न पत्र विवाद को लेकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी : वाराणसी के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में एमए-इतिहास के चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के प्रश्न पत्र में ब्राह्मणवाद से जुड़े प्रश्न को लेकर बुधवार को इतिहास विभाग के छात्रों ने प्रदर्शन किया. छात्रों का आरोप है कि प्रश्न की भाषा और विषय वस्तु विवादित है. छात्रों ने विश्वद्यालय प्रशासन से इस मामले में स्पष्टीकरण देने और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है. छात्रों ने बताया कि एमए इतिहास के चतुर्थ सेमेस्टर के प्रश्न पत्र में मंगलवार को एक सवाल पूछा गया कि ब्राह्मणवादी पितृ सत्ता शब्द से आप क्या समझते है ? उन्होंने बताया कि इसी प्रश्न के अगले हिस्से में यह भी पूछा गया, चर्चा कीजिये कि किस प्रकार ब्राह्मणवादी पितृ सत्ता ने प्राचीन भारत में महिलाओं की प्रगति में बाधा डाली. इस मामले की जानकारी मिलते ही ब्राह्मण समाज में खासा रोष उत्पन्न हो गया.

ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों का आरोप है कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय में जानबूझकर एक खास विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है और एक विशेष वर्ग को लगातार निशाना बनाने का प्रयास किया जा रहा है. कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने भी इस विवाद पर नाराजगी जताई और शिक्षा संस्थानों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के

हस्तक्षेप से मुक्त रखने की मांग की. उन्होंने एक बयान में कहा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय जैसे देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में एमए इतिहास की परीक्षा में ब्राह्मणवादी पितृसत्ता जैसे शब्दों को जिस प्रकार प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया गया है, उसने पूरे समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है.

राय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान में शिक्षण संस्थानों पर आरएसएस की विचारधारा थोपी जा रही हैं जो समाज में वैचारिक टकराव और जातीय विभाजन को बढ़ावा देती है. उन्होंने कहा कि वेदों, उपनिषदों, भारतीय दर्शन, संस्कृत साहित्य और शिक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने में ब्राह्मण समाज का ऐतिहासिक योगदान रहा है और ब्राह्मण समाज सदैव पूजनीय था, है और रहेगा. राय ने कहा कि किसी भी जाति को अपमानित करने या उसे संदेह के घेरे में खड़ा करने की मानसिकता भारतीय संस्कृति और संविधान दोनों के विरुद्ध है.

सम्राट कैबिनेट की बैठक में 13 प्रस्तावों पर मुहर आईजी बॉर्डर पद के सृजन को मिली स्वीकृति

पटना: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार शाम 4 बजे बिहार कैबिनेट की बैठक हुई. जहां कुल 13 महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगी है. वित्तीय वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के आलोक में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 747 करोड़ 97 लाख 64 हजार रुपये की बिहार आकस्मिकता निधि से अग्रिम स्वीकृति मिल गई है. मंत्रिपरिषद ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती सुरक्षा और सूचना तंत्र को और विकसित किए जाने के लिए विशेष शाखा के अधीन आईजी बॉर्डर के पद नाम से एक नए पद सृजन की स्वीकृति दे दी है.

सहरसा में मुख्यमंत्री विकास योजना अंतर्गत आउटडोर स्टेडियम के निर्माण के लिए खेल विभाग को 6.61 एकड़ जमीन निशुल्क हस्तांतरण की स्वीकृति मिल गई है. अरवल में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के भवन निर्माण के लिए 6.8 एकड़ जमीन खेल विभाग को निशुल्क हस्तांतरण की स्वीकृति मिली है. इसके साथ ही औरंगाबाद में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स देव के निर्माण के लिए खेल विभाग को निशुल्क हस्तांतरण की रजामंदी मिली है. गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से बैंकॉक (थाईलैंड) के सीधी उड़ान के लिए इंडिगो एयरलाइंस का चयन 10 करोड़ 40 लख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है. सीधी हवाई संपर्क

स्थापित होने से बिहार में विदेशी पर्यटक विशेष का बौद्ध प्रेतकों के आगमन की सुविधा में वृद्धि होगी. थाईलैंड से सालाना बड़ी तादाद में पर्यटक बौद्ध तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए भारत आते हैं, इससे बिहार में रोजगार सृजन भी होंगे. नालंदा में बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के तहत 960 चढझऊक्षमता के पार वाइल्ड राइस उत्पादन इकाई की स्थापना होगी. इसके लिए 88 करोड़ 18 लाख रुपये पूंजी निवेश की स्वीकृति मिली है. इससे 185 कुशल और अकुशल कामगारों का नियोजन हो सकेगा. वहीं, वामपंथी उग्रवादियों एसटीएफ में विशिष्ट दक्षता प्राप्त और सूचना संग्रहण इत्यादि में कौशल के आधार पर चिह्नित 50 दक्ष पुलिसकर्मियों को अधिकतम 15 वर्षों तक प्रतिनियुक्ति पर रखे जाने के लिए पुलिस महानिदेशक पटना को अधिकार देने को कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है.

अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में बियाडा द्वारा अधिग्रहण की जाने वाली 1300 एकड़ भूमि में से जल संसाधन विभाग को जलाशय निर्माण के लिए 324 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की स्वीकृति मिली है. 19 एमएलडी जल उपलब्धता हेतु 8.5 एमसीएम भंडारण क्षमता का जलाशय का निर्माण होगा.

शिक्षा के मंदिर में चल रहा था बालिग अपराधी को नाबालिग बनाने खेल, हेडमास्टर और शिक्षिका गिरफ्तार

पूर्वी चंपारणः जिले में शिक्षा के मंदिर (विधालय) में चल रहे एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है.जहां बालिग का उम्र घटाकर 'नाबालिग' (किशोर) बनाया जा रहा था,जिसका फायदा गंभीर अपराध में शामिल अपराधी उठा रहे थे. जिला किशोर न्याय परिषद ने इस फर्जीवाड़े का खुलासा किया है. इस मामले में मोतिहारी नगर थाना की पुलिस ने एक सरकारी स्कूल के हेडमास्टर और एक सहायक शिक्षिका को गिरफ्तार किया है,जिसके बाद जिले के शिक्षा जगत में हड़कंप मच गया है. मामला जिले के चिरैया प्रखंड के 'राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, परेवा का है,जहां इस स्कूल के हेडमास्टर और शिक्षिका ने मोटी रकम लेकर चिरैया थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुए एक लड़की के अपहरण और बाइक चोरी जैसे संगीन मामलों में परेवा गांव निवासी स्वर्गीय बिलट साह का पुत्र भोला कुमार उर्फ भोला साह को मोतिहारी सेन्ट्रल जेल से छुड़ाने और कोर्ट से जमानत दिलाने के लिए स्कूल से फर्जी प्रमाण पत्र जारी करवा दिया गया. इन लोगो ने उसकी जन्म तिथि 15 मई 2006 अंकित कर दी, ताकि वह

नाबालिग साबित हो सके.

किशोर न्याय परिषद के समक्ष जब अपराधी का कथित किशोर बताते हुए शपथ पत्र और स्कूल की नामांकन पंजी (एडमिशन रजिस्टर) प्रस्तुत की गई, तो बोर्ड ने संदेह के आधार पर स्कूल के प्रभारी हेडमास्टर द्वारा लाई गई नामांकन पंजी का गहराई से अवलोकन किया, तो कई चौंकाने वाले रहस्य सामने आए.

जांच में पाया गया कि उक्त नामांकन पंजी को वर्ष 2014 में ही 'लाल स्याही' चलाकर पूरी तरह क्लोज (बंद) कर दिया गया था. इसके बावजूद, इन लोगों ने क्लोज हो चुके रजिस्टर के अंत में स्याही बदलकर बैकडेट में तीन नए नामांकन दर्ज किए थे, जिसमें अपराधी भोला कुमार का नाम दूसरे नंबर पर चालाकी से जोड़ा गया था. वही दूसरी ओर अपराधी की शारीरिक बनावट और नामांकन पंजी की हेराफेरी में साफ भिन्नता दिखने पर इस फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ.जब इनलोगो से पूछताछ की गई तो शिक्षकों ने अपनी गलती को स्वीकार कर लिया. किशोर न्याय परिषद ने इसे न्याय व्यवस्था के साथ बड़ा खिलवाड़ मानते हुए बोर्ड के बेंच क्लर्क मोहम्मद शाहिद द्वारा मोतिहारी नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें कथित किशोर भोला कुमार, हेडमास्टर और प्रभारी हेडमास्टर को नामजद आरोपी बनाया गया.

प्राथमिकी दर्ज होते ही नगर थाना पुलिस ने स्कूल के हेडमास्टर सुबोध कुमार पाठक और इसी विद्यालय की सहायक शिक्षिका रिभा कुमारी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार, इन दोनों की मिलीभगत से ही इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया था. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इन शिक्षकों ने अन्य अपराधियों को भी नाबालिग होने का प्रमाण पत्र तो नही दिया है.

मुजफ्फरपुर में जमीन कारोबारी की हत्या, अपराधियों ने मारी 5 गोली

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने दिनदहाड़े जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. मामला मुसहरी थाना क्षेत्र के रोहुआ चौक स्थित बाबा मार्बल के पास का है. जहां बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर उसे मार डाला. मृतक की पहचान अंकित कुमार के रूप में हुई है, जो प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे. परिजनों ने बताया कि अंकित कुमार किसी काम से रोहुआ की ओर जा रहे थे. इसी दौरान पहले से पीछा कर रहे अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया और अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपराधियों ने करीब पांच राउंड फायरिंग की. गोली लगने से अंकित गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई. गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए लेकिन तब तक हमलावर

फरार हो चुके थे. इस सनसनीखेज वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बाइक सवार संदिग्धों की गतिविधियां कैद होने की बात कही जा रही है. पुलिस अब फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान में जुटी है. घटना की सूचना मिलने पर सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि मृतक मूल रूप से वैशाली जिले के रहने वाले थे और मुशहरी के प्रहलादपुर गांव में अपने मामा के घर रहकर जमीन की खरीद-बिक्री और ब्रोकर का काम करते थे. शुरुआती जांच में जमीन विवाद और आपसी रंजिश जैसे पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है.

एआई मिशन को रफ्तार देगा यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर' (यूपीडीसीसी) की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के 'एआई मिशन' की बुनियादी संरचना तैयार करेगी. यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री ने प्रदेश के भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े विषयों 'उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर', 'प्रोजेक्ट गंगा' तथा गेहूं के घरेलू प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मंडी शुल्क एवं मंडी उप कर में संभावित छूट जैसे मामलों की उच्च स्तरीय समीक्षा की. मुख्यमंत्री ने यूपीडीसीसी की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के 'एआई मिशन' की बुनियादी संरचना तैयार करेगी. उन्होंने कहा कि डाटा सेंटर क्लस्टर केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को

भी इससे जोड़ा जाए और इसकी शुरुआत बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र से की जा सकती है, जहां बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है. विज्ञप्ति के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टाटा समूह सहित बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से संवाद स्थापित कर लखनऊ को 'एआई सिटी' के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए.

समीक्षा बैठक के दौरान एक प्रस्तुतीकरण के जरिये बताया गया कि उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर प्रदेश को भारत और 'ग्लोबल साउथ' का सबसे बड़ा 'एआई कंप्यूट पावर सेंटर' बनाने की दीर्घकालिक रणनीति है, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को कृत्रिम मेधा, डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और उच्च प्रौद्योगिकी डिजिटल विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाना है.

बयान के मुताबिक प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि यह केवल एक परियोजना नहीं बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक संरचना का खाका है और इसके तहत वर्ष 2040 तक पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था, डेढ़ लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार और पांच गीगावॉट एआई कंप्यूट कॉरिडोर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है.

बलिया में अराजक तत्वों ने आंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त की, प्राथमिकी दर्ज

बलियाः बलिया जिले के गड़वार क्षेत्र में अराजक तत्वों द्वारा डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किये जाने का मामला सामने आया है. इस सिलसिले में अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है. पुलिस ने बुधवार को बताया कि गड़वार कस्बे में गड़वार-पियरिया मार्ग पर आंबेडकर कालोनी में स्थापित डॉ.बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के दाहिने हाथ की अंगुली और पैर को मंगलवार की रात शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया. उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और कई राजनीतिक दलों के नेता मौके पर पहुंच गए और पुलिस को घटना की सूचना दी.

पटना में बीपीएससी टीआरई-4 वैकेंसी को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री ने जल्द विज्ञापन का दिया आश्वासन

पटनाः बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की टीआरई-4 (शिक्षक भर्ती परीक्षा) की वैकेंसी जल्द जारी करने की मांग को लेकर बुधवार को राजधानी पटना में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही पुलिस ने छात्र नेता रिंकल यादव को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई और अभ्यर्थियों में भारी आक्रोश फैल गया. प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बार-बार सिर्फ आश्वासन ही

मिल रहा है. छात्रों का आरोप है कि सरकार लगातार भर्ती प्रक्रिया में देरी कर रही है, जिससे लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है. इसी नाराजगी के बीच आंदोलनकारियों ने थाली और बेलन के साथ सड़क पर उतरकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और सरकार को नींद से जगाने की चेतावनी दी.

प्रदर्शन शुरू होने से ठीक पहले पुलिस ने छात्र नेता रिंकल यादव को हिरासत में ले लिया. रिंकल यादव पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार रह चुके हैं. आरोप है कि पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन स्थल से घसीटते हुए हिरासत में लिया, जिसके बाद वहां मौजूद छात्रों में नाराजगी और बढ़ गई. इस कार्रवाई के बाद धरना स्थल पर माहौल तनावपूर्ण हो गया.

आखिरी घंटे की खरीदारी से शेयर बाजार नुकसान से उबरा, सेंसेक्स 117 अंक चढ़ा

मुंबई: कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच अंतिम घंटे की खरीदारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट से उबरकर बंद हुए. सेंसेक्स 117 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी में 41 अंक की तेजी रही. विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल और रुपये में कमजोरी से जुड़ी चिंताओं के बावजूद कारोबारी सत्र के अंतिम घंटे की लिवाली ने बाजार को समर्थन देने का काम किया.बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 117.54 अंक यानी 0.16 प्रतिशत चढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूटकर 74,529.41 अंक तक आ गया था. लेकिन चुनिंदा क्षेत्रों में खरीदारी आने से यह बढ़त लेने में सफल रहा.

इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत बढ़कर 23,659 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी ने 23,397.30 अंक के निचले और 23,690.90 अंक के ऊपरी स्तर को भी छुआ.सेंसेक्स की कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.83 प्रतिशत चढ़ गया. इसके अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी बढ़त में रहे.

दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक महिंद्रा, इटर्नल और टाटा स्टील प्रमुख रूप से नुकसान में रहे.वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब दो प्रतिशत गिरकर 109 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था.जियोजीत

इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वाहन, वित्तीय और तेल एवं गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार ने दिन के निचले स्तर से वापसी की.''नायर ने कहा कि रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें महंगाई और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव की चिंता बढ़ा रही हैं, जबकि विदेशी निवेशकों का रुख मिला-जुला बना हुआ है.व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.02 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप में 0.16 प्रतिशत की तेजी रही.

क्षेत्रवार सूचकांकों में बिजली खंड ने सर्वाधिक 1.78 प्रतिशत की छलांग लगाई जबकि पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.52, तेल एवं गैस खंड में 1.37 प्रतिशत और ऊर्जा खंड में 1.45 प्रतिशत की तेजी रही.रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कमजोरी का मुख्य कारण वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में तेजी, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका-ईरान तनाव से जुड़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता रही.''

इसके अलावा रुपया भी अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले अपनी कमजोरी का सिलसिला जारी रखते हुए 97 प्रति डॉलर के करीब पहुंचता दिखा और 96.95 का स्तर छूने के बाद 96.84 (अस्थायी) पर बंद हुआ. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे.यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में तेजी के रुख के साथ कारोबार कर रहे थे. अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान पर हमले फिर शुरू करने का फैसला लेने वाले थे, लेकिन कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे मध्यस्थों से बातचीत के बाद इसे टाल दिया गया.शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,457.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.सेंसेक्स मंगलवार को 114.19 अंक यानी 0.15 प्रतिशत गिरकर 75,200.85 अंक पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 31.95 अंक यानी 0.14 प्रतिशत लुढ़ककर 23,618 अंक पर रहा था.

रुपया 13 पैसे और टूटकर 96.83 प्रति डॉलर के नए निचले स्तर पर

मुंबई: लगातार नौवें सत्र में गिरावट दर्ज करते हुए डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 13 पैसे टूटकर 96.83 (अस्थायी) के नए निचले स्तर पर बंद हुआ. पश्चिम एशिया संकट के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने महंगाई की चिंताओं को और बढ़ा दिया.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 96.89 पर खुला, फिर और कमज़ोर होकर 96.95 के रिकॉर्ड निचले स्तर और 96.65 के उच्चतम स्तर को छुआ, और अंत में 96.83 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट है.पिछले सत्र में, रुपया 50 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 96.70 पर बंद हुआ था.

मिराए एसेट शेयरखान में शोध विश्लेषक, जिंस शोध अनुज चौधरी ने कहा, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के कारण भारतीय रुपया नए निचले स्तर पर पहुंच गया. अमेरिकी 30-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुच गया, जबकि 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल 16 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया.उन्होंने कहा, ''इसके कारण महंगाई की चिंताएं बढ़ीं और वैश्विक बाजारों में बिकवाली हुई, जिससे बाजार जोखिम से बचने की कोशिश करने लगे.''उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि महंगाई की चिंताओं के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण रुपया नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा. मजबूत डॉलर और बढ़ते अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल ने महंगाई की चिंताओं को बढ़ाया है और ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों को कम किया है.''उन्होंने कहा, ''डॉलर-रुपये की हाजिर कीमत के 96.5 रुपये से 97.10 रुपये के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है.''

रुपये में आई भारी गिरावट नीति निर्माताओं, निवेशकों और कारोबारियों के लिए सबसे बड़े आर्थिक चेतावनी संकेतों में से एक बनकर उभरी है. रुपया इस साल उभरते बाजारों की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा रहा है. इस पर महंगे तेल, पूंजी की निकासी, बढ़ते व्यापार घाटे और मजबूत होते डॉलर के खतरनाक मेल का दबाव है.इस बीच, डॉलर इंडेक्स 99.42 पर कारोबार कर रहा था.ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 2.77 प्रतिशत टूटकर 109.95 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था.घरेलू शेयर बाजार की बात करें तो, सेंसेक्स 117.54 अंक बढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ, और निफ्टी 41 अंक बढ़कर 23,659 अंकपर पहुंच गया.एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक तीन सत्रों की खरीदारी के बाद मंगलवार को शुद्ध विकवाल बन गए और उन्होंने 2,457.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.

न्यूज कॉर्नर

आईआरबी इन्फ्रा डेवलपर्स का चौथी तिमाही का मुनाफा 38 प्रतिशत बढ़कर 296.25 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली: आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड का मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही का शुद्ध मुनाफा 38 प्रतिशत बढ़कर 296.25 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी.पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 214.7 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था.तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन से कुल आय घटकर 1,976 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,117 करोड़ रुपये थी.इस दौरान कंपनी का खर्च भी घटकर 1,571 करोड़ रुपये रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 के जनवरी-मार्च में यह 1,895 करोड़ रुपये थे.पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा घटकर 850 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 6,480 करोड़ रुपये था.कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, वीरेंद्र डी. म्हैस्कर ने कहा, ''गंगा एक्सप्रेसवे के चालू होने के साथ, आईआरबी की सभी बड़ी परियोजनाएं अब राजस्व पैदा करने वाले बन गई हैं. यह कंपनी के इतिहास में सबसे बड़े पूंजीगत व्यय और विकास चक्रों में से एक के सफल समापन का प्रतीक है.'

बुनियादी उद्योग का उत्पादन अप्रैल में 1.7 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली: देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में अप्रैल में 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. इसे इस्पात, सीमेंट और बिजली के उच्च उत्पादन से समर्थन मिला. सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों से जानकारी मिली. अप्रैल, 2025 में इन आठ उद्योगों का उत्पादन एक प्रतिशत बढ़ा था. मार्च में यह वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत थी.समीक्षाधीन महीने में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई.

मारुति सुजुकी ने लखनऊ में 'स्मार्ट फैक्ट्री लैब' स्थापित की

नयी दिल्ली: वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने छात्रों को आधुनिक वाहन विनिर्माण से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के मकसद से लखनऊ में एक 'स्मार्ट फैक्ट्री लैब' स्थापित करने की घोषणा की है. कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि लखनऊ के गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थापित इस प्रयोगशाला में स्वचालन, रोबोटिक्स प्रौद्योगिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), कृत्रिम मेधा (एआई) और डेटा विश्लेषण से संबंधित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.कंपनी ने कहा कि इस प्रयोगशाला में पहले साल करीब 400 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. यह पहल कंपनी की 'कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व' (सीएसआर) गतिविधियों का हिस्सा है.यह प्रयोगशाला छात्रों को आधुनिक उत्पादन प्रणालियों का व्यावहारिक अनुभव देने के लिए तैयार की गई है, जिससे शिक्षा और उद्योग की जरूरतों के बीच अंतर को कम करने में मदद मिलेगी..

यूएई को खाद्य, पेय पदार्थों का निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना : टीपीसीआई

नयी दिल्ली: भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि भारत से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को खाद्य और पेय पदार्थों के निर्यात को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इस पश्चिम एशियाई देश को इन उत्पादों का भारत का निर्यात केवल 3.6 अरब डॉलर का रहा है. वहीं यूएई का इन उत्पादों का कुल आयात 22 अरब डॉलर का था.भारत से यूएई को खाद्य और पेय पदार्थों का निर्यात वर्ष 2021 में 2.3 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2025 में 3.6 अरब डॉलर का हो गया, जो 11.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि को दर्शाता है.वर्ष 2025 में यूएई में इस क्षेत्र से कुल आयात लगभग 22 अरब डॉलर का रहा है.टीपीसीआई ने कहा कि ये आंकड़े यूएई के बाजार में बढ़ती मांग और साथ ही मुख्य खाद्य पदार्थों, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, मांस उत्पादों, पेय पदार्थों और कृषि वस्तुओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं.टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि यूएई दुनिया के उन देशों में से एक है जो खाद्य आयात पर सबसे ज्यादा निर्भर हैं; यह अपनी जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए आयातित खाद्य उत्पादों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहता है.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

घुसपैठियों पर बंगाल के...

इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया बुधवार से शुरू करनी होगी.

बैठक में राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की वर्तमान स्थिति प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, देश और राज्य में समय-समय पर कानून-व्यवस्था संबंधी अपराधों, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, लव जिहाद, भूमि जिहाद, जबरन धर्मांतरण और विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि काफी हद तक बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों के कारण है.नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का दायरा मुख्य रूप से भारत के पड़ोसी तीन देशों, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुछ धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देने से जुड़ा है. इस कानून के तहत हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के उन लोगों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है, जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2014 तक भारत आ चुके थे.इस कानून की सबसे खास बात ये है कि यह केवल 3 देशों से आए लोगों पर लागू होता है. मुस्लिम समुदाय को इसमें शामिल नहीं किया गया है. इस कारण इसको लेकर काफी विवाद भी हुआ था.

शुभेंदु अधिकारी ने बीएसएफ...

इस सरकारी और निजी भूमि सहित भूमि की पूरी लागत केंद्रीय गृह मंत्रालय वहन कर रहा है. मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में स्पष्ट किया कि राज्य के उच्च कुशल अधिकारियों और देशभक्त जनता की मदद से, अगले कुछ दिनों में, जहां भी सीमा सुरक्षा के लिए कांटेदार तार उपलब्ध कराना संभव होगा, शेष भूमि भी बहुत शीघ्रता से बीएसएफ को सौंप दी जाएगी.मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस सकारात्मक कदम का स्वागत किया और पूर्व राज्य सरकार की उदासीनता और असहयोग पर नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि लगभग 4000 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा में से अकेले पश्चिम बंगाल के पास 2200 किलोमीटर का क्षेत्र है. जबकि अन्य सीमावर्ती राज्यों ने बीएसएफ की मांग के अनुसार बहुत पहले ही पूरी जमीन सौंप दी थी और काम पूरा कर लिया था, वहीं इस राज्य में राजनीतिक उदासीनता के कारण काम कई वर्षों से रुका हुआ है.बीएसएफ नेतृत्व ने राज्य के इस त्वरित और लाभकारी निर्णय पर स्वाभाविक रूप से गहरी संतुष्टि व्यक्त की है. बैठक में उपस्थित बीएसएफ महानिदेशक (डीजी बीएसएफ) ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है.

कुर्बानी पर समझौता नहीं....

यदि सरकार इस पर रोक लगाना चाहती है, तो पहले उन सभी बूचड़खानों को बंद करना चाहिए जिन्हें गाय के वध का लाइसेंस दिया गया है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी बीफ के आयात-निर्यात से कर के रूप में हजारों करोड़ रुपये कमाती है. उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर आग से खेलने से बचना चाहिए. यदि कुर्बानी पर रोक लगाने की कोशिश की गई तो इससे समस्याएं पैदा होंगी और मुस्लिम समुदाय किसी भी स्थिति में कुर्बानी से समझौता नहीं करेगा.

राहुल गांधी ने पीएम...

का बयान बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है और उनकी अराजकतावादी मानसिकता को दिखाता है. उन्होंने कहा, मैं यह मानता हूं कि भारतीय राजनीति में जहां सुचिता, सामाजिकता और एक-दूसरे को सम्मान देने की प्रक्रिया है, उसमें उनका यह बयान बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. मैं मानता हूं कि लगातार हो रही हार और निराशा उनके स्वभाव और चरित्र में दिख रही है.मैं पूछना चाहता हूं, राहुल गांधी जी, आपके पूर्वजों ने इस देश की ज़मीन और ज़मीर को हमेशा गिरवी रखने का काम किया. कभी हमारे सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने का काम नहीं किया. लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस देश की ज़मीन भी सुरक्षित हुई और देश के लोगों का ज़मीर भी मज़बूत हुआ. नितिन नबीन ने राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा, आपके शासनकाल में, जब-जब आपके लोगों ने इस देश में राज किया, करप्शन में आकंठ आपकी पूरी सरकार डूबी रही. आज हम करप्शन पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हैं. आज हमारे प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आतंकवाद जैसी चीज़ों पर पूर्ण रूप से लगाम लगाने का काम किया गया है और हमारे पड़ोसी भी आज हमारी इस नीति से नतमस्तक नज़र आते हैं. राहुल गांधी जी, आपका बयान बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. आपने केवल नरेन्द्र मोदी जी का ही अपमान नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का भी अपमान किया है.

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया चालू वित्त वर्ष में 150 शाखाएं खोलेगा, 1,400 अधिकारियों की भर्ती करेगा

नयी दिल्ली: सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया ने अपने विकास लक्ष्य को पूरा करने के लिए मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान पूरे देश में 150 शाखाएं खोलने और अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 1,400 की वृद्धि करने की योजना बनाई है. बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने यह जानकारी दी.बैंक की मौजूदा समय में सभी 28 राज्यों और सात में से छह केंद्र शासित प्रदेशों में 4,585 शाखाएं हैं. बैंक की लगभग 65 प्रतिशत शाखाएं देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं.कल्याण कुमार ने पीटीआई-भाषा को दिये एक साक्षात्कार में कहा, ''जहां तक शाखा विस्तार का सवाल है, हम मौजूदा वित्त वर्ष में लगभग 150 शाखाएं खोलने जा रहे हैं और इसके लिए हमने बोर्ड से मंजूरी ले ली है.''

मानव संसाधन बढ़ाने की बात करते हुए, कुमार ने कहा कि मानव संसाधन व्यवसाय का सबसे महत्वपूर्ण चालक है और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्त करने जा रहा है.मुंबई स्थित इस बैंक में कुल कर्मचारियों की संख्या लगभग 34,000 है. इनमें से 21,000 अधिकारी हैं और बाकी लिपिकीय कैडर में हैं.

मौजूदा वित्त वर्ष की योजनाओं के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि बैंक का इरादा जोखिम प्रबंधन, विदेशी मुद्रा और ट्रेजरी के क्षेत्रों में लगभग 1,000 प्रोबेशनरी अधिकारियों, 300 विपणन अधिकारियों, 50 विदेशी मुद्रा अधिकारियों और 15 एजीएम स्तर के अधिकारियों को नियुक्त करने का है.

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की अनुषंगी कंपनियों के पुनर्गठन की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि बैंक की दो संस्थाएं हैं - सेंटबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (सीएफएसएल) और सेंट बैंक होम फाइनेंस लिमिटेड (सीबीएचएफएल).सीएफएसएल पूरी तरह से बैंक के स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है, जबकि आवास वित्त संस्था में बैंक की 64 प्रतिशत हिस्सेदारी है.उन्होंने कहा, ''हम सीबीएचएफएल में टीम को मजबूत कर रहे हैं.'' अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग कारोबार को बढ़ाने के मकसद से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अगले महीने के पहले सप्ताह में गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में अपना आईएफएससी बैंकिंग यूनिट (आईबीयू) शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है.

हिंदुस्तान पावर ने एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के साथ किया बिजली आपूर्ति समझौता

नयी दिल्ली: हिंदुस्तान पावर की इकाई अनूपपुर पावरप्रोजेक्ट्स ने एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लि. के साथ 800 मेगावाट बिजली आपूर्ति के लिए एक समझौता किया है. हिंदुस्तान पावर ने बुधवार को एक बयान में कहा कि समझौते की शर्तों के तहत, इस परियोजना से बिजली आपूर्ति 2031 से शुरू होने वाली है.बयान के अनुसार, यह समझौता कंपनी की अनुषंगी कंपनी अनूपपुर पावरप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लि. के माध्यम से हुआ है.बिजली आपूर्ति समझौते (पीएसए) के तहत 800 मेगावाट बिजली हिंदुस्तान पावर की अनूपपुर में लग रही इकाई से बिजली की आपूर्ति की जाएगी.बिजली खरीद समझौता 25 साल की अवधि के लिए है. समझौते को अतिरिक्त पांच वर्षों के लिए बढ़ाने का विकल्प भी शामिल है.हिंदुस्तान पावर के अनुसार यह परियोजना डीबीएफओओ (डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, स्वामित्व और संचालन) मॉडल के तहत आवंटित की गई है. हिंदुस्तान पावर के चेयरमैन रतुल पुरी ने कहा, ''यह समझौता हिंदुस्तान पावर की निरंतर विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है और बिजली क्षेत्र पर हमारे दीर्घकालिक ध्यान की पुष्टि करता है.''

अटल पेंशन योजना के अंशधारकों की संख्या चालू वित्त वर्ष में 10 करोड़ को पार करेगी : पीएफआरडीए प्रमुख

नयी दिल्ली: सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना 'अटल पेंशन योजना' (एपीवाई) के अंशधारकों की संख्या चालू वित्त वर्ष में 10 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है. पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए के चेयरमैन एस रमन ने बुधवार को यह जानकारी दी. रमन ने यहां 'एपीवाई वार्षिक सम्मान समारोह' के दौरान कहा कि योजना में सालाना 18 प्रतिशत की वृद्धि दर को देखते हुए 2026-27 में ग्राहकों की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो सकती है.

एपीवाई के अंशधारकों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बढ़कर 8.96 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले 7.61 करोड़ थी. इस दौरान इस पेंशन योजना से रिकॉर्ड 1.35 करोड़ नए ग्राहक जुड़े.उन्होंने कहा कि 18 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को देखते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक इसके ग्राहकों की संख्या 10 करोड़ पार कर जाने की संभावना है. यह संख्या 30 अप्रैल, 2026 तक बढ़कर 9.04 करोड़ से अधिक हो चुकी है.रमन ने कहा कि 18-25 वर्ष के आयु वर्ग में नामांकन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जो युवाओं में दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है. उन्होंने देशभर में पेंशन जागरूकता और ग्राहकों की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया.अटल पेंशन योजना का संचालन पीएफआरडीए द्वारा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समग्र प्रशासनिक ढांचे के तहत किया जाता है. एपीवाई की शुरुआत 2015 में असंगठित क्षेत्र के कामगारों सहित सभी नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी. इस योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारक, जो आयकर दाता नहीं हैं, शामिल हो सकते हैं.

इस योजना के तहत ग्राहकों के अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी दी जाती है.पीएफआरडीए के अनुसार, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंशधारकों की संख्या 2026-27 में 22 प्रतिशत से अधिक दर से बढ़ने का अनुमान है.वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक एनपीएस के कुल ग्राहक 2.17 करोड़ थे और उनकी कुल परिसंपत्ति 15.95 लाख करोड़ रुपये रही.

खाद्य तेल उद्योग उत्पादन बढ़ाए, खेती के आधुनिक तरीके अपनाए : एसईए

नयी दिल्ली: खाद्य तेल के उद्योग निकाय एसईए ने तिलहनों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, खेती के आधुनिक तरीके अपनाने और सोच-समझकर उपभोग करने की आदतें बनाने की जरूरत पर जोर दिया है.अपने सदस्यों को लिखे एक पत्र में सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने खाद्य तेल के बढ़ते आयात खर्च पर चिंता जताई. उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के कारण पैदा हुई रुकावटों से निपटने के लिए नीतिगत समर्थन की भी मांग की.

उन्होंने कहा, ''खाद्य तेल के सोच-समझकर उपभोग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील सिर्फ एक जीवनशैली का सुझाव नहीं है - इसका गंभीर आर्थिक और रणनीतिक महत्व है.''

भारत अपनी खाद्य तेल की जरूरतों का 60 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में अस्थाना ने बताया कि वैश्विक कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव भी बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा के बाहर जाने का कारण बनता है.भारत ने अक्टूबर में समाप्त हुए विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 1.61 लाख करोड़ रुपये का 1.6 करोड़ टन खाद्य तेल आयात किया.अस्थाना का मानना है कि सिर्फ़ अल्पकालिक उपाय ही काफी नहीं हैं.उन्होंने कहा, ''भारत की दीर्घकालिक मजबूती घरेलू तिलहन उत्पादन बढ़ाने, खेती के आधुनिक तरीके अपनाने और सोच-समझकर उपभोग करने की आदतें बनाने पर निर्भर करती है. आज थोड़ी कड़ाई बरतना, कल एक ऐसे संकट से जूझने से कहीं ज्यादा समझदारी भरा है जिससे बचा जा सकता है.''

फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में भारत का घरेलू तिलहन उत्पादन 409.98 लाख टन होने का अनुमान है.एसईए अध्यक्ष ने बताया कि अल नीनो, दक्षिण-पूर्व एशियाई बायोडीजल नियमों और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति पर पड़े दबाव के चलते दुनिया भर में जिंसों की कीमत और माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है.

उन्होंने कहा कि रुपये के कमजोर होने से आयात की लागत काफ़ी बढ़ गई है, जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और कुल आयात खर्च पर लगातार दबाव बढ़ रहा है.पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को देखते हुए, अस्थाना ने कहा कि एसईए ने संबंधित मंत्रालयों को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें माल ढुलाई और बीमा की बढ़ती लागत, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, कार्यशील पूंजी की बढ़ती जरूरतें और घरेलू खाद्य तेल की कीमतों पर पड़ रहे दबाव जैसी चिंताओं को उजागर किया गया है.एसईए ने माल ढुलाई में सहायता, खाद्य तेल के जहाजों के लिए बंदरगाह पर प्राथमिकता, तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात के लिए प्रोत्साहन और कार्यशील पूंजी में सहायता जैसे उपायों का सुझाव दिया है.

सकारात्मक वैश्विक संकेतों से सोना 1,300 रुपये बढ़कर 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 1,300 रुपये बढ़कर 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं. यह बढ़ोतरी अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच विदेशी व्यापार में आई तेजी का नतीजा है.स्थानीय बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,64,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो मंगलवार के बंद भाव 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक है.सर्राफा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी बॉन्ड के उच्च प्रतिफल तथा डॉलर मजबूत होने के बावजूद कीमती धातुओं में नई खरीदारी से सोने की घरेलू कीमतों को समर्थन मिला.

हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे सत्र में गिरावट रही. चांदी की कीमत 5,000 रुपये टूटकर 2,66,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई. पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी.विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर औद्योगिक मांग और हाल में कीमतों में आए भारी उतार-चढ़ाव के बाद लगातार मुनाफावसूली होने के कारण चांदी की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं.

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,483.54 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी दो प्रतिशत से अधिक बढ़कर 75.42 डॉलर प्रति औंस हो गई.ब्रोकरेज फर्म कोटक नियो (पहले कोटक सिक्योरिटीज) ने कहा कि बुधवार को हाजिर सोने में तेजी देखी गई, क्योंकि हाल ही में बॉन्ड बाजार में हुई बिकवाली में नरमी आने के बाद कीमती धातुओं को कुछ समर्थन मिला. हालांकि, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के ऊंचे स्तर और डॉलर की मजबूती ने कीमतों में उछाल को सीमित रखा.

कंपनी ने कहा कि बाजार के प्रतिभागियों का ध्यान अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में हो रही देरी पर केंद्रित रहा. इन घटनाक्रमों से वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति की चिंताओं और सख्त मौद्रिक नीति की उम्मीदों को, लगातार बल मिल रहा है.मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, 'निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दर की दिशा और सर्राफा कीमतों पर निकट-अवधि में इसके असर के बारे में नई जानकारी हासिल करने के लिए अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे का इंतजार कर रहे हैं.'

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योग का उत्पादन अप्रैल में 1.7 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली: अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है. देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में अप्रैल में 1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. अप्रैल, 2025 में इन आठ उद्योगों का उत्पादन एक फीसदी बढ़ा था. मार्च में यह वृद्धि दर 1.2 फीसदी रही थी.वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 1.7 फीसदी बढ़ा है. इस वृद्धि को मुख्य रूप से सीमेंट, इस्पात और बिजली क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन से बल मिला है, जबकि पांच अन्य क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई.आंकड़ों के अनुसार आठ प्रमुख बुनियादी सेक्टरों में से सीमेंट का उत्पादन अप्रैल में साल-दर-साल सबसे ज्यादा 9.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है. अप्रैल महीने में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरकों के उत्पादन में गिरावट आई है, जो ऊर्जा और कमोडिटी चेन के कुछ हिस्सों में लगातार बनी कमजोरी को दिखाता है.ये 8 बुनियादी उद्योग देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में महत्वपूर्ण (40.27 फीसदी) हिस्सेदारी रखते हैं, जो इन आठ प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन को मापता है.

सौर, पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पांच साल में सात लाख एकड़ जमीन की जरूरत: कोलियर्स

नयी दिल्ली: देश को अगले पांच वर्षों में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए लगभग सात लाख एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी और इसकी अनुमानित लागत 10 से 15 अरब अमेरिकी डॉलर होगी. रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कोलियर्स की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है.बीते वर्ष भारत की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट से अधिक पहुंच गई. यह 2015 में लगभग 80 गीगावाट के मुकाबले तीन गुना से अधिक है. मार्च, 2026 तक देश में नवीकरणीय ईंधन स्रोतों से लगभग 275 गीगावाट क्षमता स्थापित की जा चुकी है.कोलियर्स इंडिया ने 'ग्रीन शिफ्ट: रिन्यूएबल प्रायोरिटाइजेशन रीशेपिंग इंडियन रियल एस्टेट' नाम से जारी रिपोर्ट में अनुमान लगाया कि 2030 तक सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में लगभग 270-300 गीगावाट की वृद्धि होगी.

रिपोर्ट में कहा गया, ''हमारा अनुमान है कि 2030 तक भारत में आगामी सौर और पवन परियोजनाओं के लिए लगभग सात लाख एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी. इसके परिणामस्वरूप अकेले जमीन में 10 से 15 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है.''इसमें कहा गया है कि 2026 से 2030 के दौरान, सौर परियोजनाओं के लिए 6.5 लाख एकड़ से अधिक भूमि की आवश्यकता होगी और शेष जमीन पवन ऊर्जा के लिए जरूरत होगी.

कोलियर्स ने कहा कि भारत में सौर परियोजनाओं की लागत आमतौर पर तीन से चार करोड़ रुपये प्रति मेगावाट होती है, जबकि पवन (तटीय) परियोजनाओं में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी के आधार पर लगभग आठ से नौ करोड़ रुपये प्रति मेगावाट निवेश की आवश्यकता होती है.रिपोर्ट में कहा गया, ''घरेलू विनिर्माण क्षमताओं में तेजी से हो रही प्रगति के साथ, हमें उम्मीद है कि भारत 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के 500 गीगावाट के लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेगा.''वास्तव में, 2030 तक, अकेले सौर परियोजनाओं की स्थापित क्षमता 400 से 450 गीगावाट तक पहुंच सकती है.कोलियर्स ने कहा, ''कुल मिलाकर, अगले कुछ वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 110 से 120 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है.'' नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना की लागत का लगभग 10-12 प्रतिशत भूमि और स्वीकृतियों से संबंधित होता है.

वर्तमान में, लगभग 146 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं. इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक सौर परियोजनाएं हैं.रिपोर्ट के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के तीव्र विस्तार से भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण और नवीकरणीय ऊर्जा पर केंद्रित औद्योगिक पार्कों के लिए अवसर पैदा होंगे.कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक बादल याग्निक ने कहा, ''आने वाले कुछ वर्षों में, नवीकरणीय ऊर्जा न केवल भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मददगार होगी, बल्कि वृद्धि और निवेश को भी गति देगी. इससे पूरे देश में दीर्घकालिक सतत वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा.''

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, पाकिस्तान का अपने घर में किया क्लीन स्वीप

सिलहट: बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान पर 78 रन से जीत दर्ज की और इस जीत के साथ ही इतिहास रच दिया. बांग्लादेश ने पाकिस्तान को अपने घर पर पहली बार टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया. मैच की चौथी पारी में बांग्लादेश ने पाकिस्तान के सामने 437 रनों का लक्ष्य दिया था. इसके जवाब में खेल के चौथे दिन के पहले सेशन में पाकिस्तान की टीम 358 रन के स्कोर ऑलआउट हो गई. इस तरह बांग्लादेश ने 2-0 से सीरीज पर कब्जा जमाया. टेस्ट में बांग्लादेश की पाकिस्तान पर ये लगातार चौथी जीत है. इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को उसके घर में जाकर दो मैचों में सीरीज में हराया था. दरअसल, 20 मई यानी आज बांग्लादेश की टीम को जीत के लिए केवल 3 विकेट की जरूरत थी. मोहम्मद रिजवान बीते दिन 75 रन बनाकर नाबाद रहे थे और पाकिस्तान की टीम की आखिरी उम्मीद भी उनसे थी. 5वें दिन जीत के लिए पाकिस्तान को 121 रन के लक्ष्य की जरूरत थी. रिजवान और सलमान आगा के बीच 134 रन की साझेदारी हुई, जिसने बांग्लादेश को जीत के लिए काफी देर तक इंतजार करवाया, जबकि ऐसा लग रहा था कि वो पाकिस्तान को पूरी तरह से निपटाने के रास्ते पर है, लेकिन आधे घंटे में ताइजुल इस्लाम ने दो अहम विकेट लेकर उस साझेदारी को तोड़ दिया, जिसके बाद मेजबान टीम ने जीत की नींव रखी और आखिरी दिन साजिद खान, मोहम्मद रिजवान और खुर्रम शहजाद आउट हुए. रिजवान ने 166 गेंदों में 94 रन बनाए. उन्होंने अंत तक लड़ाई तो की, लेकिन वो अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए. मैच की शुरुआत में बांग्लादेश की टीम मुश्किल में दिख रही थी. पहले बैटिंग करते हुए टीम का स्कोर 116/6 हो चुका था. पाकिस्तान ने पूरे मैच में पकड़ बना रखी थी, लेकिन फिर लिटन दास ने दवाब में शानदार शतक जड़ा और मैच का रुख पलट दिया. उनकी पारी ने बांग्लादेश को सिर्फ संभाला ही नहीं, बल्कि टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में मदद की. लिटन दास के 126 रन की शानदार पारी के दम पर पहली पारी में बांग्लादेश ने 278 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान की पहली पारी 232 रन पर ऑलआउट हुई. दूसरी पारी में बांग्लादेश ने मुशफिकुर रहीम के 137 रन, लिटन दास के 69 रन और ओपनर महमूदल हसन जॉय के 52 रन की पारियों के दम पर 390 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 437 रन का टारगेट रखा. इसके जवाब में शान मसूद की पाकिस्तानी टीम इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई. ताइजुल इस्लाम ने कुल 9 विकेट लिए और आखिरी पारी में उन्होंने 6 विकेट लेकर पाकिस्तान को 358 रन पर ऑलआउट किया. दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए कप्तान शान मसूद ने 71 रन बनाए. बाबर आजम के बल्ले से 47 रन निकले, सलमान आगा ने 71 रन बनाए और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ने 94 रन की पारी खेली, लेकिन ताइजुल इस्लाम ने कुल 6 विकेट लिए और पाकिस्तान की टीम को 358 रन पर समेट दिया. उनके अलावा नाहिद राणा ने दो विकेट लिए, जबकि शोरिफुल इस्लाम और मेहदी हसन को 1-1 सफलता मिली.

बांग्लादेश की पाकिस्तान पर जीत से डब्ल्यूटीसी तालिका में छठे स्थान पर खिसका भारत

दुबई: बांग्लादेश का पाकिस्तान के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर खेली गई टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप करने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम को नुकसान हुआ है और वह नवीनतम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसक गई है. बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 78 रन से हराया. इससे पहले उसने मीरपुर में पहला टेस्ट मैच 104 रन के बड़े अंतर से जीता था. इससे उसकी टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डब्ल्यूटीसी तालिका में नवीनतम अपडेट में भारत से आगे निकल गई है. बांग्लादेश के अब चार टेस्ट मैचों में दो जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 58.33 प्रतिशत अंक हैं, जबकि भारत के नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, उतनी ही हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 अंक हैं. पहले दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम अब एशियाई देशों की रैंकिंग में पाकिस्तान से ऊपर है. शुभमन गिल की अगुवाई वाली इस टीम ने इस साल अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है. भारत अब अफगानिस्तान के खिलाफ छह जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा लेकिन यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है. भारतीय टीम को इस साल के आखिर में श्रीलंका और न्यूजीलैंड का दौरा करना है, जहां वह दो-दो टेस्ट मैच खेलेगी. उसे फिर 2027 में अपने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है. भारत को घरेलू टेस्ट श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि उसने इंग्लैंड में भी दो मैच गंवाए थे. गिल की अगुवाई वाली टीम ने इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की थी. टीम रैंकिंग अंकों से नहीं बल्कि डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में प्रतिशत अंकों के आधार पर तय की जाती है. 2025-2027 चक्र में बांग्लादेश के 28 अंक हैं जबकि भारत के 52 अंक हैं. पाकिस्तान की टीम दूसरे टेस्ट मैच में 437 रन की लक्ष्य का पीछा करते हुए 358 रन पर आउट हो गई. पाकिस्तान मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में एक जीत और तीन हार के साथ आठवें स्थान पर है. ऑस्ट्रेलिया ने मौजूदा चक्र में अब तक आठ टेस्ट मैचों में सात जीत और एक हार दर्ज की है. वह 87.50 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है. न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है, जिसने तीन टेस्ट मैचों में दो जीत और एक ड्रॉ के बाद 77.78 अंक प्राप्त किए हैं. दक्षिण अफ्रीका तीसरे और श्रीलंका चौथे स्थान पर है.

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर सीरीज का किया शानदार समापन

भोपाल: भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में खेले गए चार मैचों की श्रृंखला के अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 महिला हॉकी टीम को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की. मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया और पहले क्वार्टर के 8वें मिनट में ऑरोरा कोवासेविच ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी. हालांकि भारतीय टीम ने जल्द ही वापसी करते हुए कप्तान स्वीटी कुजूर ने 13वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया. दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा. 25वें मिनट में दिया ने शानदार गोल कर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई, जो हाफटाइम तक कायम रही. दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा. तीसरे क्वार्टर के 44वें मिनट में प्रियंका मिंज ने गोल कर बढ़त 3-1 कर दी. इसके बाद अंतिम क्वार्टर में नौशीन नाज ने 50वें मिनट में गोल दागकर भारत की 4-1 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी. इस जीत के साथ भारतीय टीम ने एक्सपोजर सीरीज का समापन शानदार अंदाज में किया. यह दौरा जापान में इस महीने के अंत में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिए काफी अहम माना जा रहा है. हालांकि चार मैचों की इस एक्सपोजर सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से श्रृंखला अपने नाम की.

सीएसके पर जीत से शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए उतरेगा गुजरात टाइटंस

मैच शुरू शाम 7.30 बजे

अहमदाबाद: प्लेऑफ में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी. लीग चरण में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के दो अवसर मिलते हैं. गुजरात टाइटंस अभी 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (18 अंक) पहले स्थान पर है. इन दोनों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद (16 अंक) भी शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में है. इन तीनों टीम ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है. अगर गुजरात टाइटंस सीएसके की खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के (+1.065) नेट रन रेट से भी आगे निकल सकता है. अगर सनराइजर्स अपने आखिरी लीग मैच में आरसीबी को हरा देता है तो पहले दो स्थान के लिए फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा. अभी गुजरात टाइटंस का नेट रन रेट (+0.400) है जो सनराइजर्स (+0.350) से बेहतर है. पिछले मैच में सनराइजर्स के हाथों हार के कारण सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं. ऐसे में पांच बार की पूर्व चैंपियन सीएसके सत्र के अपने संभावित अंतिम मैच में प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेगी. रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है और प्लेऑफ में अंतिम स्थान के लिए दावेदारी में बने रहने के लिए उसे गुजरात के खिलाफ जीत के साथ अन्य मैचों के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी. नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिच पर होने वाले इस मुकाबले से पहले टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल और उनके सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन शानदार फॉर्म में हैं. सीएसके के गेंदबाजों के लिए उन पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती होगी. बीच के ओवरों में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिल सकता है जिसमें गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनर राशिद खान सीएसके की मजबूत बल्लेबाजी पंक्ति की परीक्षा लेंगे. गिल, जोस बटलर और सुदर्शन गुजरात की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते रहेंगे. गुजरात के मध्य क्रम में हालांकि निरंतरता का अभाव है और ऐसे में चेन्नई के बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन उन पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे. दोनों टीम का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड अभी 4-4 से बराबर है. हालांकि गुजरात ने इस सत्र के शुरू में चेपॉक में चेन्नई को आठ विकेट से हराया था. पिछले मुकाबले में कैगिसो रबाडा ने तीन विकेट लेकर सीएसके के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था. सीएसके के लिए यह बेहद जरूरी है कि गायकवाड़ और संजू सैमसन उनके शुरुआती स्पेल में टिके रहें. **टीम इस प्रकार हैं : (चेन्नई सुपर किंग्स)** : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, डियान फॉरेस्टर, जैक फॉल्क्स, अंशुल कंबोज, मैकनील नोरोन्हा, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, आकाश मधवाल, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, कुलदीप यादव. **(गुजरात टाइटंस) :** शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत (विकेटकीपर), अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर (विकेटकीपर), कॉनर एस्टरहुइज़न, गुरनूर बराड़, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, ईशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, ल्यूक वुड, जयंत यादव.

रणजी ट्रॉफी 11 अक्टूबर से, दलीप ट्रॉफी के साथ 23 अगस्त से शुरू होगा घरेलू सत्र

नयी दिल्ली: रणजी ट्रॉफी एक बार फिर दो चरण में खेला जाएगी जिसमें पहले चरण की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी जबकि 2026-27 घरेलू सत्र 23 अगस्त को दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह घोषणा की. आगामी सत्र के दौरान बीसीसीआई आयु वर्ग और सीनियर क्रिकेट में कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा जिसमें पुरुषों के लिए अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर जबकि महिलाओं के लिए अंडर-15, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर के मुकाबले शामिल हैं. अंडर-23 वर्ग का सीमित ओवरों का टूर्नामेंट और विजी ट्रॉफी के लिए अंतर क्षेत्रीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता टी20 प्रारूप में खेली जाएगी. बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''2026-27 का घरेलू सत्र बीसीसीआई की एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचा बनाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है. साथ ही यह सभी प्रारूप और वर्ग में संतुलित प्रगति भी सुनिश्चित करता है.'' क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी करने वाली दलीप ट्रॉफी 23 अगस्त से 10 सितंबर के बीच खेली जाएगी. यह पूरा टूर्नामेंट बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा. रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच ईरानी कप मुकाबला एक से पांच अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाएगा. बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे बड़ी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से पांच नवंबर के बीच होगा जिसमें चार दौर खेले जाएंगे. दूसरा चरण 17 जनवरी से तीन मार्च 2027 के बीच होगा जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट) और विजय हजारे ट्रॉफी (50 ओवर का राष्ट्रीय टूर्नामेंट) के खत्म होने के बाद खेला जाएगा. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से छह दिसंबर के बीच खेली जाएगी. लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विजाग और कोलकाता में होंगे जबकि नॉकआउट चरण नागपुर में होगा. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से आईपीएल की विभिन्न फ्रेंचाइजी को नीलामी से पहले अपनी सूची तैयार करने का मौका मिलेगा. नीलामी दिसंबर में होगी. विजय हजारे ट्रॉफी 14 दिसंबर 2026 से आठ जनवरी 2027 तक होगी. बीसीसीआई की कार्यक्रम तैयार करने वाली टीम ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) नवंबर से जनवरी के बीच कराने का फैसला किया है जिससे स्कूली क्रिकेटरों को अपनी सालाना या बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी करने में भी आसानी होगी जो आम तौर पर फरवरी और मार्च में होती हैं.

गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं सूर्यवंशी: कुंबले

नयी दिल्ली: भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं. सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं. इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और सात चौके शामिल हैं. इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की. कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''उन्होंने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं. एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 59 छक्के लगाए हैं. मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं.'' उन्होंने कहा, ''बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने दिग्वेश राठी के खिलाफ कई बार ऐसा किया. मुझे खुशी है कि लोगों के पास अब भी ऐसी प्रतिभा का वर्णन करने के लिए शब्द हैं. मेरे पास तो शब्द कम पड़ते जा रहे हैं. यह लड़का बहुत खास है. वह इतनी छोटी उम्र में भी पूरी परिपक्वता दिखाते हैं.''

सूर्यकुमार के बाद श्रेयस भारत की टी20 कप्तानी का मुख्य दावेदार : रिकी पोंटिंग

नयी दिल्ली: पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि सूर्यकुमार यादव के बाद श्रेयस अय्यर टी20 प्रारूप में भारत के कप्तान बनने के मुख्य दावेदार हैं जो अभी अपने खेल के चरम पर हैं और पहले से कहीं अधिक परिपक्व हो गए हैं. सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने हाल में दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था लेकिन पिछले 12 महीनों में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज पोंटिंग ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''सूर्यकुमार के बाद कप्तानी के लिए कई दावेदार हैं, लेकिन मेरा मानना है कि श्रेयस अय्यर मुख्य दावेदारों में से एक हैं. हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही देख लिया था कि वह टी20 के कितने अच्छे खिलाड़ी हैं तथा मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों में ही वह अभी किस तरह की स्थिति में हैं.'' उन्होंने कहा, ''वह पहले से कहीं अधिक परिपक्व हो गए हैं और इस समय अपने खेल के चरम पर हैं. श्रेयस भले ही अभी भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं है लेकिन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान बनने के लिए चर्चा चल रही है. आईपीएल के शुरुआती दौर में पंजाब किंग्स के शानदार प्रदर्शन के कारण इस तरह की चर्चा को बल मिला था. इसके बाद हालांकि उनकी टीम छह मैच हार गई. लेकिन एक कप्तान के रूप में श्रेयस का इस प्रारूप में रिकॉर्ड शानदार रहा है. उनकी अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल का खिताब जीता था. इसके बाद वह पंजाब किंग्स से जुड़ गए और उनकी कप्तानी में यह टीम पिछले सत्र में 11 साल में पहली बार फाइनल में पहुंची थी. वह इस बार अब भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करो या मरो के अंतिम लीग मैच से पहले पोंटिंग ने कहा कि श्रेयस और टीम वापसी करने में सफल रहेंगे. उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत रूप से और टीम के रूप में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं. मुझे पूरा विश्वास है कि वह हमारे आखिरी लीग मैच में शानदार वापसी करेगा. अगर वह अच्छा प्रदर्शन करता है और बड़ा स्कोर बनाता है, तो हमारे पास मैच जीतने का अच्छा मौका होगा.'' 2000 के दशक की शुरुआत में अजेय ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान रहे पोंटिंग ने कहा कि श्रेयस का भारतीय टी20 टीम का हिस्सा न होना आश्चर्यजनक है. उन्होंने कहा, ''जब भी भारत टीम का चयन करता है और उसमें श्रेयस का नाम नहीं होता तो मुझे बहुत हैरानी होती है. आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मुझे पूरा विश्वास है कि चयनकर्ता न सिर्फ टीम में उनको शामिल करने बल्कि कप्तानी के लिए भी उनके नाम पर जरूर चर्चा करेंगे.'' पोंटिंग ने कहा, ''भारतीय क्रिकेट की खासियत यह है कि आप यूं ही टीम में वापसी नहीं कर सकते. आपको ढेर सारे रन बनाने होते हैं और वो भी एक खास तरीके से. उनका अब तक का प्रदर्शन बहुत प्रभावशाली रहा है और उनकी कप्तानी शानदार रही है.'' उन्होंने कहा, ''वह अभी अपने करियर के उस मोड़ पर खड़े हैं जहां अगर उन्हें कप्तानी का मौका मिलता है तो मुझे लगता है कि वह इसका भरपूर फायदा उठाएंगे.'' पंजाब किंग्स का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है और सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी आलोचना हो रही है लेकिन पोंटिंग ने कहा कि नकारात्मक चर्चा ड्रेसिंग रूम तक नहीं पहुंची है.

न्यूज कॉर्नर

लक्ष्य और प्रणय बाहर, मालविका और अश्मिता दूसरे दौर में

कुआलालंपुर: भारत के लिए मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 में निराशाजनक दिन में मालविका बंसोड़ और अश्मिता चालिहा ही उम्मीद की किरण बनकर उभरीं जिन्होंने महिला एकल में अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई. एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) चोट से उबरने के बाद वापसी कर रही मालविका ने जर्मनी की दुनिया की 52वें नंबर की खिलाड़ी यवोन ली को 21-17, 16-21, 21-9 से शिकस्त दी. वहीं अश्मिता ने इंडोनेशिया की दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी थालिता रमाधनी विरियावान पर 21-16, 21-13 से आसान जीत दर्ज की. अब मालविका डेनमार्क की आठवीं वरीय लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से भिड़ेंगी जबकि अश्मिता का सामना मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा. पुरुष एकल में भारत के सबसे होनहार खिलाड़ी और आठवें वरीय लक्ष्य सेन को इंडोनेशिया के दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद जकी उबैदुल्लाह के खिलाफ 17-21, 11-21 से उलटफेर का सामना करना पड़ा जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए. फिर 2023 एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एच एस प्रणय को भी जापान के छठे वरीय कोदाई नराओका के खिलाफ 80 मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 22-20, 22-24 से हार का सामना करना पड़ा. किरण जॉर्ज फ्रांस के सातवें वरीय एलेक्स लानियर के खिलाफ 15-21, 1-6 से पिछड़ने के बाद रिटायर हो गए. भारत के तरुण मन्नेपल्ली ने एक गेम की बढ़त गंवा दी और चीनी ताइपे के वांग पो-वेई से 21-17, 14-21, 8-21 से हार गए. महिला एकल में अनमोल खरब कड़ा संघर्ष करने के बावजूद डेनमार्क की आठवीं वरीय लाइन क्रिस्टोफरसेन कजर्सफेल्ट से 21-13, 16-21, 19-21 से हार गईं. भारत के आशिथ सूर्या और अमृता प्रमुतेश की मिश्रित युगल जोड़ी शुरुआती दौर में इंडोनेशिया के बॉबी सेतियाबुदी और मेलाती देवा ओक्तावियंती से 13-21, 18-21 से हार गई. महिला युगल में रुतापर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा बहनें रिन इवानागा और की नाकानिशी की जापानी की दूसरी वरीय और दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी से 7-21, 6-21 से बुरी तरह हार गईं.

हॉकी कोच बलदेव सिंह को सम्मानित किया जाएगा पद्मश्री से

नयी दिल्ली: हॉकी कोच बलदेव सिंह को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा जाएगा. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. सिंह (75 वर्ष) ने एनएच 44 पर बसे छोटे से शहर शाहाबाद मारकंडा को बेहतरीन हॉकी प्रतिभा पैदा करने का एक बड़ा केंद्र बना दिया. वह 1982 में हरियाणा खेल विभाग में कोच के तौर पर शाहाबाद मारकंडा आए थे और उन्होंने वहां चार साल तक सेवा दी. अधिकारियों ने बताया कि 1993 में वह इस शहर में वापस लौटे और उन्होंने इस हॉकी नर्सरी को सबसे ज्यादा हॉकी प्रतिभा पैदा करने वाले केंद्र में से एक बना दिया. भैणी साहिब की नामधारी हॉकी टीम से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने वाले और अस्सी के दशक की शुरुआत में बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) से हॉकी कोचिंग में डिप्लोमा हासिल करने वाले सिंह ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इस खेल में 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और आठ भारतीय कप्तानों को तराशा. जैसे-जैसे यह अकादमी इस खेल के लिए एक प्रमुख केंद्र बनती गई, सिंह ने हॉकी की प्रतिस्पर्धी व्यवस्था में कई अहम भूमिकाएं निभाईं. उन्होंने 1993 में जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता के तौर पर काम किया. फिर वह 1996 में मद्रास में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सहायक कोच रहे और बाद में सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बने. अधिकारियों ने बताया कि 2001 से 2004 तक उन्होंने भारतीय पुरुष टीम के कोच के तौर पर काम किया और 2004 के एशिया कप में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई. चार दशकों से भी ज्यादा समय से सिंह सुर्खियों से दूर रहकर चुपचाप काम करते रहे, उन्होंने भारतीय हॉकी की संस्थागत नींव को मजबूत करने में योगदान दिया. सिंह ने फतेहगढ़ साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब विश्व विश्वविद्यालय और अमृतसर के खालसा कॉलेज में हॉकी कोच के तौर पर सेवा दी. उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा 2020 तोक्यो, 2024 पेरिस और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए एक 'रोडमैप' तैयार करने हेतु गठित ओलंपिक कार्य बल के मुख्य सदस्य के तौर पर भी काम किया है.

धैर्य गोगिया ने एशियाई जूनियर स्क्वाश में से चुन को हराकर उलटफेर किया

नयी दिल्ली: भारत के धैर्य गोगिया ने बुधवार को यहां हांगकांग के पांचवें से आठवें वरीय से का चुन को चीन के पैंझिहुआ में चली रही 33वीं एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में लड़कों के अंडर-13 वर्ग के पहले दौर में हराकर उपटफेर किया. गोगिया ने लड़कों के एकल वर्ग में चुन को 12-10, 10-12, 11-7, 11-7 से हराया. चार दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न आयु वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया. अंडर-13 लड़कों के पहले दौर में तीसरे-चौथे वरीय अमरया बजाज ने मकाऊ के चाउ ह्यो चोन को 11-1, 11-1, 11-5 से शिकस्त दी जबकि तीसरे-चौथे वरीय अभ्युदय अरोड़ा ने श्रीलंका के दानुजा जयसिंघे को 11-5, 11-4, 11-1 से हाया. लड़कियों के वर्ग में रिया दलाल ने श्रीलंका की धीर्या मिताली सिल्वा को 11-0, 11-6, 11-7 से हराया जबकि पांचवीं से आठवीं वरीय आलिया कंकारिया ने कोरिया की युन चो को 11-4, 11-6, 11-5 से शिकस्त दी.

भारत की अंडर-19 टीम श्रीलंका में तीन युवा एकदिवसीय और दो 'टेस्ट' खेलेगी

कोलंबो: श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बुधवार को घोषणा की कि भारत की अंडर-19 टीम चार से 23 जुलाई के बीच श्रीलंका का दौरा करेगी और मेजबान टीम के खिलाफ तीन युवा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और चार दिवसीय दो 'टेस्ट' मैच खेलेगी. भारत की अंडर-19 टीम 30 जून को कोलंबो पहुंचेगी और फिर हंबनटोटा जाएगी जहां वह चार, छह और नौ जुलाई को 50 ओवर के तीन मैच खेलेगी. दो बहु दिवसीय मुकाबलों में से पहला मैच 13 से 16 जुलाई तक गॉल में होगा जबकि दूसरा मैच 20 से 23 जुलाई तक कोलंबो में खेला जाएगा.

अमेरिकी ओपन के लिए क्वालीफाई करके मानव शाह ने आईजीपीएल के लिए इतिहास रचा

नयी दिल्ली: भारतीय-अमेरिकी गोल्फर मानव शाह ने आईजीपीएल के लिए इतिहास रचा जब वह पिछले साल इस लीग की शुरुआत के बाद इस टूर से 2026 अमेरिकी ओपन में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने. मानव ने डलास एथलेटिक क्लब में 36 होल के अंतिम क्वालीफाई टूर्नामेंट में 66 और 71 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहते हुए अमेरिकी ओपन में अपनी जगह पक्की की. इस 33 वर्षीय गोल्फर ने मौजूदा सत्र में आईजीपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है और चार टूर्नामेंट में तीन बार शीर्ष सात और एक बार संयुक्त 11वें स्थान पर जगह बनाने में सफल रहे.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे फखर जमां और साइम अयूब

लाहौर: पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां और साइम अयूब चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं होंगे. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को कहा कि दोनों खिलाड़ियों को पीसीबी की मेडिकल टीम की देखरेख में 'रिहैबिलिटेशन' कार्यक्रम में शामिल होने की सलाह दी गई है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा. अगले दो मैच दो और चार जून को लाहौर में खेले जाएंगे. बोर्ड ने इन खिलाड़ियों की चोट की प्रकृति और उनके ठीक होने में लगने वाले अपेक्षित समय के बारे में विस्तार से नहीं बताया. हालांकि एक सूत्र ने बताया कि उन्हें घुटने और टखने में समस्या है. साहिबजादा फरहान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम में जगह मिलने की संभावना है, वहीं बाबर आजम के भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारने पर विचार किया जा रहा है.

न्यूज कॉर्नर

नीट पेपर लीक के विरोध में गुरूवार को भाजपा मुख्यालय का घेराव करेगी कांग्रेस

जयपुरः नीट-2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले और इसमें भाजपा नेताओं की संलिप्तता के आरोपों को लेकर राजस्थान कांग्रेस गुरूवार को जयपुर में भाजपा प्रदेश मुख्यालय का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन करेगी. प्रदर्शन का नेतृत्व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा करेंगे. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि लगातार नीट परीक्षा के पेपर लीक मामलों को रोकने में केंद्र सरकार विफल रही है और जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है. इसी के विरोध में कांग्रेस पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे तथा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को भंग करने की मांग कर रही है. उन्होंने बताया कि प्रदेशभर से कांग्रेस कार्यकर्ता गुरूवार सुबह 10 बजे जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर एकत्रित होंगे. इसके बाद कार्यकर्ता जुलूस के रूप में शहीद स्मारक होते हुए भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचेंगे, जहां घेराव और विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा. कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों से देशभर के लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है. पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है.

कार में बंद हुईं दो बहनों की दम घुटने से मौत

अलवरः शहर में खेलते-खेलते दो बहनें कार में बैठ गईं और अंदर बंद हो गई. गेट नहीं खुलने के कारण दोनों बच्चियों का दम घुट गया. कुछ देर बाद परिजनों ने तलाश की तो कार में बेहोशी की हालत में मिली. आसपास के लोगों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया. मामला खुदनपुरी इलाके का है. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दोनों बच्चियां कार के अंदर जाती दिखाई दे रही हैं. बच्चियों के पिता रमेश ने बताया मेरी हेयर सैलून की दुकान है. बुधवार को सुबह मैं बेटियों टीना (8) और लक्ष्मी (5) को घर पर छोड़कर दुकान पर काम करने चला गया था. सुबह करीब 11:30 बजे दोनों खेलते-खेलते पास ही स्थित एक कार रिपेयरिंग सेंटर पहुंच गईं. वहां मौजूद लोगों ने उन दोनों को कई बार हटाया भी, लेकिन दोनों दोबारा जाकर एक लाल रंग की खराब कार में बैठ गईं और दरवाजा बंद कर लिया. इसके बाद बाहर नहीं निकल सकीं. दम घुटने से दोनों बेहोश हो गईं. दोपहर में पिता घर आए तो नहीं मिली दोनों बहनें रमेश ने बताया मैं दोपहर करीब 12 बजे खाना खाने घर पहुंचा, तो दोनों बेटियां नहीं मिलीं. मैंने उनको आसपास के इलाके में ढूंढा. इस दौरान दोनों बच्चियां कार में बेहोशी की हालत में मिली. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. रमेश ने बताया कि लोगों की मदद से बच्चियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया. 4 साल पहले बच्चियों की मां की साइलैट अटैक से मौत हो गई थी. वैशाली नगर थाना अधिकारी गुरुदत्त सैनी ने बताया- जिस कार में यह दर्दनाक हादसा हुआ, वह पूरी तरह खराब स्थिति में थी. कार का इंजन और बैटरी बंद होने के कारण ऑटो-लॉक होने की संभावना नहीं थी. पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, बच्चियां कार के अंदर बैठने के बाद खुद से दोबारा गेट नहीं खोल सकीं, जिसके चलते वे अंदर ही फंस गईं और यह हादसा हो गया. फिलहाल पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है.

हाईटेंशन लाइन से खुशखेड़ा थाना परिसर में आग का तांडव, जप्त वाहन जलकर हुए राख

अलवरः राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा थाना परिसर में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब थाना परिसर में खड़े जप्त वाहनों में अचानक भीषण आग लग गई. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और अनगिनत बाइक व अन्य वाहन धू-धू कर जलने लगे. आग इतनी भयावह थी कि जप्त बाइकों में मौजूद पेट्रोल टैंकों में लगातार धमाके होने लगे. धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए और थाना परिसर के बाहर भीड़ जमा हो गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं. करीब आधा दर्जन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. थानाधिकारी संजय मीणा ने बताया कि थाना परिसर के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन में स्पार्किंग होने के कारण आग लगी. तेज हवा के चलते आग तेजी से फैल गई और जप्त वाहन उसकी चपेट में आ गए. फिलहाल आग बुझने के बाद जले हुए वाहनों की गिनती की जा रही है. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार बड़ी संख्या में बाइक और अन्य वाहन जलकर पूरी तरह राख हो चुके हैं. घटना के बाद इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

बस्सी रेलवे स्टेशन के पास लगी भीषण आग, रेलवे अधिकारियों ने किया दौरा

चित्तौड़गढ़ः जिले के बस्सी कस्बे के सोनगर मार्ग पर स्थित रेलवे स्टेशन के पास रेलवे की ही जमीन पर उगे यूकिलिप्टिस के पेड़ों में भीषण आग लग गई और दर्जनों पेड़ जल कर खाक हो गए. आग की लपटों को देख कर राजमार्ग पर गुजर रहे लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और उच्चाधिकारियों को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और चित्तौड़गढ़ से दमकल बुलाई गई. दमकल समय पर नहीं पहुंचने से आग पूरे क्षेत्र में फैल गई और सूखी झाड़ियों में भी आग लग गई. तेज गर्मी के बीच आग की लपटें इतनी भीषण थी कि लोगों को मौके से भाग कर रेलवे पटरियों पर जाना पड़ा. तेज हवाएं चलने से आग और फैलती गई और धुए का गुबार फैल गया. बाद में ग्रामीणों ने आस-पास के क्षेत्र में पानी डालकर आग आगे फैलने से रोका, लेकिन दर्जनों पेड़ जल कर खाक हो गए.गौरतलब है कि बस्सी के इसी क्षेत्र में पहले भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी है. चित्तौड़गढ़ विधानसभा का बस्सी सबसे बड़ा कस्बा है और आस-पास के करीब 200 गांव जुड़े हुए है. इसके बावजूद बस्सी में फायर ब्रिगेड की सुविधा नहीं है. आगजनी की घटनाओं के बाद आग पर नियंत्रण के लिए चित्तौड़गढ़ से दमकल बुलानी होती है.

जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के दोषी को दो वर्ष कैद की सजा

जींदः अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्पेशल फास्ट ट्रेक कोर्ट शिफा की अदालत ने जातिसूचक शब्द कह कर अपमानित करने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए दो वर्ष का कठोर कारावास व पांच हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है.पुलिस प्रवक्ता राजेश कुमार ने बुधवार को बताया कि गांव भंभेवा निवासी संदीप ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि गांव में प्लाट के विवाद को लेकर उनका प्रमोद आदि से झगड़ा हो गया था. इसमें प्रमोद ने उसे जातिसूचक शब्द बोल कर धमकी दी थी. पुलिस ने 2019 में प्रमोद के खिलाफ मामला दर्ज किया था. पुलिस प्रवक्ता राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने ठोस साक्ष्य एकत्रित करके व गवाहों के बयान के आधार पर न्यायालय में चालान पेश किया था. बुधवार को अतिरिक्त एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट शिफा की अदालत ने प्रमोद को दोषी करार देते हुए दो वर्ष की कैद व पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है. पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए जींद पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है. किसी भी व्यक्ति द्वारा जातिसूचक टिप्पणी, सामाजिक अपमान अथवा कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया जाएगा तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी.

फरीदाबाद में बिजली आपूर्ति गड़बड़ाई तो विरोध में सडक़ पर उतरे लोग, लगाया जाम

फरीदाबादः फरीदाबाद के पल्ला थाना क्षेत्र में बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा सडक़ों पर फूट पड़ा. मंगलवार देर रात बसंतपुर-सेहतपुर रोड पर सैकड़ों लोगों ने जाम लगा दिया. लोगों का आरोप है कि पिछले चार दिनों से उनके घरों में बिजली नहीं पहुंच रही है, जिससे उनका जन-जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है. स्थानीय निवासी सुशांत ने बताया कि कालोनियों में हर रात करीब 10 बजे बिजली काट दी जाती है और सुबह 6 बजे थोड़ी देर के लिए ही सप्लाई आती है. लगातार हो रही कटौती के कारण लोग रात में सो तक नहीं पा रहे हैं. वहीं, पानी की समस्या भी गंभीर हो गई है और लोगों को बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है. प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि कालोनियों की बिजली काटकर सेक्टरों को सप्लाई दी जा रही है, जबकि वे भी नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान करते हैं. बावजूद इसके उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है. आक्रोशित लोगों ने अपने दोपहिया वाहन सडक़ पर खड़े कर बसंतपुर-सेहतपुर रोड को कई घंटे तक जाम रखा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा.

राहुल गांधी के बयान पर सांसद जोशी का पलटवार

चित्तौड़गढ़ः भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने रायबरेली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जैसे संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं को गद्दार कहना केवल राजनीतिक दिवालियापन नहीं, बल्कि देश की जनता के जनादेश और लोकतांत्रिक व्यवस्था का भी अपमान है.सीपी जोशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए देशभक्ति कोई राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि संस्कार और विचारधारा का मूल आधार है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता, सुरक्षा, संस्कृति और गौरव को मजबूत करने का कार्य किया है. पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करता है और भाजपा की राजनीति सत्ता नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य पर आधारित है.

सांसद ने कहा कि गद्दार वो नहीं जिन्होंने देश से आतंकवाद और अलगाववाद खत्म करने के लिए धारा 370 हटाई, बल्कि वे हैं जिन्होंने संसद से लेकर सड़कों तक इसका विरोध किया. उन्होंने कहा कि गद्दार वो नहीं जिन्होंने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया, बल्कि वे हैं जिन्होंने वर्षों तक भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए और मंदिर निर्माण में बाधाएं खड़ी कीं.

सीपी जोशी ने कहा कि गद्दार वो नहीं जिन्होंने सेना को खुली छूट देकर

आतंकियों को घर में घुसकर जवाब दिया, बल्कि वे हैं जिन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाकर सेना का मनोबल गिराया. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विदेशी मंचों पर जाकर भारत की छवि खराब करने का प्रयास करते रहे हैं. उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास की भावना से कार्य करने वाली भाजपा पर आरोप लगाने वाले वे लोग हैं जिन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया और वोट बैंक की राजनीति के लिए समाज को बांटने का कार्य किया.

सांसद सीपी जोशी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रवाद पर बोलने से पहले अपना इतिहास देखना चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा, घोटालों से देश को शर्मसार किया और शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया. उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस और राहुल गांधी को बार-बार नकार चुकी है, इसलिए अब कांग्रेस तथ्यों और मुद्दों की राजनीति छोड़कर भ्रम फैलाने और स्तरहीन बयानबाजी का सहारा ले रही है. उन्होंने राहुल गांधी से सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि जनता अब झूठे नैरेटिव और सस्ती लोकप्रियता की राजनीति को पहचान चुकी है.सीपी जोशी ने कहा, राहुल गांधी को यह समझ लेना चाहिए कि यह नया भारत है, जहां जनता काम देखती है, परिवार का नाम नहीं. देश की जनता कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति, झूठे आरोपों और देश को बदनाम करने वाली सोच का लगातार जवाब दे रही है और आगे भी देती रहेगी.

वाहन की टक्कर से बाइक सवार रैपिडो कर्मी की मौत

जींदः गांव बनियाखेड़ा के निकट जम्मू-कटडा नेशनल हाइवे पुल अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी. जिसमें बाइक सवार युवक की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. पुलिस ने बुधवार को मृतक के शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है. पुलिस ने ने मृतक के पिता की शिकायत पर फरार वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.गांव बरहाखुर्द निवासी अंकित (22) चंडीगढ़ रैपिडो कंपनी में काम करता था. वह नेशनल हाईवे 152डी के रास्ते बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहा था. जब वह जम्मू-कटडा नेशनल हाइवे पुल के पास पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी. जिसमें अंकित गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना को अंजाम देकर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया. राहगीरों ने नागरिक अस्पताल पहुंचाया. जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया. मृतक अंकित के पिता भोलाराम की शिकायत पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने फरार वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है.

हर शुक्रवार सीएम विंडो शिकायतों की समीक्षा करें: नायब सिंह सैनी

सीएम बोले, शिकायतों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

चंडीगढ़ः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए सख्त निर्देश दिए हैं.मुख्यमंत्री ने सभी जिला उपायुक्तों को हर शुक्रवार को सीएम विंडो शिकायतों की समीक्षा करने और उनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए हैं. उन्होंने हर जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए और चेताया कि लापरवाही किसी भी स्तर पर सहन नहीं होगी.मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और मंडल आयुक्तों के साथ समीक्षा बैठक में शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, एटीआर अपलोड करने करने की हिदायत दी. उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम विंडो, हर समाधान शिविर और जन शिकायतों की मॉनिटरिंग वे स्वयं करेंगे. साथ ही पुलिस, राजस्व और हाउसिंग बोर्ड मामलों में भी जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. हाउसिंग बोर्ड की समस्याओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा जनता का बकाया पैसे का भुगतान 10 तारीख को बटन दबाकर किया जाएगा. इसके लिए अधिकारी पूरी तैयारी करें. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करें और उनके शीघ्र निस्तारण को सुनिश्चित करें, ताकि लोगों की समस्याओं का तय समय सीमा में समाधान हो सके. उन्होंने कहा की सीएम विंडो मामलों में लापरवाही बर्दाशत नही की जाएगी. उन्होंने सभी विभागों को शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करने तथा जल्द से जल्द एटीआर अपलोड करने के निर्देश भी दिए, जिससे शिकायतों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जा सके. मुख्यमंत्री ने कहा कि हर समाधान, सीएम विंडो और उनके समक्ष आने वाली शिकायतों की वे स्वयं मॉनिटरिंग करेंगे.मुख्यमंत्री ने करनाल के 100 -100 गज के प्लाट की पैमाईश समय पर न करने पर उपायुक्त को नायब तहसीलदार के खिलाफ जांच करने के निर्देश दिए. सीएम ने जींद के बडौद निवासी जरनैल की शिकायत पर पशु बीमा का क्लेम नहीं मिलने पर भी जांच करने के निर्देश दिए.

राष्ट्रीय तीरंदाजी कोच को नाबालिग से छेड़छाड़ में पांच साल की सजा

सोनीपतः सोनीपत की फास्ट ट्रैक विशेष अदालत ने नाबालिग तीरंदाजी खिलाड़ी से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न मामले में बुधवार को राष्ट्रीय तीरंदाजी कोच को पांच वर्ष की कैद सुनाई है. अतिरिक्तसत्र न्यायाधीश नरेंद्र की अदालत ने दोषी कुलदीप कुमार वेदवान पर 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है. जुर्माना जमा न करने पर आरोपी को तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी. यह मामला अगस्त 2023 में मुरथल थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था. राष्ट्रीय स्तर की नाबालिग खिलाड़ी ने अपने कोच पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजदिया था. मामले की सुनवाई विशेष अदालत में चली. विशेष लोक अभियोजक विजेंद्र सिंह खत्री के अनुसार अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों पर सुनवाई के बाद 15 मई 2026 को आरोपी को दोषी ठहराया और 20 मई 2026 को सजा सुनाई. अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए के तहत भी दोषी माना. इस धारा में तीन वर्ष की कठोर कैद और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई. जुर्माना न देने पर एक महीने की अतिरिक्त साधारण कैद काटनी होगी.

शिकायत के अनुसार घटना अप्रैल 2023 में सोनीपत में आयोजित यूथ चैम्पियनशिप ट्रायल के दौरान हुई. पीड़िता स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया सोनीपत में ट्रायल देने आई थी और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड कटरा स्टेडियम में अभ्यास करती थी. ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों को अलग-अलग होटलों में ठहराया गया था.आरोप है कि सात अप्रैल की सुबह आरोपी कथित रूप से होटल के कमरे में पहुंचा और अश्लील हरकतें करते हुए जबरदस्ती का प्रयास किया. पीड़िता ने नींद से जागकर लगभग 15 से 20 मिनट तकसंघर्ष किया और किसी तरह बाहर निकल गई. वह पास के कमरे में ठहरी महिला खिलाड़ियों के पास पहुंची और खुद को सुरक्षित महसूस किया.

दूसरे दिन भी पेट्रोल-डीजल को लेकर नहीं सुधरे हालात, प्रशासन के सारे दावे खोखले साबित

जोधपुरः शहर में पेट्रोल-डीजल को लेकर दूसरे दिन भी हालात सामान्य नहीं हो सके. शहर के कई पेट्रोल पंपों पर सीमित मात्रा में ही ईंधन दिया जा रहा है. कहीं दोपहिया वाहनों में केवल 200 रुपए तक का पेट्रोल भरा जा रहा है तो कहीं 500 रुपए की सीमा तय कर दी गई है. वहीं कई पंपों पर तेल खत्म के बोर्ड भी लगे नजर आए. इस स्थिति के चलते प्रशासन के हालात सामान्य होने के दावे खोखले साबित होते दिखाई दिए.

दरअसल मंगलवार शाम पेट्रोल-डीजल के दाम बढने की खबर के बाद शहर के कई पेट्रोल पंपों पर अचानक वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं. देर शाम एकाएक बढ़ी भीड़ के चलते ईंधन की किल्लत की अफवाहें फैल गईं, जिससे लोगों में घबराहट का माहौल बन गया. इसके बाद कई पेट्रोल पंप संचालकों ने सीमित मात्रा में पेट्रोल-डीजल देना शुरू कर दिया. बुधवार को भी शहर के कई इलाकों में यही स्थिति बनी रही.कई पेट्रोल पंपों पर अघोषित रूप से ईंधन की कटौती की गई. महामंदिर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर दोपहिया वाहनों में केवल 200 रुपए का पेट्रोल भरा गया. वहीं कुछ अन्य पंपों पर 500 रुपए से अधिक का पेट्रोल नहीं दिया गया. ईंधन की कमी के चलते उपभोक्ताओं को एक पेट्रोल पंप से दूसरे पंप तक चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

जोधपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने दावा किया है कि जोधपुर शहर में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति वर्तमान में पूर्णत: सामान्य एवं पर्याप्त बनी हुई है. सभी तेल विपणन कंपनियों द्वारा नियमित रूप से ईंधन की आपूर्ति की जा रही है तथा शहर के समस्त पेट्रोल पंप सुचारु रूप से संचालित हो रहे हैं. जोधपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सचिव राजेश बिश्नोई द्वारा भी यह स्पष्ट किया गया है कि पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा किसी प्रकार की वास्तविक कमी की स्थिति नहीं है.इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा ईंधन आपूर्ति व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है. ईंधन टैंकर निर्धारित समयानुसार नियमित रूप से पेट्रोल पंपों तक पहुंच रहे हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था निर्बाध रूप से संचालित हो रही है. बिश्नोई ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा केवल आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल एवं डीजल की खरीद करें. अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में ईंधन संग्रह करने से कृत्रिम कमी जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है.

हत्या के जुर्म में तीन को उम्र कैद की सजा

जींदः अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सौरभ गुप्ता की अदालत ने हत्या के जुर्म में तीन दोषियों को उम्र कैद व 25-25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है. अभियोजन पक्ष के अनुसार 28 जनवरी 2023 को शहर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि रानी तालाब के निकट गांव लुदाना निवासी रोहित पर तेजधार हथियार से हमला किया गया है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी. घायल रोहित को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था. जिसमें उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी. मृतक के पिता अजमेर की शिकायत पर पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था. जांच के दौरान सामने आया कि घटना वाले दिन रोहित अपने दोस्तों के साथ आया था. जहां मामूली कहासुनी के बाद कुछ युवकों ने उसका पीछा कर हमला कर दिया. आरोपियों ने रोहित के साथ मारपीट करते हुए उस पर चाकू से कई वार किए. जिससे उसकी मृत्यु हो गई.

केन्द्र सरकार की लापरवाही का खामियाजा अब समाज के हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा : कुमारी सैलजा

फतेहाबादः सिरसा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मिडल ईस्ट में लंबे समय से ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने संभावित प्रभावों को लेकर पहले से कोई ठोस तैयारी नहीं की. आज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हर वस्तु महंगी होती जा रही है और आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है. केंद्र सरकार को समय रहते ऐसे प्रबंध करने चाहिए थे जिससे देशवासियों को राहत मिलती, लेकिन सरकार की लापरवाही का खामियाजा अब समाज के हर वर्ग को भुगतना पड़ रहा है.

सांसद बुधवार को रतिया स्थित रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी. इस अवसर पर सांसद कुमारी सैलजा ने जनसुनवाई कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं. इस दौरान रतिया के एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे. सांसद कुमारी सैलजा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाए. जनता को अपने कार्यों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रशासन संवेदनशीलता के साथ कार्य करे.

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने हरियाणा की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में सरकार का सिस्टम पूरी तरह जाम हो चुका है. लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सडक़ों पर उतरकर आंदोलन और जाम लगाने को मजबूर होना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार अपराध, हत्या और हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है. इस मौके पर पांच बार नगर पार्षद रहे अजमेर सिंह ने सैलजा के नेतृत्व में कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की. इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा, पूर्व विधायक निशान सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयपाल सिंह लाली, मंगतराम लालवास, सुरेंद्र वर्तिया, गुरदीप सिंह चहल, सुरेंद्र लेगा सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे.

रेवाड़ी में सेना के जवान ने फंदा लगाकर दी जान

रेवाड़ीः हरियाणा के रेवाड़ी जिले में भारतीय सेना के एक जवान ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना जिले के गांव नेहरूगढ़ की है, जहां 28 वर्षीय योगेश का शव बुधवार सुबह उनके कमरे में पंखे से लटका मिला. सूचना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. मृतक योगेश भारतीय सेना में कार्यरत थे और उनकी पोस्टिंग बाड़मेर स्थित ऑर्डिनेंस डिपो में थी. परिवार के अनुसार वे करीब 25 दिन पहले छुट्टी लेकर गांव आए थे.बुधवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों को शक हुआ.

जब कमरे का दरवाजा खोला गया तो योगेश फंदे से लटके मिले. परिजन तुरंत उन्हें कोसली सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही नाहड़ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया.पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है. परिवार का कहना है कि योगेश पिछले कई दिनों से मानसिक तनाव और डिप्रेशन में थे. हालांकि उन्होंने किसी प्रकार की पारिवारिक परेशानी की जानकारी नहीं दी थी.

सुडोकू-53

		4	3	9	2		5	
	2			8				
	9	1	6					2
3	4		9					5
	5	9	4		6	3	2	
2					1		4	6
4					9	5	7	
				1			8	
	1		7	4	3	2		

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -52 का उत्तर

8	2	4	3	1	9	6	7	5
9	3	5	7	8	6	2	1	4
6	7	1	2	5	4	8	9	3
5	8	6	1	9	3	4	2	7
1	4	3	8	7	2	9	5	6
2	9	7	6	4	5	1	3	8
4	5	8	9	3	1	7	6	2
3	1	2	4	6	7	5	8	9
7	6	9	5	2	8	3	4	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 74

1		2		3		4		5
				6				
		7	8			9	10	
11	12							
					13			
				14		15		
16		17			18			
		19		20				21
22						23		

● **बाएं से दाएं**

1. बोलना, कथन, 4. पुष्प, 6. प्रणाम, झुकाव, 7. पूर्व सोवियत संघ से अलग हुआ सबसे बडा देश, 9. रुष्ट, अप्रसन्न, 11. जो दोषी नहीं, 14. अन्तर्विरोध, दो बातों का आपसी अंतर, 16. हवा, पवन, 18. शिव, ले जाने वाला, भाजक, 19. ईर्ष्या करना, आग लगाना, 22. जो साथ उत्पन्न हुआ हो, एक ही जाति के, 23. विलास, कामदेव, प्रिय,

● **उपर से नीचे**

1. अंश, कौशल, 2. विविध रुप, नाना रुप, 3. आदर, 4. ध्यान देना, श्रवण करना, 5. प्रार्थना, जो मुसलमान करते है, 8. यात्रियों के रहने का स्थान, 10. दरबार, 12. भोजन बनाने वाला, खानसामा, 13. बढत, चढाव, 15. तेज, पैना, 16. वाद-विवाद, 17. चांदी, 20. मां का पिता, 21. छोटा टुकडा, रज,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 73 का हल

प्र	ति	भू	ति			अ		अ
श्न		दा		सा	वा	धि		नि
	अ	न	ब	न		नि	का	य
ग	दा				म	य		मि
डा		बा	ना		न	म		त
हु		जा	री				दा	ता
आ	का	र		ला	भ	प्र	द	
ध		भा	व	ना		ति		धा
न		व			नि	ष्ठा	वा	न

आयकर विभाग में देश व्यापी तबादले

- 1220 आयकर अधिकारियों के तबादला आदेश जारी
- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड-सीबीडीटी ने जारी किए तीन आदेश
- प्रधान आयकर आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त व सहायक आयकर आयुक्त स्तर के अधिकारियों के तबादला आदेश जारी
- जयपुर के डॉ. संग्राम रमेश जगदाले को सीबीडीटी में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

- विमल कोठारी

जयपुर: पिछले एक माह से लंबित चल रही आयकर विभाग में भारतीय राजस्व सेवा-आईआरएस अधिकारियों की तबादला सूची मंगलवार देर रात जारी हो गई है. केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड-सीबीडीटी ने तीन अलग-अलग आदेश जारी कर देश में प्रधान आयकर आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त व सहायक आयकर आयुक्त स्तर के 1220 अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं. तबादला आदेश का राजस्थान पर भी व्यापक असर पड़ा है. राज्य में कई अधिकारी इधर-उधर हुए हैं. तबादला आदेशों के कारण सबसे बड़ा बदलाव राज्य के आयकर विभाग में आयकर छापेमारी व सर्वे कार्रवाई करने वाले महानिदेशक आयकर अन्वेषण कार्यालय में भी देखने को मिला. अन्वेषण कार्यालय में कार्यरत अतिरिक्त निदेशक डॉ. संग्राम रमेश जगदाले को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में अतिरिक्त आयुक्त (विशेषाधिकारी) (अन्वेषण-6) के पद पर महत्वपूर्ण नियुक्ति भी मिली है. केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अवर सचिव राम लखन के हस्ताक्षर से जारी 3 अलग-अलग तबादला आदेशों के अनुसार देश के 45 प्रधान आयकर आयुक्त को पदोन्नति के बाद नई जिम्मेदारियां मिली, 49 प्रधान आयकर आयुक्त के अनिवार्य तबादला नीति व समीक्षा के आधार पर व 64 प्रधान आयकर आयुक्त के अन्य आधार पर तबादले हुए, जबकि 89 प्रधान आयकर आयुक्त को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई. राजस्थान में पदोन्नत होने वाले प्रधान आयकर आयुक्तों में से मनोज कुमार महर को पीसीआईटी असेसमेंट यूनिट-1 जयपुर के साथ असेसमेंट यूनिट-1 अजमेर और असेसमेंट यूनिट-1 अलवर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इसी तरह पीसीआईटी-2 जयपुर के पद पर कार्यरत पुरुषोत्तम कश्यप को भोपाल में प्रधान निदेशक आयकर अन्वेषण की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि संजय धारीवाल का पीसीआईटी सेंट्रल गुरुग्राम के पद पर तबादला हुआ और विनय कुमार सिंह का दिल्ली से पीसीआईटी-1 जयपुर और रितेश परमार का अहमदाबाद से पीसीआईटी-2 जयपुर पर तबादला होने के साथ उन्हें पीसीआईटी असेसमेंट यूनिट-1 बीकानेर का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है. इसी तरह 580 अतिरिक्त आयुक्त/संयुक्त आयुक्त के तबादला आदेश जारी हुए व 6 अतिरिक्त आयुक्त/संयुक्त आयुक्त को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में अपनी प्रतीभा दिखाने का मौका मिला. राजस्थान में 12 अतिरिक्त आयुक्त/संयुक्त आयकर आयुक्त का तबादला हुआ, जबकि इस श्रेणी के 5 अधिकारियों को राजस्थान में नियुक्ति मिली, तथा 3 अधिकारियों की राज्य में सीट बदलेगी. राजस्थान में अतिरिक्त आयुक्त/संयुक्त आयुक्त पद पर पदोन्नति के बाद प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त राजस्थान कार्यालय के अधीन अरुण कुमार गुप्ता, मनमोहन कंडपाल, फरहा हुसैन, आरती रावत और महेश कुमार वर्मा आएंगे, जबकि अतिरिक्त आयकर आयुक्त मोनिषा, सोनिया महाजन व आयुषी शर्मा की सीट बदलेगी. इसके अलावा अतिरिक्त आयकर आयुक्त मीतू अग्रवाल का राजस्थान से दिल्ली, ममता मीना का गुजरात और कुणाल हैवर का केरल तबादला हुआ है. इसी तरह मुम्बई से राजसिंह मील, दिल्ली से सतीश वर्मा, शारदा मीना, निधि नायर, जगदीश और जी डी शर्मा, गुजरात से गिरिश परिहार व आन्ध्रप्रदेश व तेलंगाना से बी. शशिकांथ राजस्थान आएंगे. तबादला सूची का राजस्थान में 22 उपायुक्त/सहायक आयकर आयुक्त पर प्रभाव पड़ेगा. राजस्थान से/में 17 उपायुक्त/सहायक आयकर आयुक्त का तबादला हुआ, 4 अधिकारियों को राजस्थान में नियुक्ति मिली, एक अधिकारी की राज्य में सीट बदली है. तबादला आदेश के अनुसार उपायुक्त/सहायक आयकर आयुक्त पर पदोन्नति के बाद राजस्थान कार्यालय के अधीन हरदयाल सिंह राठौड़, राजा बाबू जरथल, डॉ. बोधीराज एस. विश्वास बघेल और हरीश जी. शाह आएंगे, सीमा खत्री की सीट बदलेगी व राजेश गुप्ता व रूप सिंह का राजस्थान से दिल्ली, वीर सिंह मीना का मुम्बई, अर्पित बोहरा का मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़, राकेश रंजन और गिरीश एम परमार का गुजरात और आस्था का आंध्र प्रदेश तेलंगाना तबादला हुआ, जबकि दिल्ली से कन्हैया लाल मीना, मिन्थु सिंह मीना, कमलेश कुमार मीना, गिरिराज प्रसाद जांगिड़, अजय कुमार गुप्ता, विजय डेम्बला, धन्नालाल बैरवा, रतन सिंह और पुरुषोत्तम कुमार कल्याणिया, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से दिनेश कुमार कजोट राजस्थान आएंगे. इसी आदेश में 13 उपायुक्त/सहायक आयकर आयुक्त को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में नियुक्ति मिली है. वार्षिक तबादला नीति के आधार पर जारी 74 पेज की तीनों तबादला सूचियों के अनुसार विभाग में आयकर अधिकारियों के तबादलों का कार्य पूरा हो चुका है. सभी अधिकारियों को आगामी 28 मई तक अपनी नई जिम्मेदारी संभालनी होगी.

विपत्ति में भी उन्नति के अवसर होते हैं

मानव जीवन सुख और दुःख, सफलता और असफलता, उतार-चढ़ाव, अनुकुलता ओर विपरीत परिस्थितियों की यात्रा है. विपत्ति जीवन का वह दौर है जो मनुष्य की परीक्षा लेता है, परंतु यही कठिन समय व्यक्ति के भीतर छिपी शक्ति, साहस और प्रतिभा को उजागर भी करता है. वास्तव में विपत्ति केवल बाधा नहीं, बल्कि उन्नति का एक सुनहरा अवसर होती है. इतिहास साक्षी है कि जिन लोगों ने विपरीत परिस्थितियों का डटकर सामना किया, उन्होंने असाधारण सफलता प्राप्त की. विपत्ति हमें संघर्ष करना सिखाती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और जीवन की वास्तविकताओं से परिचित कराती है. जब सब कुछ अनुकूल होता है, तब हमारी क्षमताएँ सीमित रह जाती हैं; परंतु कठिनाइयाँ हमें अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं- *लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती.* विपत्ति मनुष्य को धैर्य, संयम और साहस का पाठ पढ़ाती है. जैसे सोना आग में तपकर कुंदन बनता है, वैसे ही मनुष्य संकटों की भट्टी में तपकर निखरता है. *विपत्तियों ही दिल के इरादों को आज़माती हैं, आलस्य कमजोरी को निगाहों से हटाती हैं. हौसला मत हार गिरकर ऐ मुसाफ़िर, ठोकरें ही इंसान को चलना सिखाती हैं.* जब व्यक्ति संकट में होता है, तब वह नए रास्ते खोजता है. यही खोज उसे नई

डा. (सीए) विनोद अग्रवाल

उपलब्धियों तक पहुँचाती है. जन्म से अंधे कोलकता के रवीन्द्र जैन ओर सीए, दिलिप लोयलका, कार दुर्घटना में दोनों पैर खोने के बावजूद भी नाचने वाली सुधा चंद्रन,व्हील चेयर पर बैठे कर्म योगी पुष्कर लाल केडिया, मुंबई ओटो चालक की लड़की सीए फाइनल परीक्षा में भारत में प्रथम आकर, ने अपने जीवन की विपत्तियों को अवसर बनाकर इतिहास रचा है. यदि वे कठिनाइयों के सामने हार मान लेते, तो संसार उनकी उपलब्धियों से वंचित रह जाता. अतः हमें विपत्ति से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उसे आत्मविकास का माध्यम मानकर स्वीकार करना चाहिए. हर कठिनाई अपने साथ एक शिक्षा और नया अवसर लेकर आती है. आवश्यकता केवल सकारात्मक दृष्टिकोण और अटूट विश्वास की है- *वक्त की ठोकरें हमें संभलना सिखा देती हैं, हौसले वाली सोच हर हाल में मुस्कुराती हैं.* इसलिए जब भी जीवन में विपत्ति आए, उसे अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत समझें; क्योंकि अक्सर उन्नति के सबसे बड़े अवसर विपत्ति की गोद में ही जन्म लेते हैं. उपर्युक्त प्रेरक विचार देश के प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विनोद अग्रवाल ने बिरला एकडेमी फोर आर्ट एंड कल्चर द्वारा आयोजित, विनोद पोजिटिव फाउंडेशन की 625 वी मोटिवेशनल शैशन में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किये. संस्था के पदाधिकारी सीए विजय दालान ने स्वागत भाषण में विपरीत परिस्थितियों को भी संघर्ष, सकारात्मक सोच, समभाव अपनाकर उन्नति का माध्यम बताया. प्रसिद्ध उद्योगपति रामरतन अग्रवाल, सीए पवन कुमार पाटोदिया,सीए, विनोद कुमार खन्ना, सीए गुप्ता, फायनेन्शियल सलाहकार अभिषेक मुखर्जी, इंजीनियर विनीत कुमार अग्रवाल, व्यवसायी राजीव अनिता कटारुका, एक्युप्रेशर विशेषज्ञ अनिता अग्रवाल, साहित्यकार पवन कुमार धानुक, सीए सुमित दालान, सीए राम बाबू गोयनका, सुश्री शुभश्री,समीर दुग्गड, सीए रमेश गुप्ता झुंझुनूं प्रगति संघ, सुमित नाहटा, सपन दत्ता, अध्यापिका पूजा अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल सम्बलपुर वाले सहित कई गणमान्य व्यक्ति बिरला एकडेमी के भव्य सभागार में उपस्थित थे.

शोभनदेव को नेता प्रतिपक्ष बनाने वाली अभिषेक की चिट्ठी पर सचिवालय ने उठाए सवाल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में टीएमसी संसदीय दल के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को लेकर एक तकनीकी पेंच फंस गया है. विधानसभा सचिव ने जानकारी दी है कि टीएमसी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने माननीय अध्यक्ष (स्पीकर) को एक पत्र भेजा था. इस पत्र में उल्लेख किया गया था कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को सर्वसम्मति से विधानसभा में विपक्ष का नेता (विरोधी दल नेता) चुना गया है. इसके साथ ही, पत्र में सहायक दल नेता के रूप में असीमा पात्रा और नयना बंद्योपाध्याय तथा मुख्य सचेतक के रूप में फिरहाद हकीम के नामों का प्रस्ताव भेजा गया था. विधानसभा सचिव के अनुसार, इस पत्र में कुछ बेहद महत्वपूर्ण कानूनी

और प्रक्रियात्मक कमियां पाई गई हैं, जिसके कारण मामला अटक गया है. सचिव ने स्पष्ट किया कि पत्र के साथ पार्टी की उस बैठक की कोई 'रेजोल्यूशन कॉपी' (प्रस्ताव पत्र) या 'मिनट्स' (बैठक का विवरण) संलग्न नहीं किया गया था, जिसमें यह निर्णय लिया गया था. सचिवालय को यह नहीं बताया गया कि टीएमसी के कितने सदस्यों या विधायकों ने इस फैसले पर अपनी लिखित सहमति दी है. पत्र में पार्टी की बैठक होने का जिक्र तो किया गया है, लेकिन वह बैठक कब और किस तारीख को आयोजित हुई थी-इसका कोई उल्लेख नहीं है. पार्टी की बैठक कब हुई और किन-किन सदस्यों ने इस पर अपनी सहमति दी-यह पूरी तरह स्पष्ट न होने के कारण विधानसभा स्पीकर रथींद्रनाथ बसु ने इस चिट्ठी के आधार पर फिलहाल कोई भी अंतिम निर्णय लेने से इनकार कर दिया है. इस प्रशासनिक पेच को सुलझाने के लिए विधानसभा सचिवालय की ओर से अगले ही दिन अभिषेक बनर्जी को एक जवाबी पत्र भेजा गया है. इस पत्र में सचिवालय ने टीएमसी नेतृत्व से उस संसदीय बैठक की आधिकारिक रेजोल्यूशन कॉपी और मिनट्स जल्द से जल्द जमा करने का अनुरोध किया है, ताकि आगे की प्रक्रिया को नियम सम्मत तरीके से पूरा किया जा सके. इस तकनीकी अड़चन के बाद अब सत्तापक्ष के अगले कदम पर सबकी निगाहें टिकी हैं.

टीएमसी सांसद काकोली घोष को मिली 'वाई' कैटेगरी सिक्योरिटी

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष दस्तिदार को केंद्र सरकार ने 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है. केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से यह सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है. इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह फैसला लिया. काकोली की सुरक्षा में सीआइएसएफ के जवान तैनात किए गए हैं और 19 मई से यह व्यवस्था लागू हो चुकी है. राजनीतिक हलकों में इस फैसले को लेकर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा में अपने संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से काकोली को हटा दिया था.

अभिषेक बनर्जी की संपत्ति मामले में तृणमूल ने मीडिया को घेरा, भाजपा पर लगाए आरोप

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की कथित विशाल संपत्ति को लेकर उठे विवाद पर पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मीडिया के एक वर्ग पर तीखा हमला बोला है. बुधवार को जारी बयान में पार्टी ने दावा किया कि अभिषेक बनर्जी की संपत्ति को लेकर प्रसारित जानकारी पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत है. तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा जारी नोटिस को भाजपा ने अनैतिक तरीके से मीडिया तक पहुंचाया. पार्टी का कहना है कि इस मामले को राजनीतिक उद्देश्य से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है. मीडिया को इसके बारे में झूठी खबरें नहीं फैलानी चाहिए. बयान में कहा गया है कि पत्रकार अभिषेक बनर्जी की कथित संपत्तियों के बताए गए पतों पर जाकर स्वयं जांच कर सकते हैं कि वे वास्तव में उनकी संपत्ति हैं या नहीं. पार्टी ने मीडिया से तथ्यों की पुष्टि किए बिना भ्रामक खबरें प्रसारित नहीं करने की अपील की. तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की कथित विशाल संपत्ति संबंधी दावों का कोई कानूनी या प्रशासनिक आधार नहीं है. पार्टी ने आरोप लगाया कि मीडिया का एक वर्ग बिना सत्यापन के इस खबर को लगातार प्रचारित कर रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है. पार्टी नेताओं का कहना है कि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को उछाल रहा है, जबकि वास्तविक तथ्यों को नजरअंदाज किया जा रहा है.

पश्चिम बंगाल सरकार ने महिलाओं के लिए 'अन्नपूर्णा' वित्तीय सहायता योजना की अधिसूचना जारी की

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार ने महिलाओं के लिए 'लक्ष्मीर भंडार' कार्यक्रम के स्थान पर 'अन्नपूर्णा योजना' की अधिसूचना जारी की है जिसके तहत प्रति माह 3,000 रुपये का मासिक भत्ता दिया जाएगा. यह योजना एक जून से प्रभावी होगी. महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना में योजना का लाभ प्राप्त करने की पात्रता के संबंध में कुछ शर्तें भी जोड़ी गई हैं. इस विभाग का प्रभार अग्निमित्रा पॉल के पास है. अधिसूचना में कहा गया है कि 25 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाएं, जो स्थायी सरकारी कर्मचारी नहीं हैं और वेतन या पेंशन प्राप्त नहीं करती हैं तथा आयकर का भुगतान नहीं करती हैं, वे इस वित्तीय सहायता को प्राप्त करने की पात्र हैं. इसमें कहा गया है कि सहायता राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण माध्यम से लाभार्थी के नाम पर आधार कार्ड से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाएगी. अधिसूचना के अनुसार, 'लक्ष्मीर भंडार' योजना के सभी मौजूदा लाभार्थियों को अन्नपूर्णा योजना में स्थानांतरित किया जाएगा सिवाय उन मतदाताओं के जो एसआईआर 2026 के दौरान मृत, स्थानांतरित, हटाए गए या अनुपस्थित पाए गए हों या मसौदा सूची के प्रकाशन के बाद दूसरी सूची में हटाए गए हों या सुनवाई के बाद हटाए गए हों तथा मतदाता पर्ची वितरण के दौरान एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लिकेट) पाए गए हों.

पूर्व तृणमूल विधायक आदिति मुंशी के पति पार्षद देबराज चक्रवर्ती पुलिस ने हिरासत में

कोलकाताः पश्चिम बंगाल पुलिस ने देबराज चक्रवर्ती को मंगलवार देर रात हिरासत में लिया. गायिका व राजारहाट-गोपालपुर से पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक अदिति मुंशी के पति हैं. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि देबराज चक्रवर्ती को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया है या केवल पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है. सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े एक पुराने मामले में उनसे पूछताछ की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, 2021 विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता प्रसेनजीत विश्वास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी. आरोप लगाया गया था कि उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया. उस समय इस घटना को लेकर राज्यभर में राजनीतिक तनाव पैदा हो गया था और इसे चुनाव बाद हिंसा से जुड़ा मामला बताते हुए शिकायत दर्ज कराई गई थी. सूत्रों का कहना है कि इसी पुराने मामले में

देबराज चक्रवर्ती को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है. वह बिधाननगर नगर निगम में तृणमूल कांग्रेस के पार्षद भी हैं. मामले में पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है. देबराज चक्रवर्ती को लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है. राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद कई भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी और उन पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए थे. राज्य में संपन्न विधानसभा चुनाव में अदिति मुंशी राजारहाट-गोपालपुर सीट से चुनाव हार गई थीं. मतगणना केंद्र के बाहर उन्हें भावुक होते हुए देखा गया था. उस समय उन्होंने और उनके पति ने मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया था. भाजपा सरकार बनने के बाद तृणमूल कांग्रेस नेताओं की कथित अवैध और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई तेज हो गई है. विभिन्न मामलों में कानून-व्यवस्था भंग करने और असामाजिक गतिविधियों के आरोपों को लेकर लगातार छापेमारी और कार्रवाई की जा रही है.

क्या तनाव बढ़ा सकता है आपका वजन ?

- डॉ. प्रीति जायसवाल

आज की तेज़ भागती जिंदगी में तनाव (Stress) लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुका है. काम का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ, नींद की कमी और लगातार मानसिक चिंता केवल मन को ही नहीं, बल्कि शरीर को भी प्रभावित करती हैं. बहुत से लोग यह महसूस करते हैं कि बिना ज्यादा खाने के भी उनका वजन बढ़ रहा है. ऐसे में सवाल उठता है- क्या तनाव वास्तव में वजन बढ़ा सकता है? तनाव के दौरान शरीर में कॉर्टिसोल नामक हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है. यह हार्मोन शरीर को कठिन परिस्थितियों से निपटने में मदद करता है, लेकिन लंबे समय तक इसका बढ़ा रहना शरीर में कई बदलाव लाता है. कॉर्टिसोल भूख बढ़ा सकता है, विशेषकर मीठा और तला-भुना खाने की इच्छा. यही कारण है कि तनाव में लोग बार-बार स्नैकिंग या ओवरईटिंग करने लगते हैं. तनाव का असर हमारी नींद पर भी पड़ता है. कम नींद लेने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता है, जिससे कैलोरी सही तरीके से बर्न नहीं हो पाती. साथ ही थकान और आलस बढ़ने से शारीरिक गतिविधियाँ भी कम हो जाती हैं, जो वजन बढ़ने का एक बड़ा कारण बनता है. कुछ लोगों में तनाव इमोशनल ईटिंग की आदत पैदा कर देता है. यानी जब व्यक्ति दुखी, परेशान या मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करता है, तो वह खाने में आराम खोजने लगता है. धीरे-धीरे यह आदत मोटापे और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है. तनाव केवल वजन ही नहीं बढ़ाता, बल्कि हाई Blood Pressure, Diabetes, Migraine और Hormonal Imbalance जैसी समस्याओं का जोखिम भी बढ़ा सकता है. इसलिए केवल डाइटिंग करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है. तनाव कम करने के लिए नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, मेडिटेशन, स्क्रीन टाइम कम करना और संतुलित जीवनशैली अपनाना मददगार हो सकता है. यदि वजन लगातार बढ़ रहा हो या शरीर में अन्य बदलाव महसूस हों, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित रहता है.

टीएमसी के पूर्व एमएलए सोहम चक्रवर्ती को जान से मारने की धमकी

एक्टर ने की कानूनी कार्रवाई की मांग

कोलकाताः बांग्ला फिल्म अभिनेता व तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक सोहम चक्रवर्ती को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है. अभिनेता ने आरोप लगाया है कि एक फिल्म निर्माता ने उन्हें फोन पर अपशब्द कहने के बाद यह धमकी दी है. वे इसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं. सोहम ने यह भी साफ किया कि वे राजनीति नहीं छोड़ेंगे. मामला 2018 की एक बांग्ला फिल्म से जुड़ा है. निर्देशक महुआ चक्रवर्ती की फिल्म में अभिनय के लिए सोहम को 15 लाख रुपये अग्रिम तौर पर दिए गए थे. फिल्म के निर्माता तरुण दास थे. सोहम के मुताबिक, बाद में निर्देशक ने उन्हें बताया कि वह निर्माता के व्यवहार से सहज नहीं हैं और इसलिए फिल्म से हट रही हैं. इसके बाद फिल्म का काम ठप पड़ गया. सोहम का कहना है कि पिछले आठ वर्षों में इस फिल्म को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई. कुछ दिन पहले अचानक निर्माता की ओर से उन्हें फोन कर अग्रिम राशि लौटाने को कहा गया. अभिनेता ने साफ कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के नियमों के मुताबिक यदि निर्माता खुद फिल्म बंद कर देता है तो अग्रिम राशि लौटाने का कोई नियम नहीं होता. दूसरी तरफ निर्माता का आरोप है कि सोहम ने बार-बार तारीख मांगने के बावजूद शूटिंग के लिए समय नहीं दिया, जिसके कारण फिल्म पूरी नहीं हो सकी. सोहम ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि निर्माता उनके कार्यालय पहुंचे और रुपये लौटाने का दबाव बनाया. जब उन्होंने रुपये लौटाने से इनकार किया तो मंगलवार रात फोन कर उन्हें अपशब्द कहे. धमकी देते हुए यह भी कहा-'तीर-धनुष चलेगा, खेला होगा. सोहम ने आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक बदलाव का हवाला देकर जान से मारने की धमकी दी गई. उन्होंने कानूनी कदम उठाने का संकेत दिया है. राजनीति छोड़ने के सवाल पर उन्होंने दो-टूक कहा-'और जो भी करूं, राजनीति मैं नहीं छोड़ूंगा. फिलहाल वह परिवार को समय देने के साथ अपने अभिनय करियर पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन